सेंसेक्स	83,536.08
निफ्टी	25,476.10
सोना	98,180
चांदी	1,10,000
डॉलर	85.72

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
हिन्दी दैनिक
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 10 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 285
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

भारत में पहली बार बिजली के वायदा कारोबार की शुरुआत

मुंबई। गुरुवार से मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में बिजली के वायदा कारोबार की शुरुआत हो जाएगी। भारत में बिजली का पहला वायदा कारोबार का सौदा गुरुवार को होने जा रहा है। वायदा कारोबार में बिजली उत्पादक कंपनियां, बिजली वितरण कंपनियां, बड़े औद्योगिक घराने तथा बड़े औद्योगिक उपभोक्ता वायदा कारोबार के माध्यम से बिजली की खरीद और बिक्री कर सकेंगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज वायदा कारोबार में एक टूल की तरह काम करेगा। एमसीएक्स के एमडी के अनुसार तीन महीने की अवधि का वायदा कारोबार प्रारंभ में शुरू किया जा रहा है। तीन माह में सौदे का निपटारा होगा। वायदा कारोबार में बिजली पहली बार शामिल की गई है। ऐसी स्थिति में इसके कारोबार और परिणाम पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज की नजर रहेगी।

दिल्ली में पुराने वाहनों पर फ्यूल प्रतिबंध 1 नवंबर तक स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) या ओवरएज वाहनों पर फ्यूल प्रतिबंध 1 नवंबर तक स्थगित किया गया है। वायु गुणवत्ता आयोग की बैठक में यह फैसला लिया गया। जो डीजल गा़ियां 10 साल से पुरानी और पेट्रोल गा़ियां 15 साल से पुरानी होती हैं उन्हें ईओएल वाहन कहा जाता है। पहले जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, इसतरह के वाहनों को 1 जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था। अब इन्हें 31 अक्टूबर तक राहत दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 3 जुलाई को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इसतरह के वाहनों के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था। दरअसल, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने अप्रैल में आदेश दिया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों में ईंधन नहीं डाला जाएगा, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। ये नियम दिल्ली के अलावा गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और सोनीपत में भी लागू होगा। दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता आयोग को पत्र लिखकर पुराने वाहनों पर ईंधन भरवाने की रोक को फिलहाल रोकने की अपील की है। ये जानकारी गुरुवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी।

जस्टिस वर्मा का छिनेगा पद! सरकार ने दी महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली। घर में मिली नकदी मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार इस बात को लेकर मंथन कर रही है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या पहले लोकसभा से पारित कराया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन करने को तैयार हैं। बस कांग्रेस की मांग है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिकता फैलाने वाला बयान दिया था।

बता दें महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होना जरूरी है। इसके अलावा राज्यसभा के 50 सांसदों का समर्थन हो। यह शर्त सदन में प्रस्ताव लाने के लिए है।

वडोदरा को आणंद से जोड़ता गंभीरा ब्रिज ढ्हा, 9 लोगों की मौत

वडोदरा। बुधवार की सुबह गुजरात में एक बड़ी दुर्घटना हो गई। आज सुबह वडोदरा के पादरा में मुजपुरा-गंभीरा पुल बीच में से टूट गया। घटना के वक्त पुल से गुजर रहे लोग अपने वाहनों समेत महीसागर नदी में गिर गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है। कुछ घायल हुए हैं। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 स्पैन में से एक के ढहने से हुई त्रासदी दुखद है। यह पुल 1985 में बना था और 40 साल पुराना यह पुल जर्जर हो चुका था। कई बार स्थानीय लोगों ने प्रशासन का ध्यान भी इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया। लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी निद्रा में सो रहा था और उसे इस पुल की हालत पर कभी ध्यान ही नहीं गया। नतीजा यह हुआ कि कई लोग मारे गए। बड़ी दुर्घटना के बाद अब प्रशासन को जाँच-पड़ताल करना याद आया। घटना के बारे में मुख्यमंत्री ने जानकारी हासिल कर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। पुल ढहने के मुद्दे पर प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल का बयान सामने आया है। जिसमें आणंद और पादरा को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा ढह गया है। 5 लोगों को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि 212 करोड़ की लागत से एक नया पुल बनाने की भी मंजूरी दी गई थी। आज हुई दुर्घटना में कई वाहनों के नदी में गिरने की आशंका है।

हादसे की खबर मिलते ही मुजपुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और स्वास्थ्यकर्मी भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस हादसे की वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो फुटेज में एक टैंकर पुल की टूटी रेलिंग पर लटका हुआ नजर आया है। जानकारी अनुसार गंभीर पुल, जो मध्य गुजरात को सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ता है, वडोदरा और आणंद के बीच यातायात का एक प्रमुख मार्ग था। पुल के जर्जर हालत को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से प्रशासन को चेता रहे थे। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार पुल की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पुल के टूटने के बाद नदी में गिरे वाहनों को बाहर निकालने का काम जारी है। प्रशासन ने एक तकनीकी जांच समिति गठित कर दी है। सड़क एवं भवन विभाग के सचिव पी.आर. पटेलिया ने मीडिया को बताया कि एक स्पैन डैमेज हुआ है, इसकी विस्तृत जांच के लिए एक्सपर्ट्स की टीम भेज दी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने गुजरात में पुलों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं और एक बार फिर बुनियादी ढांचे की निगरानी और मरम्मत व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक लापरवाही उजागर हुई है। फिलहाल राहत कार्य जारी है और नदी में गिरे बाकी वाहनों और संभावित पीड़ितों की तलाश की जा रही है।

नदी में गिरने से पहले पिकअप वैन से एक शख्स ने कूदकर बचाई जान, नदी में गिरे तीन लोग भी सुरक्षित

बुधवार की सुबह वडोदरा जिले में ब्रिज दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए और कई वाहन महिसागर नदी में बह गए। वडोदरा को आणंद से जोड़ने वाले गंभीरा ब्रिज दुर्घटना में कई लोग चमत्कारिक बचाव हुआ है। जिसमें चार लोग ऐसे हैं जो पिकअप वैन में सवार थे। ब्रिज दुर्घटना से ठीक पहले पिकअप वैन नदी में गिरे उससे पहले एक शख्स ने अपनी जान बचा ली। पिकअप वैन में सवार अन्य तीन लोग नदी में जा गिरे। नदी में गिरे इन तीनों लोगों को भी बचा लिया गया है। घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी और जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि वह क्षण कितना खतरनाक था। पुल टूटने से पहले ही वह व्यक्ति नदी में कूदकर अपनी जान बचा ली। इस पिकअप वैन में बैठे तीन अन्य लोग वैन के साथ नदी में गिर गए। उन्हें भी सुरक्षित बचा लिया गया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हम बोरसद से जंबूसर जा रहे थे, तभी पीछे से एक धमाका हुआ। पुल झुका हुआ था, इसलिए हम अपनी गाड़ी पर नहीं चढ़ सके। हम जान बचाने के लिए कूद पड़े। गाड़ी पीछे की ओर जाती रही। पीछे लोग रो रहे थे। चार-पाँच गाड़ियाँ गिर गई थीं। एक टैंकर फँस गया था। रिक्शा और ईको कारें भी थीं। उन्हें बचाने के लिए बहुत से लोग जमा हो गए थे, लेकिन कमर तक पानी था। हम एक बोलेरो पिकअप वैन में थे। वह भी पानी में है। हमारे साथ ड्राइवर समेत तीन और लोग थे। वे बच गए हैं। ऊपर वाले की मेहरबानी है कि हम बच गए।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ाई है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। एनआईए कोर्ट 13 अगस्त को चार्जशीट पर सुनवाई करेगा। ये जांच एजेंसी की आंतकी राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इसके पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था। एनआईए की पूछताछ में राणा ने मुंबई हमले के समय मुंबई में होने और पाकिस्तान का एजेंट होने की बात कबूल ली है। राणा ने माना था कि हमला करने में भी मदद की थी। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल 2025 को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था। इसके पहले सोमवार को सामने आया था कि 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी राणा मुंबई में था। यह बात आंतकी ने एजेंसी की पूछताछ में कबूल की। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है। उसने बताया कि उसने हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है। पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है।

प्रदूषण के चलते कम से कम समय के लिए दिल्ली में ठहरता हूं- गडकरी

नई दिल्ली। बेहतर और हाई तकनीक के कामों के लिए पहचान बना चुके केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली के प्रदूषण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह दिल्ली आने से पहले ही वापसी की टिकट बुक करा लेते हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि प्रदूषण को खत्म करने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने यहां एनएचएआई यानी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक कार्यक्रम में कहा कि एथनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देकर और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान से प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार सड़क बनाने में कचरे का भी इस्तेमाल कर रही है और इस काम में लगभग 80 लाख टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है। गडकरी ने कहा, हम अपने राजमार्गों पर बारिश का पानी जमा करने जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एनएचएआई बांस के बागान, घने वृक्षारोपण और हरित गलियारे बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें आगे कहा गया कि एनएचएआई ने 2024-25 के दौरान 60 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 67 लाख पेड़ लगाए।

राजस्थान के चुरू में आर्मी का फाइटर प्लेन क्रैश, दो शव बरामद

4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

जयपुर। राजस्थान के चुरू में बुधवार को एक फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। मलबे से दो शव भी बरामद किए हैं। यह वायुसेना का टू सीटर जगुआर लड़ाकू विमान था। लड़ाकू विमान ने सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ान भरी थी और इसमें दो पायलट सवार थे।

चुरू के रतनगढ़ के पास ये हादसा हुआ है।

जानकारी अनुसार बुधवार दोपहर तेज आवाज के साथ लोगों ने विमान को जमीन पर बिखरे हुए देखा। कुछ ही पलों में खेतों में दूर तक विमान का मलबा बिखर गया, जिसमें आग लग चुकी थी। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने दो लोगों के क्षत-विक्षत शव भी देखे। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। मलबे से दो शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 1.25 पर भनोदा गांव के खेतों में विमान गिरा।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास मानव अंग बरामद किए हैं।

ग्रामीणों में दहशत, भारी संख्या में जुटी भीड़

ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने तेज धमाके की आवाज के बाद धुएं का गुबार उठता देखा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। कई लोग घटनास्थल के पास जमा हो गए हैं।

4 माह में तीसरा जगुआर जेट क्रैश

वायुसेना बीते 4 महीने में तीन जगुआर फाइटर प्लेन खो चुकी है। 7 मार्च 2025 को हरियाणा के पंचकूला में वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनिंग मिशन के दौरान क्रैश हुआ था। पायलट ने समय रहते बाहर निकल आया और हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, 2 अप्रैल 2025 को जामनगर में रात के अभ्यास मिशन में उड़ान भरते समय जगुआर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक पायलट की मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

जगुआर एक ब्रिटेन और फ्रांस की संयुक्त परियोजना से बना ग्राउंड अटैक और डीप स्ट्राइक लड़ाकू विमान है। भारत ने 1979 में वायुसेना में शामिल किया था। इस खासतौर पर दुश्मन के ठिकानों पर गहराई तक जाकर हमला करने के लिए तैयार किया गया था। यह विमान परमाणु हथियारों को भी ले जाने में सक्षम है। भारतीय वायुसेना ने जगुआर को 'शमशेर' नाम दिया है। यह विमान कई दशकों से भारत की हवाई शक्ति का अहम हिस्सा रहा है। करगिल युद्ध सहित कई अहम अभियानों में इसका उपयोग हुआ है। इस भारत में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भी बनाया है।

मतदाता सूची को लेकर महागठबंधन ने कराया बिहार बंद

4 जगह ट्रेनें रोकीं, 5 शहरों में हाईवे जाम

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हो रहे वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में विपक्ष ने बुधवार यानी आज बिहार बंद बुलाया है। इस बंद में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होने पटना पहुंचे हैं। भोजपुर के बिहिया स्टेशन पर पूर्व राजद विधायक भाई दिनेश ने अपने समर्थकों के साथ श्रमजीवी एक्सप्रेस और विभूति एक्सप्रेस को रोककर नारेबाजी की। 3 मिनट बाद ट्रेन को रवाना करवाया गया। बेगूसराय में राजद कार्यकर्ताओं ने एनएच-31 को जाम कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जहानाबाद में भी महागठबंधन के नेताओं ने मेमू पैसेंजर को रोका और नारेबाजी की। थो़ी देर बाद पुलिस ने सभी को ट्रैक से हटाया। दरभंगा में प्रदर्शनकारियों ने नमो भारत ट्रेन को रोका पटना के मनेर में एनएच-30 को जाम किया गया। नेताओं ने आगजनी कर प्रदर्शन किया। माले के

नेतृत्व में आराङ्ससाराम मुख्य मार्ग को जाम किया गया। इससे सैक़ों गा़ियां जाम में फंस गई।

पटना के मनेर में राजद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग 30 को जाम कर दिया है। इस दौरान आगजनी की जा रही है। प्रदर्शनकारी पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रहे हैं। इलेक्शन कमीशन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। बिहार बंद का असर दरभंगा, आरा, वैशाली के साथ-साथ जहानाबाद में भी दिख रहा है। जहां महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने स्टेशन पहुंचकर ट्रेन को रोक दी। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात दिखे। प्रदर्शनकारियों को समझाया बुझाया जा रहा है। लेकिन वे मानने को तैयार नहीं है। आरा और वैशाली में बिहार बंद को लेकर जमकर प्रदर्शन किया जा रहा है। आरजेडी कार्यकर्ताओं ने आरा स्टेशन पर ट्रेनों का चक्का जाम कर दिया है। वहीं, सड़कों पर भी खूब बवाल हो रहा है। जबकि वैशाली में एनएच जाम कर विरोध जताया जा रहा है। इस दौरान सड़कों पर आगजनी भी देखी जा रही है। जाम से वाहनों की कतार लग गई है।

कटिहार में बंद का असर

कटिहार जिले के कुर्सेला में राजद नेता गुड्डु यादव के नेतृत्व में बंद समर्थकों ने एनएच-31 और एनएच-77 को जाम कर दिया है। वे मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। सड़क पर बैठकर बंद समर्थक नारेबाजी कर रहे हैं।

अभिनेत्री आलिया भट्ट की पूर्व पीए 76 लाख की धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नई दिल्ली। अभिनेत्री आलिया भट्ट की पूर्व पर्सनल असिस्टेंट वेदिका प्रकाश शेट्टी को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस, इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और उनके पर्सनल अकाउंट्स से पैसे हड़प लिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रकाश शेट्टी ने इन दोनों खातों से 76,90,892 रुपये की धोखाधड़ी की है। वेदिका प्रकाश शेट्टी आलिया भट्ट की करीबी टीम का हिस्सा थीं और पर्सनल असिस्टेंट के तौर पर काम कर रही थीं। इसी पोजिशन का फायदा उठाकर उन्होंने कथित रूप से पैसों की हेराफेरी की। मामला सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मच गई है।

मामला जुहू पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है और शुरुआती जांच के बाद वेदिका शेट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कहा जा रहा है कि वे लंबे समय से इस फ्रॉड को अंजाम दे रही थीं। पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि पैसे किस तरह और कब-कब निकाले गए। हालांकि अब तक आलिया भट्ट या उनकी टीम की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस बैनर की पहली फिल्म थी 'डार्लिंग्स' जिसे शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ को-प्रोड्यूस किया गया था। फिल्म में आलिया के साथ विजय वर्मा और शेफाली शाह ने काम किया था। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस वक्त आलिया भट्ट अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक स्पाई यूनिवर्स फिल्म है, जिसमें आलिया के साथ शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने जा रही है।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का दावा....बैंक, बीमा, डाक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी सेवाएं प्रभावित

देशभर में 25 करोड़ कर्मचारी रहे हड़ताल पर

नई दिल्ली। बैंक, बीमा, डाक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी सेवाएं 9 जुलाई को देश में कई जगहों पर प्रभावित हुई है। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने देशव्यापी हड़ताल बुलाई है। यूनियन का दावा है कि देशभर में 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

ट्रेड यूनियन मोदी सरकार के निजीकरण और 4 नए लेबर कोड्स के विरोध में हैं। ये केंद्र की उन नीतियों का विरोध कर रहीं हैं, जिन्हें वे मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक मानती हैं। सर्वे के मुताबिक देश में पब्लिक और निजी सेक्टर में 56 करोड़ कर्मचारी हैं। इसमें गैर-सरकारी सेक्टर में 50 करोड़ और सरकारी सेक्टर में 6

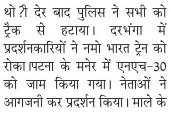

करोड़ कर्मचारी हैं।

वहीं मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बैंक कर्मचारियों और अलग-अलग ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने केंद्र सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए 24 घंटे के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान विरोध रैली निकाली। राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के दौरान कर्नाटक के हुबली में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने विरोध रैली निकाली। इस रैली में ब़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

देशव्यापी हड़ताल के चलते महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में बैंक शाखाओं में काम-काज ठप है। मुंबई में हड़ताल के दौरान बैंक कर्मचारियों ने बैंक के बाहर नारेबाजी भी की। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की महासचिव अमरजीत कौर ने बताया कि भारत बंद की आम हड़ताल आज से पूरे देश में शुरू हो गई है। उन्हें पश्चिम बंगाल, केरल, झारखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु और बिहार सहित राज्यों से आंदोलन की रिपोर्ट और तस्वीरें मिली हैं।

मतदाता सूची विवाद के चलते बिहार जैसा मॉडल पूरे देश में लागू करेगा आयोग

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की जांच पड़ताल चल रही है है। इसको लेकर कुछ सवाल भी खड़े हुए हैं और विपक्ष का आरोप है कि इसमें लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। ये विवाद खत्म होता इससे पहले सूत्रों के हवाले से खबरें आ रहीं है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) प्रक्रिया यानी बिहार वाला मॉडल पूरे देश में लागू होगा। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार सर को पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। इसके ऑर्डर के पैरा 10 के तहत यह प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें बिहार के बाद अन्य राज्यों में इसे लागू करने का निर्णय आयोग उचित समय पर लेगा। बिहार में इसकी शुरुआत इसलिए हुई क्योंकि यहां चुनाव पहले हुए थे, लेकिन अब आयोग का ध्यान देश के अन्य राज्यों पर है। इसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे आगामी चुनावी राज्य भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार अभी यह तय नहीं है कि सर को पूरे देश में एक साथ लागू किया जाए या चुनावों के करीब आने के साथ-साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। इस पर आगामी समय में फैसला लिया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में कहा था कि 'शुद्ध मतदाता सूची' लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य हैं। उनका यह बयान सर प्रक्रिया के पीछे की मंशा को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची से नकली और दोहराए गए नामों को हटाकर चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है। हालांकि, यह फैसला विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती बन सकता है। बिहार में स्क्र लागू होने के बाद आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मतदाताओं के नाम काटने की साजिश करार दिया है। इसको लेकर बुधवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने हाल ही में चुनाव आयोग पर राजनीतिक दबाव में काम करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में आयोग ने उनके दावों को भ्रामक बताया। विपक्ष का तर्क है कि सर प्रक्रिया का दुरुपयोग सत्तारूढ़ पार्टी के हित में हो सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां 2026 या उससे पहले विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि सर का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है न कि किसी राजनीतिक दल को नुकसान पहुंचाना। प्रक्रिया में ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हैं और दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण की पुष्टि करते हैं। अब आयोग का इरादा है कि अन्य राज्यों में भी इस प्रणाली को लागू कर मतदाता सूची को शुद्ध किया जाए। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में है, लेकिन इसे लागू करने में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना जरूरी होगा।

अपने अपने ईष्ट देवता की कसम खाकर कहो, पलटोगे तो नहीं?

भरवेली पंचायत में तख्ता पलट की योजना बना रहे पंचगण

उपसरपंच सहित अन्य पंचों ने पंचायत उदघाटन का भी किया बहिष्कार, सामूहिक इस्तीफे की दी चेतावनी, उप सरपंच के घर बिछाई गई तख्ता पलट की बिसात, सरपंच बोली-जनता कहे तो मैं इस्तीफा देने तैयार हूं

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच के तख्ता पलट की बिसात बिछा दी गई है।जहां भरवेली पंचायत के उपसरपंच सहित अन्य पंच, भरवेली पंचायत में तख्तापलट की योजना बना रहे हैं।

जिसको मूलरूप देने के लिए उन्होंने बुधवार को उप सरपंच राजेश बाहेश्वर के घर में सामूहिक रूप से बैठक कर 11 जुलाई को ग्राम भरवेली के नए पंचायत भवन व मूर्ति अनावरण लोकार्पण समारोह का सामूहिक रूप से बहिष्कार करने का फैसला लिया है।तो वहीं उन्होंने सामूहिक रूप से अपने पंच पद से इस्तीफा दिए जाने की भी चेतावनी दी है। उपसरपंच सहित अन्य पंचों का आरोप है कि पिछले 3 वर्षों में उनके वार्ड में विकास के कोई कार्य नहीं हुए हैं। जिससे जनता की उम्मीद पर वह खरे नहीं उतर पा रहे हैं । जनता के काम न होने के चलते जनता उनसे सवाल पूछ रही है। वहीं पंचायत द्वारा उनके वार्ड में जनता की मांग के अनुरूप कार्य नहीं कराए जा रहे हैं। जिसके चलते उन्होंने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा एसडीएम कार्यालय में सौपने का निर्णय लिया है। जहां उन्होंने न सिर्फ सामूहिक रूप से इस्तीफा सौंप कर वर्तमान पंचायत कार्यकारिणी को भंग किए जाने की मांग की है। बल्कि सभी का सामूहिक रूप से इस्तीफा स्वीकार कर, पंचायत में तत्काल चुनाव कराकर मजबूत कार्यकारिणी का गठन किए जाने की भी प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई है। उधर इस पूरे मामले को लेकर भरवेली पंचायत सरपंच श्रीमती गीता बिसेन ने विरोधी पार्षदों के द्वारा लगाए गए आरोपी को झूठा व बे-बुनियाद बताते हुए इसका फैसला जनता द्वारा किए जाने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भरवेली की जनता उन्हें कह दे कि वे पद छोड़ दें, तो वह अपना इस्तीफा देने के लिए तैयार है।

बैठक में पंचों ने लिया सामुहिक इस्तीफा का निर्णय

भरवेली पंचायत में तख्तापलट का यह फैसला बुधवार को उपसरपंच सहित अन्य पंचों ने एक बैठक का आयोजन कर लिया है। जहां उपसरपंच राजेश बाहेश्वर के निवास पर सभी पंचों की बैठक आहूत की गई।आयोजित इस बैठक के दौरान अपनी बातों से ना पलटने के लिए अपने ईष्ठ देवता की कसम खाकर अपने इरादे पर मजबूत रहने की बात कही गई।जहां सभी ने सामूहिक रूप से अपने इस इरादे पर अटल रहने और नवनिर्मित पंचायत भवन के लोकार्पण समारोह का सामूहिक रूप से बहिष्कार कर, सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दिए जाने का फैसला लिया। वही अपने इस फैसले पर सामूहिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं। बताया गया कि सामूहिक रूप से लिए गए इस फैसले की कॉपी अपने इस्तीफे के साथ एसडीएम कार्यालय में सौपकर समस्त पंचगण अपने पद से सामूहिक इस्तीफा दे देंगे।

इसके पूर्व भी पंचगण दे चुके है इस्तीफे की चेतावनी

आपको बताएं कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब भरवेली पंचायत के पंचगण सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की बात कह रहे हो या सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी दे रहे हो।बल्कि इसके पूर्व भी उपसरपंच सहित अन्य पंचों ने सामूहिक रूप से अपने इस्तीफे की पेशकश की है। ज्ञात हो की इसके पूर्व 03 मार्च को भी उप सरपंच सहित अन्य पंचों ने एसडीएम और कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपते हुए सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी दी थी।लेकिन उन्होंने विधिवत रूप से अपना इस्तीफा नहीं सौपा था।इस बार भी उपसरपंच सहित अन्य पंचगण पुन: सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी दे रहे हैं। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा की सामूहिक रूप से नई पंचायत भवन के लोकार्पण समारोह का बहिष्कार कर, सामूहिक रूप से अपने पद से इस्तीफा देने की बात कहने वाले उप सरपंच सहित अन्य पंचगण, इस बार अपने इस फैसले पर अटल रह पाते हैं या नहीं।

सरपँच के अलावा 4 पंच बैठक से रहे नदारत

आपको बताएं कि भरवेली पंचायत में सरपंच को छोड़कर पहले 20 पंच थे। इसमें से वार्ड नंबर 3 के पांच मनीष शेंडे की कुछ दिन पूर्व ही एक सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। वहीं वार्ड नंबर 17 के पंच हरिराम गराडे, वार्ड नंबर 12 की पंच श्रीमती संगीता शेंडे,वार्ड नंबर 8 की पंच परवीन खान और सरपंच श्रीमती गीता बिसेन को छोड़कर बाकी सभी पंच सामूहिक रूप से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

14 पंच इस्तीफा देने के लिए हुए राजी

प्राप्त जानकारी के अनुसार उप सरपंच के घर हुई इस सामूहिक बैठक में वार्ड नंबर 2 के पार्षद शरद कठौते कहीं बाहर होने के चलते बैठक में उपस्थित नहीं हुए।लेकिन उन्होंने बाकी सभी पंचों के इस फैसले पर हामी भरी है। वही बाद में बैठक में उपस्थित होकर सामूहिक रूप से पंचायत भवन के लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार और सामुहिक रूप से अपना इस्तीफा देने के लिए गए निर्णय पर हस्ताक्षर किए हैं।इनके अलावा बैठक में उपस्थित वार्ड नंबर 01की पंच अनारकली रौतेल,वार्ड नं 2 पंच शरद कठौते, वार्ड नंबर 4 के पंच श्री साहू ,वार्ड नंबर 5 की पंच अनीता पिटनिया, वार्ड नंबर 6 की पंच फुलवती नागेश्वर, वार्ड नंबर 7 के पंच रमेश सहारे ,वार्ड नंबर 9 की पंच अंजलि काकोडिया, वार्ड नंबर 10 पंच अमीन खान, वार्ड नंबर 11 पंच मालती साहू ,वार्ड नंबर 13 पांच उर्मिला मालेस, वार्ड नंबर 14 पंच मकसूद खान, वार्ड नंबर 15 पंच विक्रम मर्सकोले, वार्ड नंबर 16 प्रीति श्रीवास, वार्ड नंबर 18 पंच सुशील सुलके, व वार्ड नंबर 19 पंच लतेश्वरी बसेने और वार्ड न 20 पंच व उपसरपंच राजेश बाहेश्वर बैठक में शामिल रहे। जिन्होंने अपने अपने पद से तत्काल इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी देते हुए, यथाशीघ्र पंचायत में पुन: चुनाव कराए जाने की मांग की है।

नए पंचायत भवन का 11 जुलाई को लोकार्पण, उसके पूर्व ही हो गया बहिष्कार

आपको बताए कि पंचायत के उपसरपंच सहित अन्य ज्यादातर पंचों ने अपने पद से सामुहिक इस्तीफा देने का यह निर्णय उस वक्त लिया है जब एक दिन बाद 11 जुलाई को पंचायत के नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण होना है। बताया गया कि इस लोकार्पण में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पंचायत का लोकार्पण करने आ रहे हैं। वहीं सांसद भारतीय पारधी, विधायक अनुभा मुंजारे, पूर्व नेता ,पूर्व मंत्री लांजी और , कटंगी विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। जहां पंचायत भवन के लोकार्पण के पूर्व ही लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार का ऐलान कर दिया गया है। तो वहीं विभिन्न पंचों ने एक राय होते हुए सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी दी है।

मेरे वार्ड में 1 रु का भी काम नही हुआ

चर्चा के दौरान वार्ड नंबर 11 पंच श्रीमति मालती साहू, वार्ड नं 9पंच श्रीमती अंजलि काकोडिया ,वार्ड नं 1 पंच श्रीमती अनारकली रौतेल और वार्ड नं 16 पंच प्रीति श्रीवास ने बताया कि आज उप सरपंच व अन्य पंचों ने एक साथ बैठक की है।हमारे कार्यकाल को 3 वर्ष हो चुके हैं लेकिन हमारे वार्ड में आज तक 1रु का भी काम नहीं हुआ है। जनता हमें गालियां दे रही है मेरे वार्ड में एक बल्ब तक नहीं लगा है। नालियां तक साफ नहीं हो रही है। हमारे साथ-साथ अन्य वार्डों के भी यही हाल है। इसीलिए हम सभी पंच लोग सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दे रहे हैं। यह बात सही है कि पिछले बार हमने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने की बात कही थी। लेकिन उस समय सरपंच मैडम ने हमें आश्वासन दिया था लेकिन आज तक उन्होंने हमारे वार्डों में कोई काम नहीं कराया ।पंचायत में मुद्दा उठाओ तो हमें फोन करके धमकियां दी जाती है बोलते हैं कि तुम्हारे वार्ड में अब कोई काम नहीं होगा। इसीलिए हम सामूहिक रूप से इस्तीफा दे रहे हैं। हम इस सरपंच से बहुत ज्यादा परेशान हो चुके हैं इसीलिए एसडीएम महोदय से विनती है कि हमारा इस्तीफा मंजूर करें ।

हमारा इस्तीफा स्वीकार कर,जल्द कराए चुनाव- राजेश बाहेश्वर

उप सरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि भरवेली पंचायत में कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां पिछले 3 वर्षों से कोई काम नहीं किया गया है कुछ वार्डों के काम अधूरे पड़े हैं सरपंच पति अपनी मनमर्जी से काम कर रहे हैं। वार्ड नंबर 13 में पंचायत भवन के अलावा और वार्ड नंबर 14 में तालाब सौंदर्यीकरण के अलावा कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। सरपंच चुनिंदा वार्डों में विकास कार्य करते हैं। इसीलिए 15 पंच आज इस बैठक में शामिल हुए हैं जो सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दे रहे हैं। यहां नालियां तक साफ नहीं होती, इसके अलावा तीन वर्षों में आय व्यय ,बिल वाउचर आदि की हमें जानकारी नहीं मिली है ।इसीलिए हम सभी पंचों ने सामूहिक रूप से पंचायत भवन लोकार्पण कार्यक्रम का बहिष्कार किया है ।एसडीएम साहब से हमारा निवेदन है कि हमारा इस्तीफा स्वीकार करें और जल्द से जल्द चुनाव कराए।

जनता कहे तो मैं इस्तीफा देने तैयार हूं- गीता बिसेन

चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत भरवेली सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन ने बताया कि हमारे गांव में कई वर्षों से पंचायत भवन नहीं था ।जो अभी बनकर तैयार हुआ है। 11 तारीख को इसका उद्घाटन है। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल पंचायत भवन का लोकार्पण करने आ रहे हैं । पूरे जिले में भरवेली पंचायत ही ऐसी पंचायत है जिसमें सबसे अधिक काम हुआ है। जनता जानती है कि हमने कितने अधिक काम कराए हैं। पंचायत के कार्यों में पति का कोई भी हस्तक्षेप नहीं रहता। मैं स्वयं पंचायत के सभी कार्य करती हूं। जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह झूठे व बे-बुनियाद हैं । मेरे साथ गांव की पूरी जनता है अन्य पंच है। कुछ पंच चाहते हैं कि पंचायत भवन का उद्घाटन ना हो, लेकिन उद्घाटन नहीं रुकेगा। यदि मेरे गांव की जनता बोले कि सरपंच इस्तीफा दे दे, तो मैं 12 तारीख को अपना इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

बैहर एसडीएम की तत्परता से बना जोहना बाई का जन्म प्रमाण

अब सुगमता से जोहना बाई को मिलेगा वेतन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता की संवेदनशीलता एवं तत्परता से विशेष पिछड़ी जन जाति बैगा की महिला जोहना बाई को उसका जन्म प्रमाण पत्र एक दिन में बनाकर दे दिया गया है। जन्म प्रमाण पत्र मिलने से अब उसके आधार कार्ड में दर्ज जन्म तिथि में संशोधन हो सकेगा और उसे सुगमता से वेतन मिल सकेगा। शासकीय पालीटेक्निक कालेज बालाघाट के प्राचार्य श्री आर एम सोनवे ने बताया कि बैहर तहसील के ग्राम गुराखारी की निवासी विधवा महिला जोहना बाई टेकाम की विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत पालीटेक्निक कालेज बालाघाट में नियुक्ति हुई थी । कक्षा 8 वीं पास जोहना बाई 01 अप्रैल 2006 से पालीटेक्निक कालेज बालाघाट में हम्माल के पद पर कार्यरत है। उसकी जन्मतिथि मार्कशीट के अनुसार सर्विस बुक में 10 मई 1970 दर्ज है परन्तु आधार कार्ड में 13 मई 1970 दर्ज है। वित्त विभाग के निर्देशानुसार आधार नंबर का समग्र में लिंकिंग अनिवार्य किया गया है। लेकिन आधार में जन्मतिथि गलत दर्ज होने से उसकी समग्र आईडी से आधार लिंक नही हो पा रहा था।जिसके कारण कोषालय से उसका वेतन आहरित नहीं हो रहा था । आधार में जन्म तिथि सुधार के लिए जन्म प्रमाण पत्र अथवा दसवीं की अंकसूची की आवश्यक है। जोहना बाई ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोकसेवा केंद्र में 11 जून 2025 को आवेदन किया था। लेकिन तकनीकी कारणों से उसका आवेदन 26 जून 2025 को आवेदन निरस्त कर दिया गया और जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया। आधार से समग्र लिंक नहीं होने से शासन के निर्देशानुसार जोहना बाई का माह जून 25 का वेतन आहरित नहीं किया जा सका है। जिससे उसके सामने जीवन यापन के लिए आर्थिक संकट पैदा हो गया है। जोहना बाई जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने से मानसिक रूप से परेशान हो गई थी। पालीटेक्निक कालेज के प्राचार्य श्री सोनवे ने इस पर बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता से बैगा जन जाति की महिला जोहना बाई की मदद करने का अनुरोध किया था। इस पर एसडीएम श्री गुप्ता ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की और तत्परता के साथ एक दिन में जोहना बाई का जन्म प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया गया है। जन्म प्रमाण पत्र बन जाने से अब जोहना बाई के आधार कार्ड में जन्मतिथि संशोधित हो जायेगी। जिससे उसका आधार नंबर समग्र आईडी से लिंक हो जायेगा तथा उसका माह जून 2025 का वेतन जो आधार से समग्र के लिंक नहीं होने से आहरित नहीं किया जा सका था अब उसे प्राप्त हो सकेगा। बैहर एसडीएम श्री गुप्ता की तत्परता से बैगा जनजाति की महिला जोहना बाई को बढ़ी राहत मिल गई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भूपेन्द्र सिंह जैवार पिता गजेन्द्र सिंह जैवार वार्ड नंबर 18 ग्राम बेहरई तहसील लालबर्रा जिला - बालाघाट मध्य प्रदेश का निवासी हूं। मेरे सभी डाक्यूमेंट्स आधार कार्ड,पेन कार्ड, अंकसूची सभी डाक्यूमेंट्स में भूपेन्द्र सिंह जैवार Bhupendra singh jaiwar है। लेकिन मेरे ड्राइवर लाइसेंस में सिंह नहीं है। अथार्त भूपेन्द्र जैवार हीं है।

अत: मेरे ड्राइवर लाइसेंस में भी भूपेन्द्र सिंह जैवार पढ़ा लिखा जाये एवं जाना पहचाना जाये।

वास्ते सूचनार्थ
भूपेन्द्र सिंह जैवार
मो. 9424663645

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट

रा0प्र0 क0.0030/ड-154/ वर्ष 2025-26 साकिन सिवनीखुर्द
प0ह0न0 48 रा0नि0म0 किरनापुर तहसील किरनापुर

// इश्तेहार समाचार प्रकाशन //

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक आशाराम पिता बिसन जाति लोधी निवासी ग्राम सिवनीखुर्द तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने पिता बिसन पिता घस्सु की मृत्यु दिनांक 30/05/2016 को हुई, किन्तु जन्म / मृत्यु पंजीयन कार्यालय सिवनीखुर्द में जानकारी के अभाव में दर्ज नहीं कराये जाने के कारण जन्म / मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 15/07/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थिति होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

जारी दिनांक -01/07/2025

मुद्रा
तहसीलदार किरनापुर

गुरू पूर्णिमा पर प्रदेश के विद्यालयों में होगा उत्सव का आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के मौके पर उत्सव का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि आयोजन के दौरान साधु-संतों, गुरूजनों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और नागरिकों को आमंत्रित किया जाये। इन आयोजन में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। पूर्व विद्यार्थी अपने शाला जीवन के अनुभव को विद्यार्थियों के बीच साझा करेंगे। 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के दिन प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादिनी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर गुरू वंदना की जायेगी। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू की महिमा पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। इसी के साथ इस दिन गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में भारतीय मूल्यों संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये कई उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं। उनमें से एक विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया जाना भी एक है।

बस आपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश चौहान की बस संचालकों से अपील

पुल-पुलियों पर पानी होने पर पार न करें

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।बस आपरेटर एसोसिएशन बालाघाट के अध्यक्ष श्री मुकेश सिंह चौहान ने जिले के सभी बस संचालकों से अपील की है कि बाढ़ की स्थिति में पुल-पुलियों पर पानी होने पर उन्हें कतई पर न करें और यात्रियों की जान जोखिम में ना डालें। श्री चौहान ने अपील में कहा है कि आपको अवगत कराया जाता है कि जिले में लगातार तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिससे अतिवृष्टि के कारण सारे नदी नाले उफान पर है, आप हम सभी अपने बस व्यवसाय के माध्यम से लोगों को लाना ले जाना करते है। नदी नाले उफान पर होने के कारण, जानमाल की सुरक्षा का दायित्व आप हम सभी का होता है। ऐसी परिस्थिति में अपने ड्राइवर कंडक्टर और क्लीनर को साफ साफ निर्देशित करें की यदि पुल पुलिया पर पानी है, तो बिल्कुल नदी नाले को पार नहीं करना है। ऊपर पानी होने पर किसी भी परिस्थिति में बस से पुल पुलिया पार नहीं करनी चाहिए, और वाहन की गति अभी बरसाती मौसम में न्यूनतम होनी चाहिए। कॉम्पिटिशन बसों में बिल्कुल नहीं होना चाहिए, जानमाल की सुरक्षा सर्वोपरी है। प्रशासन को इस स्थिति में सहयोग मानवीय दृष्टिकोण से करना सभी के लिए अपेक्षित है। आप बालाघाट बस ऑपरेटर एसोसिएशन बालाघाट के निर्देशों का पालन हर हाल में सुनिश्चित करेंगे, यही निवेदन आप सभी बस आपरेटर से है।

महज आधे घण्टे की बारिश से पानी-पानी हुआ शहर

कई गलियो में भरा बारिश का पानी, घरों में पानी घुसने से लोग हुए परेशान

जागपुर घाट शिव मंदिर डूबा, कश्मीरी नाले में बहे 2 लोगो का 3 दिन बाद भी नही चला पता

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते नगर वासी काफी परेशान है तो वहीं पानी निकासी की व्यवस्था न होने के चलते इस बारिश में जगह-जगह जलजमाव की स्थिति देखी जा रही है। सोमवार और मंगलवार की भारी बारिश के बाद बुधवार की शाम करीब 5:30 बजे आधे घंटे के लिए तेज बारिश हुई। जहां इस आधे घंटे की बारिश से शहर पानी पानी हो गया। तो वही पानी निकासी के उचित इंतजाम न होने के चलते कई गलियों में बारिश का पानी भर गया। जो नाली और सड़क से होता हुआ सीधे लोगों के घरों में घुस गया। जिसके चलते लोग काफी परेशान हुए। जल भराव की यह स्थित नगर के वार्ड नंबर एक ,वार्ड नंबर 2, वार्ड नंबर 10, वार्ड नंबर 3, वार्ड नंबर 4, वार्ड नंबर 6, वार्ड नंबर 8 सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो में देखी गई। इसके अलावा नगर के दीनदयाल पुरम कॉलोनी में भी बारिश का पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिन्होंने नगर पालिका प्रशासन से जल भराव की स्थिति से निजात दिलाने पानी निकासी के उचित इंतजाम कर उन्हें राहत पहुंचा जाने की मांग की है।

वैनगंगा की बाढ़ में डूबा जागपुर घाट शिव मंदिर

जिले में बीते मंगलवार की दोपहर से रूक-रूककर हो रही बारिश का दौर, बुधवार की शाम से फिर शुरू हो गया है और आकाशीय गर्जना के साथ तेज बारिश शुरू हो गई ।उधर मंगलवार को भीमगढ़ बांध के डेम से पानी छोड़े जाने के चलते, जिले की वैनगंगा नदी उफान पर है, जागपुर घाट में नदी के किनारे पर बना शिवमंदिर डूब गया है, मंदिर का केवल गुंबद नजर आ रहा है, वही नदी में पानी का बहाव तेज होने से निर्माणाधीन पुलिया का काम भी बंद कर दिया गया है।

कश्मीरी नाला में बहे 2 व्यक्तियों का 3 बाद भी नही लगा सुराग

दूसरी ओर 7 मई को कश्मीरी नाला में नहाने गए दो लोगों का तीसरा दिन भी पता नहीं चल सका। बताया गया कि विगत 7 जून को जब जिले में अतिवर्षा से नदी-नाले उफान पर थे, इसी दौरान कश्मीरा नाला में नहाने जाने की बात कहकर निकले, बैहर तहसील के ग्राम अल्ना के 15 वर्षीय गीतेंद्र पिता दंगलसिंह धुर्वे एवं 30 वर्षीय दीपक पिता बैसाखु टेकाम का कुछ पता नहीं चल सका है, संभावना व्यक्त की जा रही है कि दोनो ही अतिवर्षा से नाला के तेज पानी के बहाव में बह गए। इन दोनों की तलाश में होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवान लगे हुए है। आपदा प्रबंधन दल, होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवानों द्वारा कश्मीरी नाला में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन इनका अब तक पता नही चला है।

कल फिर चलाया जाएगा तलाशी अभियान- पन्द्रों

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान गढ़ी थाना प्रभारी भूपेन्द्र पंद्रो ने बताया कि बुधवार को घटनास्थल से लगभग 6 किलोमीटर दूर, हालोन डेम तक तलाशी अभियान चलाया गया। जिससे भी बहे लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है। शाम होने से तलाशी अभियान बंद कर दिया गया है, कल फिर तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

आवश्यकता है

दुकान में कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है
पता-ललित इंटरप्राइजेस
आजाद चौक, बालाघाट
मो. 7987292226

बेचना है

पूर्णतः सुसज्जित दुकान
(कास्मेटिक्स गारमेंट्स ज्वेलरी)
का सामान फर्नीचर सहित बेचना है
क्वीन्स फैशन
गौली मोहल्ला, बालाघाट
मो. 9926329401, 7746881529

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आंगनबाड़ी केन्द्रों में लागू की गई डिजिटल प्रणाली को हटाने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन द्वारा प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि लॉकडाउन अवधि के समय विभाग द्वारा पोषण टेकर एप एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में डिजिटल रिपोर्टिंग लागू की गई है। जिससे उन्हें इन दिनों बहुत परेशानी हो रही है। क्षेत्र में नेटवर्क आदि नहीं होने के कारण वह विभाग द्वारा लागू की गई इन प्रणालियों को फॉलो नहीं कर पा रहे हैं । इसलिए वह चाहते हैं कि विभाग मॉनिटरिंग किए जाने को लेकर जो प्रणाली लागू की गई है उसे तत्काल हटाए। इस विषय को लेकर उन्होंने निजी संस्थान में बैठक की और बैठक के बाद एक रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

आपको बता दे की इन दिनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साहिका की ऑनलाइन रिपोर्टिंग के लिए संबंधित विभाग द्वारा डिजिटल रिपोर्टिंग के साथ-साथ पोषण टेकर एप आंगनबाडि़यों में लगाए गए हैं। जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को परेशानी जा रही है। इन्हीं सब डिजिटल प्रणाली को हटाए जाने को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साहिका एकता यूनियन द्वारा इसका विरोध किया गया और इसे हटाने के लिए जिला मुख्यालय में 9 जुलाई को एक बैठक कर रैली निकाली गई और प्रदर्शन किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बताया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में डिजिटल रिपॉटिंग लागू किए जाने के बाद से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा लाखों लाभार्थी को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑन लाइन उपलब्ध डेटा एवं वास्तविक जमीनी स्थिति में भी विसंगतियां हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जो मोबाइल आदि के लिए खर्च दिया जाता है वह भी बहुत कम दिया जाता है। जबकि आज इंटरनेट चार्ज भी धीरे-धीरे महंगा होता जा रहा है उसे भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ही उठाना पड़ता है। उन्होंने अपनी कई स्थानीय मांगे सहित प्रदेश स्तर की आंगनबाडि़यों में आने वाली दिक्कतों को अपने ज्ञापन में शामिल किया और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की रैली जिन चौराहों से भी गुजर रही थी , वहां पर उन्होंने कुछ देर खड़ा रहकर अपना विरोध दर्शाया । जिससे चौराहों पर जाम की स्थिति भी निर्मित होते रही किंतु पुलिसकर्मियों द्वारा इस जाम को बहाल करवा दिया गया।

फेस रीडिंग करने में बहुत अधिक समस्या आ रही है - सीमा तेलासे

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा तेलासे बताती है कि इन दिनों उनको फेस रीडिंग करने में बहुत अधिक समस्या आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बहुत परेशानी होती है। वहां लोकेशन नहीं मिलने के कारण वह परेशान होते रहती हैं । कई स्थानों पर तो लाइट की समस्या रहती है और विभाग उन्हें फेस रीडिंग करने को कहता है जबकि विभाग हंड्रेड परसेंट फ्रेश रीडिंग किये जाने की मांग कर रहा है । पर यहां 50 प्रतिशत भी फेस रीडिंग नहीं हो रहा। इस कारण वह बहुत अधिक परेशान है। केवाईसी सहित कई दिक्कत है उनको इन दिनों हो रही है पर विभाग उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है।

फेस रीडिंग के ऑप्शन को बंद किया जाए-अंजलि बिसेन

अंजलि बिसेन बताती है कि वह सरकार से मांग कर रहे हैं कि फेस रीडिंग के ऑप्शन को बंद किया जाए । उन्हें फेस रीडिंग करने में बहुत अधिक समस्या आ रही है। पोषण ट्रैकर ऐप को भी वह बंद करवाने की मांग को लेकर आज जिला मुख्यालय में जमा हुए हैं । वह काम करना चाहते हैं किंतु फेस कैप्चर की प्रणाली को तत्काल बंद करने की मांग कर रहे हैं ।

श्रमिकों के अधिकार को छीना जा रहा है - वाय.आर बिसेन

इस दौरान सीटू युनियन के अध्यक्ष वाय.आर बिसेन ने बताया कि आज पूरे भारत में 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर है। उन्होंने मांग रखी है कि 8 घंटे काम लिया जाए। श्रम संहिता जो भाजपा नीत सरकार लागू कर रही है और पुराने श्रम कानून को समाप्त कर रही है। इसे समाप्त किया जाएं। तीन कृषि कानून जो सरकार लागू करने जा रही है उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चार श्रम कानून लागू कर श्रमिकों के अधिकार को छीना जा रहा है। इस हड़ताल में 10 संगठन शामिल है। इस हड़ताल में प्रमुख रूप से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, एम.आर युनियन, मैंगनीज खदान, मध्यान्ह भोजनकर्मी सहित अन्य शामिल रहे।

ये है प्रमुख मांगें

ट्रेड युनियन संगठन द्वारा सरकार से जो मांग की है उसमें प्रमुख रूप से चारों श्रम संहिताओं/लेबर कोड्स को समाप्त किया जाए। श्रमिकों को न्यूनतम 26 हजार रूपये प्रतिमाह प्रदान किया जाए। पुरानी पेंशन बहाल किया जाए। एनपीएस व यूपीएस समाप्त किया जाए। बोनस, भविष्य निधि के भुगतान व पात्रता पर सभी अधिकतम सीमाएं हटाई जाए व ग्रेज्यूटी की राशि बढ़ाई जाए। मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण करने सहित अन्य मांगें शामिल है।

ये रहे उपस्थित

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ से अंजली बिसेन, निर्मला राउत, शिवबती हरपाल, हन्न हनुमान, अंजू उइके, शांता पारधी, संगीता अवधिया, रूपेश सोनेकर, एमआर युनियन नोकेश बिसेन, कृष्ण कुमार बिसेन, उमा गोलेन्द्र, हासिम खान, रमजान भाई सहित अन्य उपस्थित रहे।

खेत में काम कर रहा किसान हुआ सर्पदंश का शिकार

सर्पदंश से अस्वस्थ होने पर जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।बरसाती सीजन में सर्पदंश के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।इन्हीं मामलों के बीच थाना रामपायली डोंगरमाली के ग्राम सेलोटपार में खेती का काम कर रहे एक किसान को अज्ञात सांप ने काट

कर अस्वस्थ कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सर्पदंश से अस्वस्थ हुए किसान का नाम ग्राम सेलोटपार निवासी 34 वर्षीय सावन पिता जैतलाल सोनकर बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावन सोनेकर किसान है जो खेती-बाड़ी का काम करता है।बताया गया कि मंगलवार दोपहर बारिश बंद होने के बाद सावन खेत में काम करने के लिए गया था।जहा काम करने के दौरान एक अज्ञात साँप ने उसकी बाई पींडली के सामने की तरफ काट लिया और भाग गया। जिसकी जानकारी सावन ने अपने भांजे ललित तेलासे को दी ।जहां सर्पदंश की जानकारी मिलने पर भांजे ललित तेलासे ने मामा सावन को मोटरसाइकिल की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया

सावरी समिति का एसएसपी उर्वरक का लॉट अमानक पाया गया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी फूलसिंह मालवीय ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित सावरी में भण्डारित सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का नमूना प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने पर उसके क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित सावरी में भण्डारित सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के बैच क्रमांक बीजी-02 का नमूना 17 जून को प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किया गया था। उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा जांच में यह नमूना अमानक पाया गया है। जिसके कारण बैच क्रमांक बीजी-02 के अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

परामर्श दात्री समिति की बैठक का विभिन्न संगठन के शिक्षक पदाधिकारीयों ने किया बहिष्कार

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई थी बैठक, जिला शिक्षा अधिकारी के नहीं आने से बैठक का किया गया बहिष्कार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में परामर्श दात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया था। किंतु यहां उपस्थित हुए विभिन्न संगठनों के पदाधिकारीयों द्वारा परामर्शदात्री समिति की बैठक का बहिष्कार कर दिया गया।पदाधिकारी शिक्षकों का कहना था, कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उनकी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर यह बैठक आयोजित की जाती है, किंतु स्वयं जिला शिक्षा अधिकारी इस बैठक में उपस्थित नहीं हुए । इस कारण उन्होंने इस बैठक का बहिष्कार कर दिया है। आपको बता दे की शिक्षा विभाग में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को लेकर परामर्श दात्री समिति की बैठक का आयोजन किया जाता है। यह बैठक 7 जुलाई को स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में आयोजित होनी थी ।किंतु अधिक वर्षा होने के कारण इस बैठक की तिथि को बढ़ाते हुए 9 जुलाई कर दिया गया था। यह 9 जुलाई को दोपहर 2 बजे इस बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के हाल में किया गया। जैसे ही विभिन्न संगठनों के यहां पदाधिकारी और शिक्षक पहुंचे तो उन्होंने देखा कि परामर्श दात्री समिति की बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नहीं है, बल्कि उनके स्थान पर दूसरे विभागीय अधिकारी को नियुक्त किया गया है। इसे देखकर सभी

शिक्षक और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भड़क गए और उन्होंने तुरंत ही इस बैठक का बहिष्कार कर दिया और मीडिया में बताया कि विभाग की प्रमुख समस्याओं का निराकरण जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा किया जाता है किंतु उन्हें के द्वारा बैठक का आयोजन करवाने के बाद वह बैठक में स्वयं ना आकर विभागीय अधिकारी को भेज रहे हैं । इस कारण उन्होंने इस पूरी बैठक का बहिष्कार किया है । जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार उपाध्याय से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नहीं आये थे-आशीष बिसेन

आजाद अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन द्वारा बताया गया कि वह परामर्श दात्री समिति की बैठक के लिए 7 जुलाई को भी जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय आए थे। किंतु अधिक वर्षा के कारण बैठक कैंसिल हो गई थी, फिर 9 जुलाई को यह बैठक आयोजित की गई, किंतु जब वहां सभी संगठन के पदाधिकारी बैठक में पहुंचे तो वहां जिला शिक्षा अधिकारी ही नहीं थे । क्योंकि जो भी समस्या और मांगे हैं वह सभी जिला शिक्षा अधिकारी से है। किंतु वह स्वयं ही इस बैठक में नहीं है इस कारण उन्होंने बैठक का बहिष्कार कर दिया है।

आज बैठक का बहिष्कार कर दिया गया हैं - रितेश गेडाम

पदाधिकारी रितेश गेडाम बताते हैं कि इसके पहले जितने बार भी परामर्श दात्री समिति की बैठक का आयोजन हुआ उसमें जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित होते हैं । शिक्षक कर्मचारी सहित उनके ले गए एजेंडे पर विचार करते हैं, किंतु इस बार उनके द्वारा ही बैठक का आयोजन किया गया पर वह स्वयं ही बैठक में नहीं थे । उनका कहना था कि यदि बैठक करना है तो उन्हें उपस्थित होना था ,नहीं तो इस प्रकार से दिखावे की बैठक रखवाने से , इस बैठक का कोई औचित्य नहीं होगा । उन्होंने यह भी बताया कि कई बार एजेंडे देने के बाद भी उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती और अब तो वह स्वयं ही इस बैठक से नदारत है तो इस बैठक का कोई औचित्य ही नहीं निकलता हैं । इस कारण से आज हम लोगों ने इस बैठक का बहिष्कार कर दिया हैं।

बालक छात्रावास को एनसीसी कार्यालय के लिए आबंटित करने पर छात्रों ने जताई नाराजगी

विधायक ने भी दिया छात्रों का साथ, आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिले के अग्रणी महाविद्यालय पीएम श्री एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी स्नाकोत्तर महाविद्यालय के पॉलिटेक्निक के सामने स्थित बालक छात्रावास को एनसीसी कार्यालय के लिए प्रशासन के आबंटित करने से हॉस्टल छात्रो में नाराजगी देखी जा रही हैं। बताया गया कि, स्व. राजीव गांधी बालक छात्रावास में वर्षो पुराना है, जहां पीजी कॉलेज में अध्ययनरत छात्र रहते आ रहे है। जिसे प्रशासन के एनसीसी कार्यालय को देने प्रस्तावित करने पर छात्रो के साथ ही महाविद्यालय प्रबंधन, इसके विरोध में दिखाई दे रहा है। जहां बुधवार को हॉस्टल छात्रो ने विधायक अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर, छात्रावास को यथावत रखने की मांग की ।जिसका समर्थन विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने करते हुए, छात्रों का होस्टल किसी भी विभाग को ना दिए जाने की बात कही है ।वही जोर जबरदस्ती कर होस्टल खाली कराने पर छात्रों द्वारा किए जाने वाले धरना प्रदर्शन आंदोलन में शामिल होने की चेतावनी दी है।

हमे होस्टल खाली करना का दबाव बनाया जा रहा है- भूपेंद्र

हॉस्टल में रह रहे छात्र भूपेन्द्र उईके ने बताया कि एनसीसी अधिकारी, छात्रावास आकर उन्हें कमरे खाली करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। वे बारिश के इस मौसम में कहां पर अपने लिये कमरा ढूंढेंगे और किराया उनका कौन वहन करेगा ? हम चहाते है कि हमसे होस्टल खाली ना कराया जाए।

तो छात्रों के साथ बड़ा आंदोलन किया जाएगा-विधायक अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे ने भी शासकीय एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रावास को अब एनसीसी कार्यालय के लिये आंबटित किए जाने का विरोध किया हैं। विधायक ने, बगैर विश्वास में लिए प्रशासन के पीजी कालेज के छात्रावास को एनसीसी कार्यालय के लिए आबंटित किए जाने को आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होने कहा कि पीजी कालेज के छात्रावास में 20 से 25 गरीब विद्यार्थी वहां पर रहकर पढ़ाई कर रहे है। ये ऐसे बच्चे है जो किराए से रहने में असमर्थ हैं और गरीब परिवार के होने से उन्होने कालेज के छात्रावास में रहकर पढ़ना उचित समझा है। ऐसे गरीब परिवार के बच्चों के भविष्य के साथ प्रशासन खिलवाड़ कर रहा है। वह इस छात्रावास को एनसीसी कार्यालय हेतु आंबटित किये जाने का विरोध करती है। साथ ही प्रशासन को कहना चाहती है कि वह इस आंबटन को तत्काल रदद करे। अन्यथा आगामी समय में छात्रों के साथ बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

हम भी नही चाहते कि कालेज से होस्टल छीना जाए-प्राचार्य मरठे

वहीं दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य अशोक कुमार मरठे ने बताया कि, प्रशासनिक पत्र मिलने के बाद महाविद्यालय स्टॉप काउंसिल की बैठक में एकमतेन निर्णय लिया गया है कि कॉलेज के छात्रावास को किसी को नहीं दिया जाएगा। जिसके लिए हम सतत प्रशासन से पत्राचार कर रहे है और प्रयासरत है कि प्रशासन, कॉलेज छात्रावास को यथावत रहने दे और एनसीसी कार्यालय के अन्य भवन, उपलब्ध कराए ।उन्होंने आगे बताया कि महाविद्यालय के पास, यह इकलौती संपत्ति है और चूंकि महाविद्यालय के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज होने से कई कोर्स, शुरू होने है, जिसके चलते, महाविद्यालय भविष्य में हॉस्टल की जगह पर डेवलपमेंट कर, अन्य शैक्षणिक उपयोग करेगा।

तत्कालीन प्राचार्य ने सहमति दी थी- गोपाल सोनी

वहीं दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि तत्कालीन प्राचार्य ने भवन के उपयोग की

विद्यार्थी दिवस के अवसर पर आयोजित की गई संगोष्ठी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट द्वारा नगर के जटाशंकर त्रिवेदी महाविघालय बालाघाट में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी के स्थापना दिवस 9 जुलाई के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभम सिंह पटेल ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जब 2002 में दिल्ली रैली का आवाहन किया तो 75000 छात्र-छात्राएं पूरे देश भर से दिल्ली आए और रैली में सम्मिलित हुए, रैली के पश्चात रेलवे प्रशासन का एक बयान आया इसमें कहा गया कि 75000 छात्र-छात्राएं दिल्ली आए और चले भी गए हमें पता ही नहीं लगा। यह विद्यार्थी परिषद का अनुशासन है, अन्यथा इतनी बड़ी संख्या में जब किसी अन्य छात्र संगठन के माध्यम से छात्र छात्रा जाते हैं, तो कई प्रकार की अराजकता यात्रियों या अन्य नागरिकों के साथ हो सकती थी। यह विद्यार्थी परिषद के अनुशासित आंदोलन का एक अनुपम उदाहरण है।

विद्यार्थी परिषद एक मजबूत छात्र संगठन है - गौरव दुबे

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला संयोजक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विभाग प्रचार प्रमुख व एकल अभियान के जिला अध्यक्ष गौरव दुबे ने बताया कि लंबे समय तक अपने ध्येय पथ पर बने रहना और देश हित में कार्य करते रहने का अनुपम उदाहरण एबीवीपी ने प्रस्तुत किया है। एक छात्र संगठन की कल्पना जब लोगों के मन में आती है, तो एक छात्र संगठन से अपेक्षा केवल विद्यालय महाविद्यालय परिसर व अन्य शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर होती है, एबीवीपी ने एक छात्र संगठन होते हुए भी शिक्षा क्षेत्र के साथ समाज और देश हित में कई विषयों पर कार्य किया है।

अभाविप के नगर मंत्री बने कुबेर सिंह

संगोष्ठी के पश्चात नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें सत्र 2025-26 के नगर अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश गौतम एवं नगर मंत्री कुबेर सिंह बैंस को नियुक्त किया गया व कार्यक्रम मुख्य रूप उपस्थित जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल जिला संगठन मंत्री राहुल विश्वकर्मा जी प्रांत कार्यकारिणी सदस्य उमंग पालेवार,आशु पटले,तिरेंद्र गौतम,राजेश गौतम,सारांश हिरवाने,कलश असाटी,राहुल बुर्डे,प्रदीप लिल्हारे,अभिषेक परिहार,कुनाल सहारे,अमन दशहीरिये,शिवम लिल्हारे,संदीप माहुले,शुभ्रतो कुम्हारे,आयुष कटरे,कलम शुक्ला,हर्ष उईके,ऋषि असाटी,देव बिसेन,मयंक साहु, झलक टेम्भरे आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंगद की तरह कई वर्षों से एक ही पंचायत में पैर जमाये बैठे है रोजगार सहायक

सरपंच संघ की बैठक में रोजगार सहायकों के जनपद स्तर पर स्थानांतरण करने का उठा मुद्दा, जनपद के सभाहाल में सरपंच संघ की हुई बैठक, निर्माण कार्य में आ रही परेशानी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में बुधवार को सरपंच संघ की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, सरपंच संघ अध्यक्ष चेतन पटले सहित अन्य संघ के पदाधिकारियों व सरपंचों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में सरपंचों ने पंचायत क्षेत्र में काम करने के दौरान आ रही परेशानियों सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की और जो समस्या आ रही है उसके समाधान के लिए जिला पदाधिकारियों को अवगत करवाया। इस दौरान सरपंच संघ ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत जो काम करवाये गये है जिसका भुगतान समय पर नही हो रहा है, मटेरियल का भुगतान नही हो रहा है। साथ ही प्रशासन के द्वारा गर्मी के दिनों सरपंचों पर दबाव बनाकर खेत तालाब का काम करवाया गया और अन्य कामों के टीएस नही दिये गये जिसके कारण पंचायत के विकास कार्य अवरूध्द हुए है। ऐसी स्थिति में वर्तमान में हम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रोजगार सहायकों के स्थानांतरण पर सरपंच संघ ने कहा कि रोजगार सहायक भर्ती प्रक्रिया के बाद से कई वर्षों से एक ही पंचायत में अंगद की तरह पैर जमाये बैठे है। जिनके द्वारा सही तरीके से कार्य नही किया जाता है जिससे हम लोग एवं ग्रामीणजनों को परेशानियां होती है। जबकि इस संबंध में हमारे संगठन के द्वारा कई बार जिला प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से रोजगार सहायकों का जनपद स्तर पर स्थानांतरण करने की मांग की गई है परन्तु जिला प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिला प्रशासन से पुन: मांग है कि जनपद स्तर पर रोजगार सहायकों का स्थानांतरण करवाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सरपंचगण उपस्थित रहे।

भाजपा समर्थित सरपंचों ने क्षेत्रीय विधायक पर भाजपा के सरपंचों को निशाना बनाने का लगाया आरोप

बैठक के दौरान भाजपा समर्थित सरपंचों ने अपनी समस्या रखते हुए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे पर आरोप लगाया है कि बालाघाट विधानसभा के अंतर्गत १०० से अधिक ग्राम पंचायत है। लेकिन उनके द्वारा जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली १५ पंचायतें जहां पर भाजपा समर्थित सरपंच निर्वाचित है। उन्ही ग्राम पंचायतों को निशाना बनाते हुए विधानसभा में प्रश्न लगाकर पंचायतों में करवाये गये निर्माण कार्य, आय-व्यय से संबंधित अन्य जानकारियां मांगी गई है। जबकि जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ७७ ग्राम पंचायतें आती है और सभी ग्राम पंचायतों के द्वारा निर्माण कार्य, विकास कार्य किये गये है। लेकिन उन ग्राम पंचायतों को छोड़कर सिर्फ ग्राम पंचायत घोटी, बबरिया, मुरझड़, बम्हनी, अतरी, पनबिहरी, बकोड़ा, बेहरई, बांदरी, टेंगनीखुर्द, गणेशपुर, कटंगझरी, धपेरा मो., लेण्डेझरी एवं पाथरशाही पंचायत की जानकारी मांगी गई है। जबकि इन पंचायतों में हमारे भाजपा समर्थित सरपंच निर्वाचित है जिनके द्वारा शासन की योजना के तहत पंचायत में विकास कार्य करवाये जा रहे है। परन्तु विधायक के द्वारा जिस तरह से सिर्फ इन्ही ग्राम पंचायतों की जानकारी मांगी गई है जिससे स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि वे भाजपा समर्थित सरपंचों को ही निशाना बना रही है, जिसकी हम निंदा करते है। अगर उन्हे जानकारी मांगनी थी तो विधानसभा क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों की जानकारी मांगनी चाहिए थी।

विधायक महोदया ने भाजपा समर्थित सरपंचों को बनाया है निशाना - पुष्पा

सरपंच संघ उपाध्यक्ष, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी कांग्रेस विचारधारा की है और उनके द्वारा हमारे १५ भाजपा समर्थित सरपंच की ग्राम पंचायत की जानकारी विधानसभा में प्रश्न लगाकर मांगी गई है। जबकि लालबर्रा जनपद के अंतर्गत ७७ ग्राम पंचायत आती है, लेकिन उनके द्वारा

सिर्फ हमारे भाजपा समर्थित सरपंच साथियों को ही टारगेट किया गया है। जबकि इसके पूर्व स्व. नंदकिशोर शर्मा जी, गौरीशंकर बिसेन जी सहित अन्य नेता जो विधायक, मंत्री रहे हैं उनके द्वारा कभी भी इस तरह से ग्राम पंचायत को टारगेट नहीं किया गया। जिस तरह से वर्तमान की विधायक महोदया कर रही है जो गलत है। श्रीमती नागेश्वर ने बताया कि वर्ष २०२१ से लेकर २०२५ तक पंचायतों में विभिन्न मद से करवाये गये निर्माण कार्यों एवं व्यय की जानकारी मांगी गई है। हम सभी सरपंच बिलों सहित सभी जानकारी उन्हे उपलब्ध करवायेगें और इस विषय को हम अपने सरपंच संघ के समक्ष रखेगें। साथ ही यह भी बताया कि जिस तरह से विधायक महोदया जी ने भाजपा समर्थित सरपंचों को निशाना बनाकर परेशान किया जा रहा है जिसके खिलाफ संगठन के माध्यम से लड़ाई लडेगें।

गर्मी में जो काम होना था वे नही हो पाये - संजय

धरपीवाड़ा सरपंच संजय कटरे ने बताया कि सरपंच संघ की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें सरपंच साथियों को पंचायत में काम करने के दौरान आ रही परेशानियों के संबंध में चर्चा की गई एवं पदाधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत करवाया

गया। साथ ही यह भी बताया कि प्रशासन के द्वारा खेत-तालाब के निर्माण कार्य करवाने के लिए दबाव बनाकर पूरी गर्मी निकाल दी गई। लेकिन जो हमारे मूलभूत विकास कार्य पंचायत क्षेत्र में होने चाहिए थे वे नहीं हो पाये हैं और वर्तमान में बारिश प्रारंभ हो गई है जिससे ग्राम पंचायत के काम बंद पड़े हुए हैं। श्री कटरे ने बताया कि शासन-प्रशासन के द्वारा दबाव बनाकर सिर्फ मनमानी की जाती है। जबकि जो काम खुले समय में होने चाहिए थे वह काम हम नही करवा पाते है एवं शासन-प्रशासन के नियमों का ही पालन करते रह जाते है ऐसी स्थिति में पंचायतों के विकास कार्य अवरूध्द होते है।

रोजगार सहायकों का जनपद स्तर पर किया जाये स्थानांतरण - चेतन

सरपंच संघ ब्लॉक अध्यक्ष चेतन पटले ने बताया कि हमारे सरपंच साथियों का ३ वर्ष पूर्ण हो चुके है और अपने कार्यकाल के चौथे वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं एवं शासन प्रशासन के द्वारा जो भी हमें कम दिये गये हमनें उन्ही कामों को किया है जिससे कारण हम जनता के मूलभूत आवश्यकता वाले कामों को नहीं कर पाये है, सिर्फ शासन प्रशासन के नियमों का पालन

ही कर रहे है। विकास कार्य नहीं कर पा रहे है जबकि जनता की जो मूलभूत आवश्यकताएं है, समस्याएं उनका समाधान करना अत्यंत आवश्यक होता है। श्री पटले ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा जनपद पंचायत लालबर्रा की १५ ग्राम पंचायतों के द्वारा विभिन्न मदों से करवाये गये निर्माण कार्य, वित्तीय लेन-देन सहित अन्य लेखा जोखा की जानकारी बिल बाऊचर सहित मांगी गई है और जिन ग्राम पंचायतों की जानकारी मांगी गई है वहां हमारे भाजपा के सरपंच निर्वाचित है। इस तरह से विधायक महोदया के द्वारा भाजपा सरपंच को निशाना बनाया जा रहा है। जबकि इसके पूर्व में अनेक भाजपा-कांग्रेस के विधायक, मंत्री रहे है लेकिन उन्होंने कभी भी ग्राम पंचायत के विकास कार्य के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं किया, ना ही जानकारी मांगी गई थी। जबकि पंचायत सबसे निचली कड़ी है जो जमीन स्तर से कार्य करती है उनसे इस तरह की जानकारी मांगना दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही यह भी बताया कि रोजगार सहायक विगत कई वर्षों से एक ही ग्राम पंचायत में पदस्थ है और वे सही तरह से काम नही करते है इसलिए हमारी मांग है कि जनपद स्तर पर उनका स्थानांतरण किया जाये जिससे उन्हे नये क्षेत्र में काम करने का मौका मिलेगा, उनकी कार्यशैली में सुधार आयेगा।

जनता की शिकायत के आधार पर मांगी गई है जानकारी - अनुभा

दूरभाष पर चर्चा में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि क्षेत्र की जनता के द्वारा मुझे विधायक बनाया गया है और उनके हित में काम करना मेरा कर्तव्य है, मेरे द्वारा विधानसभा में प्रश्न लगाकर जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली १५ ग्राम पंचायतों की वर्तमान पंचवर्षीय में विभिन्न मदों से करवाये गये निर्माण कार्यों की जानकारी मांगी गई है क्योंकि विगत कई दिनों से मुझे इन ग्राम पंचायतों की शिकायते मिल रही थी जिसको दृष्टिगत रखते हुए मेरे द्वारा यह प्रश्न लगाया गया है। यदि उनके द्वारा पुरी ईमानदारी से निर्माण कार्य एवं राशि व्यय की गई है तो वे जानकारी उपलब्ध

करवाये। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि मेरे द्वारा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनहितैषी कार्य किये जा रहे है, जिन सरपंचों ने भाजपा के सरपंच होने के कारण विधानसभा में प्रश्न लगाकर जानकारी मांगने का आरोप लगा रहे है, यह आरोप निराधार है क्योंकि मेरे द्वारा जनता की शिकायत के आधार पर ही यह प्रश्न लगाये गये है और जानकारी मांगी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सांदीपनी स्कूल लालबर्रा का किया निरीक्षण

शिक्षकों की बैठक लेकर नामांकन, पुस्तक वितरण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा का बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी एके उपाध्याय, जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम बर्मन के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्कूल में होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी ली गई। जिसके बाद शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की बैठक ली गई। जिसमें संकुल स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम, छात्र-छात्राओं की नामांकन, पुस्तक वितरण, छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही एक पेड माँ के नाम कार्यक्रम के तहत एक शिक्षक को एक स्कूल की जवाबदारी सौपे जाने की बात कही गई। साथ ही श्री उपाध्याय के द्वारा शिक्षक-शिक्षिकाओं को छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा प्रदान करने, स्कूल समय पर आने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई। चर्चा में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी एके उपाध्याय के द्वारा स्कूल का निरीक्षण कर शिक्षक-शिक्षिकाओं की बैठक लेकर स्कूल में संचालित होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी ली गई। साथ ही कितने छात्र-छात्राओं का नामांकन हुआ है, छात्रवृत्ति की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। इस अवसर पर संकुल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे, बीआरसी श्रीराम तुरकर सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

नल-जल योजना का 3 दिनों से नही मिल रहा पानी, क्षेत्रीयजन परेशान

छिंदलई के इंटक वेल एवं जल शोधन संयंत्र केन्द्र में आई तकनीकी खराबी, जल्द सुधार कर नियमित रूप से पानी सप्लाई करने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सिवनी एवं बालाघाट जिले के लालबर्रा क्षेत्र में गत दिवस से लगातार हो रही बारिश एवं भीमगढ़ बांध के गेट खोलने के बाद से वैनगंगा नदी में जल का स्तर बढ़ गया है। जिसके कारण छिंदलई के वैनगंगा नदी के समीप नल-जल योजना का बना इंटेक वेलकम पंप हाउस एवं जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र में बारिश के कारण ट्रांसफार्मर एवं अन्य मशीनों में तकनीकी खराबी आ गई है। जिसके कारण गत तीन दिवस से लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ७७ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। जिसके कारण क्षेत्रीयजनों को पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में क्षेत्रीयजन हेंडपंप एवं कुएं के पानी का उपयोग कर रहे है। लेकिन गत दिवस से हो रही बारिश के कारण कुएं का पानी साफ नही है और नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में ७७ ग्राम पंचायत के १०४ गांव के ग्रामीणजनों को कुएं व हेंडपंप के पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। किन्तु कुएं का पानी दूषित व साफ नही होने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। क्षेत्रीयजनों ने छिंदलई के वैनगंगा नदी में बने इंटेक वेलकम पंप हाउस एवं जाम के जल शोधन संयंत्र के ट्रांसफार्मर व मशीनों में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग पीएचई विभाग से की है।

कुएं व हेंडपंप का पानी पीने मजबूर क्षेत्रीयजन

आपकों बता दे कि लालबर्रा विकासखण्ड के ७७ ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने की मंशा से शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। वहीं इस योजना के तहत छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पहुंचता है। जहां फिल्टर होने के बाद पाइपलाईन के माध्यम से ग्राम पंचायतों में बनाये गये पानी टंकी में पानी कर घर-घर किये गये नल कनेक्शन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन गत दिवस से हो रही अनवरत बारिश एवं वैनगंगा नदी में आई बाढ़ के कारण छिंदलई में नल-जल योजना का बना इंटेक वेलकम पंप हाउस एवं जाम जल शोधन संयंत्र केन्द्र में आई तकनीकी खराबी के कारण गत तीन दिवस से क्षेत्र में नल-जल योजना प्रभावित हो चुकी है यानि की पानी नही मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में बरसात के दिनों में ग्रामीणजनों को दुर स्थित हेंडपंप एवं कुएं का पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। जबकि बरसात के दिनों में कुएं के पानी पीने के लिए मना किया जाता है क्योंकि कुएं का पानी बारिश के दिनों में साफ नही रहता है । साथ ही कुछ कुएं की लंबे समय से सफाई नही होने के कारण पानी दूषित रहता है। लेकिन नल-जल योजना का पानी नही मिलने के कारण मजबूरी में क्षेत्रीयजन कुएं व हेंडपंप का पानी उपयोग कर रहे है। क्षेत्रीयजनों ने पीएचई विभाग से छिंदलई के इंटेक वेलकम पंप हाउस एवं जाम के जल शोधन संयंत्र केन्द्र में आई तकनीकी खराबी को सुधार कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की है।

इनका कहना है

लालबर्रा क्षेत्र में गत दिवस से बारिश हो रही है एवं वैनगंगा नदी में जल का स्तर बढ़ गया है। जिसके कारण छिंदलई वैनगंगा नदी के समीप बना इंटेक वेलकम पंप हाउस एवं जल शोधन संयंत्र केन्द्र जाम में कुछ तकनीकी खराबी एवं बिजली की समस्या बनी हुई है। जिसके कारण पानी सप्लाई नही कर पा रहे है। जिसका सुधार कार्य जारी है, गुरूवार से क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय किया जायेगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओं
पीएचई विभाग लालबर्रा

बारिश से तरबतर हुआ क्षेत्र, किसानों ने शुरू किया परहा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा क्षेत्र सहित नगर मुख्यालय में ६ जुलाई की रात्रि ८ बजे से शुरू हुआ बारिश का दौर निरंतर ८ जुलाई को भी जारी रहा है। वहीं विगत दिनों से तेज बारिश की राह तक रहे किसानों ने क्षेत्र में अच्छी बारिश होने से राहत की सांस ली है एवं समस्त कृषक अपने-अपने खेतों में परहा कार्य में जुट गये है। आपकों बता दें कि विगत दिवस से तेज बारिश ना होने के कारण जिन किसानों के पास सिंचाई का साधन था ऐसे किसानों ने धान रोपाई कार्य प्रारंभ किये थे एवं जिन किसानों के पास सिंचाई का साधन नही था ऐसे किसान तेज बारिश होने का इंतजार कर रहे थे। ६ जुलाई की रात्रि से लेकर ८ जुलाई को दोपहर तक रूक-रूक कर अनवरत बारिश हुई है। जिसके बाद नदी, नाले उफान पर है एवं तालाब व खेतों में पानी जमा हो चुका है। इस तरह से तीन दिवस तक रूक-रूक कर हुई तेज बारिश के बाद खेतों में पर्याप्त मात्रा में पानी एकत्रित हो गया है और परहा (धान रोपाई) का कार्य तीव्र गति से प्रारंभ हो गया है। इस बारिश से किसानों के चेहरे खुशी से खिल गये है। वहीं कृषकों की माने तो इस वर्ष अपेक्षा से कम बारिश हुई है, पूर्व में हुई बारिश से खार बोई गई थी। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बारिश नही होने से परहा रोपाई का कार्य शुरू नही हो पाया था क्योंकि रेतीली जमीन व उपरी क्षेत्र में स्थित कृषि भूमि का पानी खत्म हो गया था, बारिश पर निर्भर उन्हीं किसानों के द्वारा रोपणी कार्य किया जा रहा था जिनके खेत में कुंआ से पानी की व्यवस्था है। फिलहाल जोरदार बारिश से किसान खुश है क्योंकि बारिश से खेतों में पर्याप्त मात्रा में पानी एकत्रित हो गया है और सभी किसानों ने अब पराह (रोपाई) कार्य प्रारंभ कर दिये है।

कौलीवाड़ा में विधायक निधि के स्वागत द्वार का स्लैप ढहने से चार मजदूर घायल

दो मजदूर को गंभीर चोटे आने से किया जिला चिकित्सालय रिफर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौंलीवाड़ा के हाट बाजार में विधायक निधि से निर्माणधीन स्वागत द्वार ९ जुलाई की शाम को ढहने से चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब स्वागत द्वार के ऊपर लेंटर डाला जा रहा था तभी अचानक यह घटना हो गई। इस दौरान मौके पर कार्यरत अन्य मजदूर भी घायल हुए हैं किंतु उन्हें हल्की और मामूली चोटे आई है । किंतु चार लोगों को गंभीर चोट आने पर उन्हें सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया गया है। जहां गंभीर रूप से घायल अरुण पिता गोविंदा कावड़े एवं सुशील पिता फूलचंद राठौर का प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। उक्त घटना की सूचना पर वारासिवनी तहसीलदार अनुराग सिंह मरावी के द्वारा अस्पताल में घायलों का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली गई है।

यह है मामला

ग्राम पंचायत कौंलीवाडा के हाट बाजार में स्वागत द्वार का निर्माण कराया जा रहा था यह स्वागत द्वार क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल के द्वारा अपनी निधि से ग्राम पंचायत को दिया गया था। जिसकी लागत करीब ५ लाख रुपये बताई जा रही है जिसमें द्वार के दोनों कालम खड़े हो गए थे ९ जुलाई को ऊपर लेंटर डालने का कार्य किया जा रहा था। जहां पर मजदूर कार्यरत थे इसी दौरान शाम करीब ५ बजे बारिश के दौरान अचानक स्वागत द्वार की सेंटरिंग की एक बल्ली निकल गई। जिससे यह स्वागत द्वार मौके पर खड़े मज़दूरों के ऊपर ढह गया। जिसमें कार्यरत मजदूरों को हल्की चोटिया आई थी तो वहीं अरुण पिता गोविंदा कावड़े एवं सुशील पिता फूलचंद राठौर ,रामदयाल सहारे ,बेबीचंद्र रावत को गंभीर चोट आई थी। जिन्हें तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां पर चारों घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिसमें गंभीर घायल अरुण पिता गोविंदा कावड़े एवं सुशील पिता फूलचंद राठौर को तत्काल जिला चिकित्सालय बेहतर उपचार के लिए रिफर कर दिया गया। मामले में मौके पर तत्काल तहसीलदार अनुराग सिंह मरावी के द्वारा घायलों का निरीक्षण कर उपस्थित जनों से आवश्यक जानकारियां ली गई हैं।

कौलीवाड़ा में विधायक निधि से स्वागत गेट बन रहा था तभी स्लैप गिर गई-रामदयाल सहारे

घायल रामदयाल सहारे ने बताया कि हम कौंलीवाडा के रहने वाले हैं स्लैप डाल रहे थे तभी स्लैप गिर गई। यह घटना हाट बाजार की है जहां पर विधायक निधि से स्वागत गेट बन रहा था स्लाप गिरने का कारण सेंटरिंग की बल्ली निकलना हैं। बारिश हो रही थी उस दौरान की है घटना है हम चार लोग घायल है जिसमें दो को ज्यादा चोट आई है।

निर्माण कार्य में अनियमित बरती गई ऐसे में अचानक गेट गिर गया-जानाजी गौतम

पूर्व सरपंच जानाजी गौतम ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि विधायक निधि से करीब ५ लाख रुपए की लागत से कौलीवाड़ा में स्वागत गेट का निर्माण हो रहा था। जिसके ऊपर का लेंटर डाला जा रहा था वह पूरा नीचे गिर गया। जिसमें देखने में आया कि १८ और २२ एमएम की जो सरिया डालना था वह नहीं डाली गई जबकि १६ फीट चौड़ा गेट है। सरिया छोटी थी निर्माण कार्य में अनियमित बरती गई। ऐसे में अचानक यहां गेट गिर गया जिसमें दो व्यक्तियों के पैर टूट गए हैं बाकी मजदूरों को चोटे आई है यह बहुत दुखद विषय है।

कौलीवाड़ा में स्वागत गेट बनाया जा रहा था तभी घटना घटी है-अनुरागसिंह मरावी

तहसीलदार अनुराग सिंह मरावी ने बताया कि स्लैप गिरने से मजदूर घायल होने की सूचना मिली थी। जिस पर अस्पताल में आकर देखा जानकारी मिली कि शाम को ५ बजे जब बारिश हो रही थी। उस समय कौलीवाड़ा में स्वागत गेट बनाया जा रहा था। जिसमें मजदूर काम कर रहे थे तभी स्लैप गिर गया जिसमें चार मजदूर घायल हो गए हैं।

नगर पालिका द्वारा चलाया सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासन द्वारा समय समय पर सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के संबंध में निर्देश जारी किये जाते है। जिसके परिपालन में नगर पालिका के द्वारा समय समय पर सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग नही किये जाने के संबंध में प्रचार प्रसार किया जाता रहा है। मुनादी के माध्यम से एवं अन्य प्रचार के माध्यम से सूचना जारी किये जाने के उपरांत भी दुकानदारों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद नहीं किया गया है। जिसमें नवागत सीएमओ सूर्यप्रकाश उके के संज्ञान में आने पर शासन के निर्देशो का कड़ाई से पालन कराये जाने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित किये जाने चालानी कार्यवाही प्रारंभ करवाई गई है। सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि शासन के द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ठ प्रबंधन नियम २०२१ के अनुसार ७५ एवं १०० माईक्रॉन से कम वाले प्लास्टिक बैग,प्लास्टिक उत्पाद व सिंगल यूज डिस्पोजल प्लास्टिक वस्तुऐं, प्लास्टिक कैरी बैग, फूड पैकेजिंग, प्लास्टिक फ्लावर पॉट्स, बैनर झण्डे, पैड वाल्स, कटलरी प्लेट्स, प्लास्टिक कप, प्लास्टिक स्ट्रा, स्पून्स पाउच जैसे आदि तथा थर्माकोल से निर्मित सजावटी एवं अन्य सामान का भण्डारण, विक्रय, वितरण तथा उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उपरोक्त सामग्री का भण्डारण विक्रय या वितरण तथा उपयोग करते पाये जाने पर जुर्माना अधिरोपित किया जावेगा। श्री उके ने बताया कि इसी परिपेक्ष्य में आज नगर में कुछ दुकानों पर औचक निरिक्षण के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग का वितरण उपयोग करते पाये जाने पर चालानी कार्यवाही करते हुये ३ दुकानदारों से लगभग ६०० रूपये जुर्माना अधिरोपित कर वसूली की कार्यवाही की गई है और यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी । जब तक शासन मापदण्डों के अनुरूप सिंगल यूज प्लास्टिक का भण्डारण, विक्रय वितरण तथा पूर्णतः बंद ना हो जावें।

विधायक गौरव पारधी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी ने विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त ग्राम खैरी, भौरगढ़ सहित अन्य ग्रामों का दौरा किया और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं को जाना। इस दौरान विधायक पारधी ने ग्रामीणों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया

और कहा कि वे इस घड़ी में पीड़ित किसान और पीड़ित परिवारों के साथ है। इस अवसर पर पीड़ितों से बात करते हुए कहा कि वे शासन से हर संभव मदद दिलाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान उन्होंने ग्राम भौरगढ़ में बाढ़ की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो चुके मकान देखे और पीड़ित परिवारों को शासन से मुआवज़ा राशि और यथासंभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया । इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कटोरी ज्ञानेश राहगडाले, सरपंच देवेन्द्र बारेवार, आकाश बारेवार,अभिषेक सेलोकर सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सिकंद्रा में भारी बारिश का दिखा असर ग्रामीणजन परेशान

तालाब फूटने से खेत जलमग्न, जलभराव से मकान हुए क्षतिग्रस्त

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा में बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां पर भारी बारिश के कारण ग्राम के अंदर विभिन्न स्थानों पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई । वहीं क्षमता से अधिक पानी ग्राम के आमा तालाब में जमा होने से तालाब फूट गया है। जिसका पानी खेतों में जा रहा है जहां पर खेत जलमग्न हो गए हैं ,ऐसे में किसानों को उनके परहा और खार की चिंता लगी हुई है। इसमें बताया जा रहा है कि कई लोगों को नुकसानी का सामना करना पड़ा है। जहां पर पंचायत के द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था बनाई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दो दिनों से हुई मूसलाधार बारिश के कारण सभी नदी नाले उफान पर आ गए। वहीं जगह.जगह जल भराव की स्थिति क्षेत्र में देखने को मिली। ऐसे में सिकंद्रा ग्राम के अंदर भी जल भराव हो गया वहीं ग्राम कोस्ते नाला बाढ़ में डूबने से आसपास की खेती भूमि जलमग्न हो गई। ऐसे में लगातार बारिश के कारण ग्राम में बना आमा तालाब जो किसानों के लिए जीवन रेखा का काम करता है। उसमें क्षमता से अधिक पानी जमा होने से वह भी फूट गया जिसका पानी लगातार खेतों में बह रहा है तो वहीं परहा एवं खार को भी नुकसान पहुंच रहा है। जिसमें बताया जा रहा है कि ग्राम के देवेंद्र चौधरी, धनीराम चौधरी ,सुखचंद कावरे, रामकृष्ण कावरे ,सुभाष पारधी ,श्रीराम पंचेश्वर ,रवि बाहेश्वर सहित अन्य किसानो की करीब २०० एकड़ भूमि जलमग्न पड़ी हुई है। जिसमें कुछ किसानों का परहा उखड़ कर पानी में बह गया है तो वहीं ग्राम के अंदर हुए जल भराव के कारण गोपाल पिता हरीश चंद मरठे ,धनिराम रहाँगडाले ,रामेश्वर दांदरे ,लक्ष्मण दांदरे ,परशुराम पंचेश्वर सहित अन्य लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे में ग्रामीणों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है जिनके द्वारा राजस्व विभाग से मौका निरीक्षण कर मुआवजा देने की मांग की जा रही है। हालांकि यह बारिश का दौर कुछ घंटे के लिए रुका था किंतु बुधवार की शाम करीब ५.३० बजे से फिर बारिश का दौर प्रारंभ हो गया है। ऐसे में बारिश रुकने के दौरान ग्राम के अंदर सड़के काट कर या विभिन्न स्थानों पर कच्ची नाली का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था बना दी गई है। फिर भी ग्राम के अंदर जल भराव का डर लगा हुआ है।

मुसलाधार बारिश के कारण किसानों की खेती में घुसा पानी किसान परेशान-सुभाष पारधी

किसान सुभाष पारधी ने बताया कि हमारे ग्राम में भयंकर बारिश होने के कारण पूरे खेत पानी में डूब चुके हैं जहां पर किसानों के द्वारा परहा लगा लिया गया था। उसमें भी नुकसानी हुई है हम सरकार से अब मांग कर रहे हैं की अति शीघ्र इसका निरीक्षण कर नुकसानी का मुआवजा दिया जायें ताकि किसान अपने खेती कार्य को पुन स्थापित कर सके। इस प्रकार के कई किसान है जिनकी खेती भूमि अभी पानी में डूबी हुई है। गांव के अंदर का पानी निकला तो जा रहा है परंतु खेतों की बत्तर स्थिति बनी हुई है। जो परहा लगाया गया था वह बह गया है तत्काल खेतों का नुकसानी पंचनामा बनाकर मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बारिश के कारण हुये नुकसानी का किसानों को मुआवजा दिया जायें-कन्हैया खैरवार

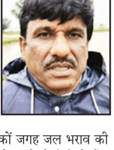

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण जो नुकसानी ग्राम के अंदर हुई है उसे हम बयां नहीं कर सकते हैं। किसानों के द्वारा जो खार और परहा लगाया गया था वह पानी में डूब गया है बह भी गया है। गांव में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं दीवारें गिर गई है अनेकों जगह जल भराव की स्थिति बनी हुई है। वर्तमान में जेसीबी से रोड़ काटकर पानी निकाला जा रहा है परेशानी हर किसान के साथ बनी हुई है यह तो उनके ऊपर कुदरत की दोहरी मार हो गई। वहीं गांव का आमा तालाब भी फूट गया है जिसका पानी सीधा खेतों में आ रहा है। अति शीघ्र किसानों को मुआवजा दिया जाना चाहिए ताकि वह फिर से खेती कार्य कर सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलाँजी में रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बुधवार को खैरलाँजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बैठक आयोजित की गई। जहाँ विधायक ने हॉस्पिटल पहुंचते ही भर्ती मरीजों का हाल चाल जाना और उनसे परेशानी पूछी। जिसके बाद उन्होंने बीएमओ को निर्देशित किया की बरसात का समय चल रहा है भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार से कोई परेशानी नही होनी चाहिए। हॉस्पिटल के चारो और सफाई रखे जिससे जीव जंन्तु हॉस्पिटल के अंदर प्रवेश ना करें इसका विशेष ध्यान रखे। वही हॉस्पिटल में कुछ कमियाँ देख बीएमओ को जमकर फटकार भी लगाई और हॉस्पिटल में पड़ी स्वर्ग रथ को जल्द से जल्द सुधार कार्य करने के निर्देश दिए। विधायक पटेल वहां पर मौजूद मरीजों से मिलने के बाद सीधे प्रसूति कक्ष पहुंच गए और वहाँ मौजूद लोगो से चर्चा की तो उन्होंने बताया की रोज इस रूम में बिजली गोल की स्थिति रहती है । जिसके बाद विधायक पटेल ने खंड चिकित्सा अधिकारी को तत्काल लाइट शुरू करवाने के निर्देश दिए। जिसके बाद उन्होंने रोगी कल्याण समिति के पदाधिकारियों ,नायब तहसीलदार डी एल परते,खंड चिकित्सा अधिकारी खिलेन्द्र पाल, अनुविभागीय अधिकारी पिडब्लूडी सिदार्थ जैन,बीपीएम कमल नगपुरे,प्रमोद बघेले के साथ बैठक कर हॉस्पिटल में मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयो पर चर्चा की गई। खैरलाँजी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर अमित बिजेवार ग्राम भौरगढ़ के निवासी हैँ जो अपने मनमर्जी से हॉस्पिटल डियूटी में आते हैँ और चले जाते है। वहीं उन्होंने अपने घरो में मेडिकल की दुकान खोल रखी है जब हॉस्पिटल में मरीज इलाज के आते है तो उन्हें फोन करके बुलाया जाता है। उन्हें आने में एक घंटा लगा जाता है। जिसकी शिकायत खैरलाँजी वासियो ने विधायक विवेक पटेल की है। विधायक विवेक पटेल ने बताया की अधिकारियों के साथ रोगी कल्याण समिति की बैठक रखी गई थीं। बैठक के दौरान मरीजों को अच्छा इलाज उपलब्ध हो, समय पर दवाईयां मिले समय पर उपचार मिले सहित विभिन्न प्रकार की चर्चा की गई। वहीं शिकायत मिलने पर हॉस्पिटल का निरिक्षण किया गया निरिक्षण के दौरान कुछ कमियाँ पाई गई है उन्हें सुधार करने के निर्देश दिया गया है। खंड चिकित्सा अधिकारी को कह दिया है मैं फिर निरिक्षण करुंगा । अगर कुछ कमियाँ पाई गई तो जिम्मेदार लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान कटंगी विधायक गौरवसिंह पारधी, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल,सुरेश कुर्वे, विवेक जुझार, अमन पटेल,देवी लिल्हारे,विक्की लिल्हारे,ज्ञानीराम लिल्हारे,मुकेश दमाहे, विकास करपगए,संजय दमाहे,अजय करपगए,अमित थोटे,कुलपत दमाहे,टिकेंद्र पटले,विनीत बनोटे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विधायक विवेक पटेल के बचाव में उतरे कांग्रेसी

नपा अपनी कमियाँ को छुपाने जनता को कर रही गुमराह-सुदेश सोनी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नपा विधायक प्रतिनिधि सुदेश सोनी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष सभी पार्षदो के कामों को अनसुना करते हूए उनके वार्ड में काम ना करवाने का आरोप परिषद पर लगाया है। वहीं उन्होंने कहा की बारिश के चलते जो नगर के वार्डो में जल भराव की स्थिति बनी थीं उनमें नगर पालिका ने कुछ भी प्रयास नही किया । जब क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल को इसकी जानकारी लगी तो वे तत्काल बारिश में भींगते हूए खुद अपनी टीम के साथ नगर के विभिन्न वार्ड में पहुँचे और नगर पालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश उके को तत्काल निर्देश कर जल भराव का निराकरण का आदेश दिया था। विधायक पटेल को वार्ड में पहुँचता देख नपा के कर्मचारी भी आनन फानन में मौके पर पहुँचे और नालियों की तत्काल सफाई कर निराकरण किया गया। वहीं निर्दलीय पार्षद बारिश के चलते अपने अपने घरो में आराम कर रहें थे तो वहीं कुछ लोग जन्मदिन मनाने में खुश थे। जब उन्हे विधायक विवेक पटेल के वार्ड में पहुंचने की जानकारी लगी तब पार्षद वार्ड में पहुँचे तब तक विधायक विवेक पटेल ने खुद मौके पर खड़े होकर कार्य करवा चुके थे। बाद में पार्षद फोटो खिंचवाकर श्रेय ले रहे थे कि काम हमने करवाया अगर काम आप करवा लेते तो विधायक को वार्ड में पहुंचने की जरूरत ही नहीं पड़ती। श्री सोनी ने बताया कि मेरे द्वारा कई बार बारिश के पूर्व जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए बैठक लेने कहा गया। मगर कुछ पार्षदों का कहना था कि जब नगर की जनता ने हमें चुनाव हराई है तो उसका परिणाम भी नगर की जनता को मिलता चाहिए। वहीं मेरे द्वारा नगर के वार्ड की कुछ समस्या भी बताई गई थी मगर उनका कहना आता है कोई काम नहीं होगा। सिर्फ निर्दलीय पार्षदों के वार्ड में विकास के काम होंगे जिसका परिणाम भी भाजपा के वार्ड नंबर तीन में देखने मिला और जल भराव की भयानक स्थिति बन गई थी। रोड से दो तीन फुट पानी ऊपर बह रहा था ऐसा लगा था जैसे नदियों में पानी बह रहा है वॉर्ड ९ में पोस्टमार्टम ग्रह को कालोंनाइजर ने अपने कब्जे में ले लिया । पार्षद को कोई जानकारी नहीं है उनका सामान जप्त नही करते हुए उन्हें अतिक्रमण हटाने को कहा जाता है। मगर कालोंनाइजर भी पैसो के दम पर कुछ पार्षदो की नहीं सुनते हैं । वहीं कालोंनाइजर को भी अनुमति नगर पालिका ही देती है और उन्हीं नगर पालिका की लापरवाही के कारण कालोनी में जल भराव की स्थिति बनी रहती है।

नरसंहार को रोकें : ट्रम्प, इजराइल और गाजा युद्ध

छह महीने में व्हाइट हाउस के अपने तीसरे दौरे में, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को 卐मध्य पूर्व में शांति और सुरक्षा के प्रयासों卐 के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ की और यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया, लेकिन वह पश्चिम एशिया में आज के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे - गाजा में युद्ध विराम - पर कोई भी प्रतिबद्धता जाहिर करने से कतरा गए। अब जबकि दोहा में हमास के प्रतिनिधियों और इजराइल के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता जारी है, ऐसा मालूम होता है कि इजराइल गाजा के दक्षिण में फिलिस्तीनियों को जबरन स्थानांतरित करने की तैयारी कर रहा है। रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज का कहना है कि उन्होंने इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) को गाजा की 2.3 मिलियन लोगों की पूरी आबादी को राफा के खंडहरों, जिसे इजराइली 卐नया मानवीय शहर卐 कहते हैं, में स्थानांतरित करने की योजना बनाने का निर्देश दिया है। इज़राइली मीडिया में आईडीएफ के मुखिया इयाल ज़मीर द्वारा इस योजना का यह कहते हुए विरोध किए जाने की खबरें हैं कि 卐भूखे और गुस्साए卐 फिलिस्तीनी 卐आईडीएफ पर हमला बोल सकते हैं卐। गाजा में बच्चों सहित दर्जनों फिलिस्तीनियों को आईडीएफ द्वारा मारना रोज़मर्रा की घटना है और सहायता केंद्रों में भूखे नागरिकों को गोली मार दी जाती है।

पिछले 20 महीनों के दौरान गाजा में अपनी सेवाएं देने वाले डॉक्टरों के पास बच्चों की भूख से मौत या सिर में स्नाइपर के घाव के साथ बच्चों के शवों को अस्पतालों में लाए जाने की डरावनी कहानियां हैं। लेकिन इनमें से किसी भी बात से नेतन्याहू और उनके पश्चिमी समर्थकों, जिसमें खुद को 卐अमनपसंद आदमी卐 कहने वाले ट्रम्प भी शामिल हैं, को कोई फर्क नहीं पड़ता है।

ट्रम्प ने इस बैठक से पहले कहा था कि वह युद्ध विराम की जरूरत को लेकर नेतन्याहू के साथ 卐बेहद सख्त卐 रहेंगे। लेकिन सिर्फ जुबानी खर्च ही काफी नहीं हैं। ट्रम्प के पास अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके इजराइल को गाजा में युद्ध विराम कबूल करने के लिए मजबूर करने की क्षमता है। उन्होंने ईरान-इज़राइल युद्ध के आखिरी दौर में अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया था और सार्वजनिक रूप से तेल अवीव से ईरान पर बमबारी करने के लिए उड़ान भर चुके अपने लड़ाकू विमानों को वापस लौटा लेने के लिए कहा था। इज़राइल ने सिर्फ एक प्रतीकात्मक हमला करने के बाद उनके इस आदेश का पालन किया था। आज का इज़राइल पहले की तरह ही अमेरिका पर निर्भर है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान, इजराइल को आक्रामक और रक्षात्मक समर्थन के लिए अमेरिका पर निर्भर रहना पड़ा था। इजराइल को गाजा में अपने विनाशकारी युद्ध को जारी रखने के लिए अमेरिकी हथियारों की जरूरत है। और युद्ध अपराधों एवं मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे नेतन्याहू को बेखौफ होकर पश्चिम एशिया में अपने युद्धों को जारी रखने के लिए अमेरिकी राजनीतिक एवं कूटनीतिक समर्थन की जरूरत है। अगर अमेरिका इजराइल का समर्थन करना जारी रखता है और गाजा युद्ध को खत्म करने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने से इनकार करता है, तो भविष्य में इतिहासकारों और तथ्य-खोजकर्ताओं द्वारा उसकी एक ऐसे देश के रूप में निंदा की जाएगी जो फिलिस्तीनियों के खिलाफ इज़राइल के अपराधों में सहयोगी था। इस क्रूर युद्ध को लंबा खींचने के लिए इजराइल के पास कोई बहाना नहीं है। उसने 20 महीनों में अनुमानित रूप से 70,000 लोगों की जान ले ली है। यह नरसंहार जरूर रुकना चाहिए तथा इजराइल को उसके अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरू

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्राय: सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था। इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है।

गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरू का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं।

शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था।

हम जानते हैं कि विश्व के प्राय: सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरू ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था। गुरु का कार्यक्षेत्र केवल गुरुकुल तक ही सीमित नहीं था अपितु उनके तेजोमय ज्ञान का प्रसार राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में था। उनकी विद्वता और उत्तम चरित्र तथा व्यापक मानव सहानुभूति की भावना के कारण उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली होती थी। गुरु के आचार-विचार में भेद नहीं होता था। गुरुकुल में प्रवेश पाने वाले शिक्षार्थी के अन्तर्मन में झाँककर गुरु उसकी योग्यता, आवश्यकता एवं कठिनाइयों को भलीभांति समझते थे। गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तम मानस का निर्माण करना था। वस्तुत: स्वयं गुरु ही विद्यार्थियों के आदर्श थे जिनसे प्रेरित होकर वे उनका अनुसरण करते थे और संयमी, गम्भीर तथा अनुशासन युक्त जीवन का निर्माण करते थे। प्राचीन काल में धौम्य, च्यवन ऋषि, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, वाल्मीकि, गौतम, भारद्वाज आदि ऋषियों के आश्रम प्रसिद्ध रहे। बौद्धकाल में बुद्ध, महावीर और शंकराचार्य की परंपरा से जुड़े गुरुकुल जग प्रसिद्ध थे, जहाँ विश्वभर से मुमुक्षु ज्ञान प्राप्त करने आते थे और जहाँ गणित, ज्योतिष, खगोल, विज्ञान, भौतिक आदि सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। प्रत्येक गुरुकुल अपनी विशेषता के लिए प्रसिद्ध था। कोई धनुर्विद्या सिखाने में कुशल था तो कोई वैदिक ज्ञान देने में, कोई अस्त्र-शस्त्र सिखाने में तो कोई ज्योतिष और खगोल विज्ञान की शिक्षा देने में दक्ष था। भारतीय संस्कृति में कहा गया है सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् विद्या वही है जो हमें सब बंधनों से मुक्त कर दे। कहा जाता है कि जैसी शिक्षा दी जाएगी, देश का मानस उसी प्रकार का बनता जाएगा। इसलिए समाज को इस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे असली भारत का निर्माण हो सके। इसलिए इस ओर बहुत अच्छे प्रयास प्रारम्भ हो गए हैं।

- डॉ. वंदना सेन

(लेखिका शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय भाषा मंच की प्रान्त सह संयोजक एवं पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष हैं)

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम है

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है। निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। वहीं ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने भी विपक्ष के सामने संकट पैदा कर दिया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर उल ईमान ने लालू प्रसाद को चिट्ठी लिख कर कहा कि एमआईएम को महागठबंधन में शामिल किया जाए। राजद की ओर से पहली प्रतिक्रिया में पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इसके लिए मना कर दिया है। असल में एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस दोनों को उलझा दिया है। ये दोनों पार्टियां कहती रही हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है और हर बार राजद, कांग्रेस को हराने के लिए चुनाव लड़ती है। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी ओर से तालमेल की पहल की है। अगर राजद, कांग्रेस तालमेल के लिए तैयार नहीं होते हैं तो फिर कैसे एमआईएम पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाएंगे! राजद और कांग्रेस की स्थिति सांप छछूंदर वाली हो गई है। इंडी गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को टक्कर देने के लिए दो तरफा योजना बना रहा है। इसके तहत वह कल्याणकारी योजनाओं के वादों के साथ-साथ सामाजिक न्याय का एक बड़ा मुद्दा भी पेश करेगा। विपक्ष रोजगार की तलाश में गरीब बिहारियों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के उपाय के रूप में विशेष रोजगार सृजन योजनाओं की पेशकश करने के लिए भी काम कर रहा है। विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि वह स्थानीय भावनाओं को भी प्रभावित करने के लिए एक अभियान चलाकर यह दावा कर सकेगा कि बिहार में कुछ नौकरशाहों के माध्यम से एक दिल्ली गिरोह छद्म सरकार चला रहा है, वह भी ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शारीरिक फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार चुनाव में उसका चेहरा कौन होगा? विपक्ष अभी अपना चेहरा तय नहीं कर पाया है। राजद तेजस्वी को भावी मुख्यमंत्री और विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश कर रहा लेकिन गठबंधन में इस पर कोई सहमति नहीं है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर सहमति बनना मुश्किल है। गठबंधन का कोई भी दल अपनी दावेदारी कम नहीं करना चाहता। ऐसे में विपक्ष भले ही ऊपरी तौर पर ताकतवर दिखने के लिए एकजुटता दिखा रहा है, लेकिन अंदरखाने विपक्ष के चेहरे यानी सीएम प्रत्याशी के नाम को लेकर भारी उथल पुथल मची है। सत्तारूढ पक्ष की ओर से साफ किया जा चुका है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेग। और चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार बैठेंगे। बिना चेहरे के चुनाव मैदान मे उतरने से विपक्ष का पलड़ा कमजोर होना तय है, क्योंकि इस से यह मैसेज जायेगा कि विपक्ष एकजुट नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष खासकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और जन सुराज के संयोजक जिन मुद्दों को आधार बनाकर बिहार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके हर मुद्दे की लगातार हवा निकाल रहे हैं। चाहे बिहार की सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की बात हो या सामाजिक पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी का मुद्दा। यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष से दो कदम आगे चल रहे हैं। चुनाव में अभी लगभग तीन महीने का वक्त है, तब तक राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा ये अभी कह पाना मुश्किल है। फिलवक्त बिहार मे विपक्ष की राजनीति उलझी और फंसी हुई दिख रही है। चुनाव आयोग की कार्रवाई से विपक्ष की हताशा भी सामने आ चुकी है। ऐसा लग रहा है मानो विपक्ष की सारी उम्मीदें मतदाता सूची पर ही टिकी हुई थी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में पुनरीक्षण शुरू करके उसका बना बनाया काम बिगाड़ दिया हो। कानून और नियमों के तहत चुनाव आयोग साफ सुथरी मतदाता सूची बनाना चाह रहा है। इससे भला किसी को क्या परेशानी हो सकती है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रक्रिया का विरोध कर अपनी मंशा साफ कर दी है। आशंका इस बात की भी है कि कहीं विपक्ष अपनी संभावित हार को देखते हुए चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप मढ़ने की नीयत से पेशबंदी तो नहीं कर रहा। हालांकि इन सबके बीच एक बात तो तय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष उन तमाम मुद्दों को जरूर टेस्ट करना चाहेगा जो आने वाले समय में देश और खासकर विपक्ष की राजनीति पर असर डाल सकते हैं।

- डॉ. आशीष वशिष्ट

पत्रकारिता की नाक कटाने पर तुला 'गोदी मीडिया'

यदि आप गोदी मीडिया से जुड़े भोंपू टी वी चैनल्स पर टी आर पी केंद्रित चोंच लड़ाने व उत्तेजना पैदा करने वाली डिबेट देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा गुज़रता हो जिसदिन गोदी मीडिया के इन टी वी एंकर्स को किसी न किसी डिबेट के सहभागी या दर्शकगण के बीच बैठे किसे जागरूक व्यक्ति के हाथों घोर अपमान न सहना पड़ता हो। जनता के बीच तो यह लोग अब जाने से ही डरते हैं क्योंकि वहां भी कई बार इन्हें अपमानित होकर वापस आना पड़ा है। स्वयं के सेलेब्रेटी होने का भ्रम पाले ऐसे कई पत्रकारों को कई बार जनता धक्के देकर भगा चुकी है। आख़िर क्या कारण है कि पत्रकारिता जैसा पवित्र व ज़िम्मेदार पेशा अब इतना बदनाम हो गया है कि गोदी मीडिया से जुड़े वर्तमान भोंपू व पक्षपातपूर्ण एवं झूठी रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों का बर्ताव व उनका मनोभाव देखकर लोग अपने बच्चों को पत्रकारिता सिखाने से परहेज़ करने लगे हैं ?

आम लोग बड़े ही भरोसे के साथ टी वी देखते व पत्र पत्रिकाएं पढ़ते हैं। पत्रकारों का एक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय नेटवर्क जगह जगह के ताज़ा हालात के बारे में अपने अपने मीडिया संस्थान को पूरी ज़िम्मेदारी के साथ अवगत कराता है। इसी सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित कर देश दुनिया को किसी घटना की जानकारी दी जाती है। इसके अतिरिक्त मीडिया सरकार व समाज के दर्पण का भी काम करता है। सत्ता से उसकी नाकामियों पर सवाल पूछता है। परन्तु गत दस वर्षों से तो यही मीडिया न केवल सरकार का वफ़ादार भोंपू बन चुका है बल्कि उल्टे सत्ता से सवाल करने वालों को ही कटघरे में खड़ा कर रहा हे। यह सत्ता के बजाये विपक्ष से सवाल करने को ही पत्रकारिता समझता है। गोदी मीडिया सरे आम सांप्रदायिक एजेंडा परोसता है और देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने में अपनी मुख्य भूमिका अदा कर रहा है।

पत्रकारिता को शर्मसार करने वाले ऐसे ही दलाल क़िस्म के पत्रकारों पर न जाने कितने मुक़द्दमे चल चुके हैं और कई पर तो अभी भी चल रहे हैं। देश की अदालतें ऐसे टी वी चैनल्स व पत्रकारों को कई बार डाँट फटकार लगा चुकी हैं। अभी पिछले ही दिनों रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ़ अर्नब गोस्वामी के ख़िलाफ़ दिल्ली हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मानहानि का मामला दायर कर दिया। अर्नब गोस्वामी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की रिपोर्टिंग के समय कांग्रेस पार्टी को 卐राष्ट्र के दुश्मनों के साथ खड़ी卐 होने वाली पार्टी बताकर कांग्रेस की छवि धूमिल करने की कोशिश की थी। रिपब्लिक टीवी वही न्यूज़ चैनल है जिसकी स्थापना मई 2017 में अर्नब गोस्वामी व भाजपा सांसद राजीव चंद्रशेखर ने संयुक्त रूप से की थी। राजीव चंद्रशेखर उद्यमी होने के साथ साथ वर्तमान में भाजपा केरल के प्रदेश अध्यक्ष होने के अलावा पूर्व इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी , कौशल विकास,उद्यमिता व जल शक्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री भी हैं। उधर अर्नब गोस्वामी की तारीफ़ यह है कि इन्हें 4 नवंबर 2020 को 53 साल के एक इंटीरियर डिज़ाइनर को आत्महत्या के लिये मजबूर करने के मामले में मुंबई पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। इसके अलावा भी गोस्वामी के विरुद्ध कई आपराधिक और सिविल मामले दर्ज किए गए थे। इनमें मानहानि, उकसाने, ग़लत सूचना फैलाने और अन्य संबंधित आरोप शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मुंह पर कालिख पोतने वाला ऐसा दाग़दार व्यक्ति अब यह प्रमाण पत्र बाँट रहा है कि कौन सा व्यक्ति व दल राष्ट्र भक्त है और कौन राष्ट्र के दुश्मनों के साथ खड़ा है ?

कुछ दिन पहले ऐसे ही किसी 'एजेंडा पत्रकार' ने पूरी पत्रकार बिरादरी को उस समय ज़लील किया जब उसने भारत की अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व निदेशक अमरजीत सिंह दुलत का साक्षात्कार किया और उस दौरान उसने दुलत से एक अप्रासंगिक प्रश्न पूछ लिया। उसने पुछा कि कुछ दिन पहले आप पाकिस्तान गए थे ? इस सवाल पर पहले तो दुलत ने पूछा की यह किसने बताया आपसे ? जवाब न मिलने के बाद वे खड़े हो गये और ---निकालो इसको साले को, हटाज्बहन चो... को। कौन? कौन साला हरामज़ादा बोल रहा था? कौन कुत्ता बोल रहा था? कौन था वो? मालूम है मैं कौन हूँ? कौन कह रहा था? मादर... तुम समझते क्या हो अपने आप को, मादर चो ... पागल समझ रहे हो? तेरी माँ चो ... दूंगा मैं, बहन चो ....। और आख़िरकार इस पत्रकार पर इतने सरे अलंकरण की बारिश करने के बाद दुलत ने उस दलाल पत्रकार व उसके कैमरामैन को धक्के देकर अपने घर से बाहर खदेड़ दिया। तो क्या इस तरह पत्रकारिता की %शान % बढ़ा रहा है हमारे देश का बिकाऊ भाण्ड मीडिया ?

इसी तरह पिछले दिनों ज़ी न्यूज़ और ष्टह्ह-ह्द्र2ह्य18 के विरुद्ध पुंछ की अदालत ने ?फ़ आई आर का आदेश दिया तथा प्रत्येक पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना सुनाया। मामला यह था कि 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पुंछ में पाकिस्तानी हमले में क़ारी मोहम्मद इक़बाल नामक एक सज्जन व्यक्ति शहीद हो गए थे। उस समय 'द्ग्रह्द2ह्य और ष्टह्हद्भुद्ग2ह्य18 जैसे चैनल बड़ी ही बेशर्मी से इक़बाल को आतंकवादी बता रहे थे तथा बिना किसी सबूत के यह दावा कर रहे थे कि क़ारी मोहम्मद इक़बाल का सम्बन्ध लश्कर-ए-तैयबा से था। जबकि वे स्थानीय लोकप्रिय समाजसेवी थे तथा राष्ट्रभक्त व्यक्ति थे। मरणोपरांत उनकी छवि बिगाड़ने, फ़र्ज़ी व अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने के लिए ही अदालत ने इन चैनल्स पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। निश्चित रूप से यह पक्षपातपूर्ण पत्रकारिता के मुँह पर ज़ोरदार तमाचा है। यह कैसा ग़ैर ज़िम्मेदार मीडिया है कि दुश्मन की गोली से शहीद होने वाले अपने ही देशवासियों को आतंकवादी बता रहा है?

याद कीजिये 14 जून 2020 का वह दिन जब अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली थी। परन्तु आत्महत्या करने के बाद उसके परिवार वालों ने सुशांत की मित्र अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को इस तरह कटघरे में खड़ा कर दिया था गोया रिया चक्रवर्ती पर दोष मढ़ने के लिये मीडिया के पास सारे सुबूत मौजूद हों। उस दौरान इसी मीडिया ट्रायल की वजह से रिया को 27 दिनों तक जेल में भी रहना पड़ा था। रिया चक्रवर्ती पर न केवल न केवल सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने भर का आरोप था बल्कि उस पर 15 करोड़ की हेराफेरी का भी आरोप लगाया गया था। यहाँ तक कि इस मामले में ड्रग्स के एंगल से भी जांच की गई थी। परन्तु पिछले दिनों इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत में दो क्लोज़र रिपोर्ट दाखिल कर दी। सीबीआई की इस रिपोर्ट में अभिनेता की मौत के मामले में किसी साज़िश से इनकार किया गया। गोया सीबीआई द्वारा रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट दे दी गई। इस रिपोर्ट के फ़ौरन बाद ज़ी न्यूज़ के स्वामी सामने आये थे और उन्होंने अपने चैनल पर इस सम्बन्ध में ग़लत ख़बर चलाने के लिये मुआफ़ी मांगी। परन्तु बेशर्म पत्रकारों ने मुआफ़ी मांगने की भी ज़रुरत महसूस नहीं की ? देश में जिस तरह मीडिया द्वारा बेशर्मी की सारी हदें पार की जा रही हैं उसे देखकर यही कहा जायेगा कि पत्रकारिता की नाक कटाने पर तुला है 'गोदी मीडिया'।

निर्मल रानी

गुरु पूर्णिमा : श्रद्धा और संस्कारों का उत्सव

भारतवर्ष में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर: जैसी पंक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि हमारे जीवन के हर पहलू को दिशा देने वाले गुरु केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनदर्शन के निर्माता होते हैं। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व केवल गुरु के प्रति कृतज्ञता का नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कार की परंपरा के सम्मान का भी प्रतीक है। कला के क्षेत्र में, विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक में, गुरु-शिष्य परंपरा एक मजबूत नींव है। कथक केवल ताल, लय और भावों का नृत्य नहीं, अपितु यह एक जीवन-दर्शन है जो गुरु के आशीर्वाद से ही संपूर्ण होता है। भारत में लखनऊ, जयपुर और बनारस घराना कथक के तीन प्रमुख घराने हैं, जो अपने-अपने विशिष्ट रंग, शैली और परंपरा के लिए प्रसिद्ध हैं। इन घरानों को विश्व पटल पर स्थापित करने में अनेक गुरुओं का योगदान रहा है। लखनऊ घराने के पुरोधा पंडित लच्छू महाराज जी ने कथक को फिल्मों और मंचों पर एक नई पहचान दी। वहीं उनके भतीजे पंडित बिरजू महाराज जी, कथक के पर्याय बन चुके हैं। उन्होंने कथक को अभिव्यक्ति का ऐसा माध्यम बनाया जो न केवल शास्त्रीय मंचों पर बल्कि जनमानस के हृदय में भी स्थान बना सका। जयपुर घराने की तेज और जटिल पखावज आधारित बोलों की परंपरा को पंडित दुर्गालाल जी ने एक ऊंचाई प्रदान की। उनकी नृत्य शैली में शक्ति, ऊर्जा और गंभीरता का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। बनारस घराने की भावप्रधान और सौम्य शैली को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने में इन गुरुओं का विशेष योगदान रहा है। सुनयना हज़ारीलाल जी ने कथक को स्त्री-अभिव्यक्ति और नारीत्व के संदर्भ में सशक्त बनाया। मैं स्वयं मेरे गुरूजनों श्री विश्वजीत चक्रवर्ती, प्रो. डॉ. मांडवी सिंह एवं प्रो. डॉ ज्योति बक्शी के सान्निध्य में कथक की बारीकियों को आत्मसात कर सका। उन्होंने केवल तकनीक नहीं, बल्कि नृत्य के भीतर छिपे अध्यात्म, दर्शन और संवेदना को समझाया। कथक, गुरु के बिना अधूरा है, उसमें आत्मा तब ही आती है जब शिष्य समर्पण और अनुशासन के साथ गुरु की शरण में रहकर साधना करता है। आज भी, जब हम गुरुपूर्णिमा पर अपने गुरुओं का स्मरण करते हैं, यह केवल एक अनुष्ठान नहीं बल्कि ज्ञान की लौ को और आगे जलाने का, कला को भावी पीढ़ी तक ले जाने का एक संकल्प है। आज के आधुनिक युग में जहां डिजिटल माध्यम ने नृत्य सीखने के नए रास्ते खोल दिए हैं, वहीं यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम पारंपरिक गुरु-शिष्य परंपरा को बनाए रखें। क्योंकि कथक केवल वीडियो देखकर नहीं सीखा जा सकता, वह गुरु की आंखों के इशारे से, उनके स्पर्श से एवं उनकी मौन दृष्टि से सीखा जाता है। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर हम सभी कलाकारों को यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने गुरुओं की शिक्षाओं को आत्मसात करें, उनका यश आगे बढ़ाएं, और इस महान कला परंपरा को समर्पण, अनुशासन और प्रेम के साथ जीवित रखें।

गुरु को कोटिश:

डॉ. दीपक वर्मा

इंदौर बाजार भाव –

इंदौर। कमजोर आवकों के चलते बुधवार को मूंग में बाजार बड़त पर रहे। चना सुस्त बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में फलिहारी जिंसों में पूछपरख देखी गयी।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार आज इंदौर के बाज़ार में मूंग की आवक कमजोर रहने से इसके भावों में ?100-150 प्रति क्विंटल का जोरदार उछाल देखा गया। खरीदारी बढ़ने से मूंग के दाम तेज़ी पर रहे। इसके उलट, चना का बाज़ार आज शांत रहा और इसमें कोई खास हलचल देखने को नहीं मिली। खाद्य तेलों में भी आज व्यापार ठंडा ही रहा, लेवाली कम होने से कारोबार की मात्रा सामान्य से कम रही। हालाँकि, तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा और इसके भावों में बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, किराना जिंसों में फलिहारी जिंसों की पूछपरख अच्छी बनी रही, जिससे इन वस्तुओं में व्यापार बढ़िया रहा। भाव इस प्रकार रहे =-

किराना - शक्कर 4080-4100, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारि?क 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 950-1200, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल - सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2210, सोया साल्वेंट 1100-1110, सोया रिफाइंड 1160-1170, कपास्या 1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1350-1360, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1200,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 6400-6600, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4300-4350, टोली (महुआ बीज) 4350-4500, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7000-7100, पाला 7200-7300, चमकी 7300-7400, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल - चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा - इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार –

इन्दौर। बुधवार को इंदौर के सर्राफा बाज़ार में सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली। भाव इस प्रकार रहे - चाँदी (9999) 107300, चाँदी (99) 107200, टंच 106400, सिक्का 1100, सोना 10 ग्राम 96750,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 85.71 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से रुपया शुरुआती कारोबार में 22 पैसे चढ़कर 85.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। परिवार में किसी सदस्य से आपके कहासुनी हो सकती है। आप अपने बिजनेस में चार चांद लगाएंगे, क्योंकि आपके मन में काम को लेकर नए-नए विचार आएंगे। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपके कुछ नया करने के प्रयास काफी बेहतर रहेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती से भरा रहने वाला है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। आप अपने घर के लिए कुछ नई चीजों के खरीदारी कर सकते हैं। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिल, तो आप उससे बिल्कुल पीछे न हटे।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप अपने अधूरे पड़े कामों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे, लेकिन आपको काम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी समय निकालना होगा। बिजनेस के किसी काम को लेकर आप कहीं बाहर जा सकते हैं। आप अपने आस-पड़ोस में किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचें। आपको कुछ काम को लेकर चिंता चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में आपसी तालमेल बना रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। संपत्ति संबंधित मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपने काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको किसी से काम को लेकर कोई बातचीत करनी है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

सिंह - आज का दिन आपके लिए धन के मामले में बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि आपका डूबा धन आपको मिल सकता है। किसी छोड़ी गई नौकरी का ऑफर आने की संभावना है, लेकिन फिलहाल पुरानी में ही टिके रहें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने न दें और आपको एक से अधिक स्त्रोतों से आय प्राप्त होने से आपका मन काफी खुश रहेगा, लेकिन आप अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या की भावना ना रखें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आप कुछ नया करने की कोशिश में लगे रहेंगे, जो लोग ऑनलाइन कार्य करते हैं, उन्हें कोई बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, लेकिन आप अपने खर्चों को लेकर योजना बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपके कामों से प्रसन्न होंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आप अपने लिए कुछ नए कपड़े, लैपटॉप आदि की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिस कारण आप किसी प्रॉपर्टी आदि की खरीदारी भी कर सकते हैं। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, वह आपको वापस मिल सकता है और आप मनचाहे खर्च भी करेंगे, जिससे आप जीवनसाथी के लिए भी कोई महंगा गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

धनु - आज का दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो वह उनके लिए अच्छी रहेगी। आपको भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। आपको किसी अजनबी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आपकी कुछ खास लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो बिजनेस में आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं।

मकर - आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अपने बॉस से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। जीवनसाथी को भी प्रमोशन मिलने की संभावना है। भाग्य के दृष्टिकोण से दिन बेहतर रहेगा। आप संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन भी ले सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार मिल सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धन को लेकर थोड़ा सावधानी बरतने के लिए रहेगा। किसी कानूनी मामले में आप लापरवाही बिल्कुल न करें। आपका कोई काम समय से पूरा न होने से समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको कहीं इन्वेस्टमेंट थोड़ा सोच समझकर करना होगा। आप किसी एक्सपर्ट की राय लेकर काम करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान दें। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मेल मुलाकात करने आ सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा, क्योंकि आपके विरोधी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। नौकरी में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आप किसी से कोई बात बहुत ही तोलमोल कर बोले। अच्छे भोजन का आप आनंद लेंगे, लेकिन आपको अपनी पेट संबंधित समस्याओं पर भी थोड़ा ध्यान देना होगा।

शब्दजाल - 7955

शब्दजाल में दस 'ग्रहों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

शनि,बुध,गुरु,शुक्र,चंद्र,मंगल,राहू, केतु, हर्षल,प्लूटो

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रु
चं	बा	शु	ऋ	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

शब्दजाल - 7954 का हल

आ	हु	मे	रि	द	इ	शी	श	म	ट	र्जी
को	म	क	ची	ड़	जी	ने	शि	दे	ड़	अ
ब	पी	जा	ह	र	ग	बा	द	व	प	शो
ला	ग	ए	ई	जा	भ	ब	ल	दा	लि	क
सा	ग	वा	न	जी	ह	ला	कि	र	प	म
पी	इ	वि	मो	ग	ब	र	ग	द	गी	स
ने	प	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	त
क	रि	ल	र	य	र	प	नी	म	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	गु	ल	मो	ह	र
बां	स	सा	ए	न	स	मे	व	क		ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6899

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6898

कु	बा	न		व	जू	द		आ	शा
र्बा		सी	मा		ही	र		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	श	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.53 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.09 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.21 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.47 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.03 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.27 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मेष	23.58 बजे से
		वृष	01.38 बजे से
		मिथुन	03.36 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 191 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा अहोरात्र। **योग** इन्द्र 21.38 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 13.56 बजे तदनन्तर बव 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872401 **जूलियन दिन** 2460866.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 14 **विशेष** कोकिला व्रत, व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सही चुनाव

एक राजा को अपने दरबार के किसी उत्तरदायित्वपूर्ण पद के लिए योग्य और विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश थी। उसने अपने आस-पास के युवकों को परखना शुरू किया। लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाया। तभी एक महात्मा का पदार्पण हुआ, जो इसी तरह यदा-कदा अतिथि बनकर सम्मानित हुआ करते थे। युवा राजा ने वयोवृद्ध संन्यासी के सम्मुख अपने मन की बात प्रकट की - 'मैं तय नहीं कर पा रहा हूँ। अनेक लोगों पर मैंने विचार किया। अब मेरी दृष्टि में दो हैं, इन्हीं दोनों में से एक को रखना चाहता हूँ।' 'कौन हैं ये दोनों?' 'एक तो राज परिवार से ही संबंधित हैं, पर दूसरा बाहर का है। उसका पिता पहले हमारा सेवक हुआ करता था, उसका देहांत हो गया है। उसका यह बेटा पढ़ा-लिखा सुयोग्य है।' 'और राज परिवार से संबंधित युवक? उसकी योग्यता 'मामूली है।' 'आपका मन किसके पक्ष में है?' 'मेरे मन में द्वंद्व है, स्वामी!' 'किस बात को लेकर?' 'राज परिवार का रिश्तेदार कम योग्य होने पर भी अपना है, और. . .' 'राजन! रोग शरीर में उपजता है तो वह भी अपना ही होता है, पर उसका उपचार जंगलों और पहाड़ों पर उगने वाली जड़ी-बूटियों से किया जाता है। ये चीजें अपनी नहीं होकर भी हितकर होती हैं।' राजा की आँखों के आगे से धुंध छँट गई। उसने निरपेक्ष होकर सही आदमी को चुन लिया।

सूडोकु नवताल- 7208

★☆☆☆☆ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7207 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 8423

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोंम -2

शब्द पहेली -8422 का हल

झ	न्डा		ते		प		श	क
र		दा	ल		री	ता		ल
ना	खु	दा		पा		रा	इ	मा
	श		अ	ला	वा		न्द्र	
ब	ग	दा	द		स	म	ध	न
	वा		द	ल	ना		नु	
ग	र	म		क्ष		ऋ	ष	भ
र		स्त	र		कृ	षि		ला
ल	ब		क्षा		मि		ता	ई

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेंसेक्स 176.43, निफ्टी 46.40 अंक टूटा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 176.43 अंक टूटकर 83,536.08 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 46.40 अंकों की गिरावट के साथ ही 25,476.10 अंकों पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बह बयान है जिसमें उन्होंने कहा है कि एक अगस्त से टेरिफ लगाया जाएगा। इससे निवेशकों ने सतर्कता बरती जिससे घरेलू बाजार पर दबाव आया। आज सुबह भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और ये सिलसिला दिन भर जारी रहा।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये जबकि शेष 17 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए । इसी प्रकार 50 शेयरो वाले एनएसई निफ्टी की 21 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए शेष 29 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.40 फीसदी उछले जबकि एचसीएल टेक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.03 फीसदी गिरे।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.26 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.90 फीसदी, पावरग्रिड 0.62 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.57 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.49 फीसदी, आईटीसी 0.48 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.45 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.36 फीसदीकी तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं टाटा स्टील के शेयरों में 1.76 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.39 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.28 फीसदी, बीईएल 1.01फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, एलएंडटी 0.66फीसदी, टीसीएस 0.65 फीसदी, ट्रेंट 0.61 फीसदी, भारती एयरटेल 0.51 फीसदी, सनफार्मा 0.50 फीसदी, नीचे आये। आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स स्थिर रहा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। वहीं क्षेत्रीय स्तर पर, एफएमसीजी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि मेटल और रियल्टी में एक-एक फीसदी से अधिक की गिरावट आई। जियो का आईपीओ 2025 से आगे खिसकने से रिलायंस के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट आई। ट्रंप के भारत के लिए प्रमुख निर्यात श्रेणी, फार्मास्यूटिकल्स के आयात पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से भी बाजार नीचे आया है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स आज सुबह 90 अंक के करीब नीचे आकर 83,625.89 अंक पर खुला। सुबह यह 114.39 अंक करीब 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 83,598.12 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी हल्की गिरावट के साथ ही 25,514.60 अंक पर खुला।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई इंडेक्स 0.18 फीसदी ऊपर आया जबकि टोपिक्स इंडेक्स में 0.19 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 0.19 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.59 फीसदी गिरा। निवेशक अब चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं। इसमें जून महीने की महंगाई और उत्पादक मूल्य शामिल है। जून में चीन की उपभोक्ता महंगाई 0.10 फीसदी रही, जबकि मई में यह 0.10 फीसदी की गिरावट पर थी। हालांकि, उत्पादक कीमतों में सालाना आधार पर 3.6 फीसदी की गिरावट आई, जो अनुमानित 3.2 फीसदी से ज्यादा और मई की 3.3 फीसदी गिरावट से भी गहरी रही। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट में बाजार स्थिर बने रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.07 फीसदी नीचे आकर 6,225.52 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.03 फीसदी ऊपर आकर 20,418.46 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 44,240.76 पर बंद हुआ।

एप्पल के नए सीओओ होंगे भारतीय मूल के सबीह खान, सीईओ ने की तारीफ

क्यूपर्टिनो। आईफोन मेकर एप्पल ने ऐलान किया है कि कंपनी में 30 सालों से काम करने वाले भारतीय मूल के सबीह खान अब एप्पल के नए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) होंगे। सबीह खान एप्पल में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ इस साल रिटायर हो रहे हैं। यह नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल को आईफोन की बिक्री में गिरावट और टैरिफ संबंधी समस्याओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें जेफ विलियम्स 27 सालों से एप्पल के साथ हैं। वे अब अपने रिटायरमेंट तक कंपनी की डिजाइन टीम और परियोजनाओं का नेतृत्व करते रहेंगे। इसके बाद, एप्पल की डिजाइन टीम सीधे सीईओ टिम कुक को रिपोर्ट करेगी। कुक ने विलियम्स के काम की प्रशंसा की और उन्हें एप्पल की सफलता में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया। उन्होंने विलियम्स को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सप्लाई चेन में से एक बनाने, एप्पल वॉच लॉन्च करने, कंपनी की रणनीति को आकार देने और जुनून और प्रतिबद्धता के साथ डिजाइन टीम का नेतृत्व करने का श्रेय दिया। बता दें सबीह खान 2019 में एप्पल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कंपनी की ग्लोबल सप्लाई चेन के प्रबंधन और खरीद एवं विनिर्माण की देखरेख में अहम भूमिका निभाई है। नए सीओओ के रूप में खान एप्पलकेयर की देखरेख सहित और भी जिम्मेदारियां संभालने की उम्मीद है। कुक ने खान की तारीफ करते हुए कहा कि सबीह एक शानदार रणनीतिकार और एप्पल की सप्लाई चेन के प्रमुख हैं। उन्होंने एडवांस मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी को पेश करने, संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्पल के उत्पादन का विस्तार करने और कंपनी को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मजबूत और फ्लेक्सिबल बनाने में मदद की है। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब एप्पल अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने की रणनीति के तहत अपने कुछ मैन्युफैक्चरिंग कामों को चीन से भारत स्थानांतरित करने पर काम कर रहा है।

नगर में आज धूमधाम से मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के प्रतीक पवित्र पर्व गुरु पूर्णिमा को लेकर लांजी नगर व क्षेत्र में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 10 जुलाई, गुरुवार को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। नगर व क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों, मंदिरों, मठों और आश्रमों में इस अवसर पर विशेष आयोजन किए जाएंगे, जिसमें शिष्य अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

गुरु पूर्णिमा की तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई 2025 को रात 1ः37 बजे शुरू होगी और 11 जुलाई को रात 2ः07 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर यह पर्व 10 जुलाई को मनाया जाएगा। इस दिन विशेष शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4ः10 से 4ः50 बजे), अभिजीत मुहूर्त (दोपहर 11ः59 से 12ः54 बजे), और विजय मुहूर्त (दोपहर 2ः45 से 3ः40 बजे) शामिल हैं। इस दिन भद्रा का प्रभाव नहीं होगा, जिसके कारण पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्य निर्बाध रूप से किए जा सकेंगे।

नगर में उत्साह का माहौल

लांजी नगर व क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों, मठों और आश्रमों में गुरु पूर्णिमा के लिए तैयारियां की गई हैं। स्थानीय मंदिरों में गायत्री शक्तिपीठ और कोटेश्वर महादेव मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर घोटी घुसमारा मंदिर में महर्षि वेदव्यास की पूजा-अर्चना के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस पर्व को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्हें आदि गुरु माना जाता है। उन्होंने वेदों का विभाजन, महाभारत और अठारह पुराणों की रचना कर सनातन धर्म को अमूल्य धरोहर प्रदान की।

विद्यालयों में विशेष आयोजन

नगर व क्षेत्र के विद्यालयों में भी गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। स्कूलों में शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें छात्र अपने गुरुओं को उपहार, फूल, और कार्ड भेंट करेंगे। कई स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविता पाठ, और गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। शिक्षक इस अवसर पर छात्रों को जीवन में ज्ञान, नैतिकता, और अनुशासन के महत्व के बारे में प्रेरणादायक संदेश देंगे। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह सिखाता है कि गुरु के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षक न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। इस दिन बच्चे अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जो इस परंपरा को और मजबूत करता है।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। बौद्ध धर्म में इस दिन को भगवान बुद्ध के पहले उपदेश के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जो उन्होंने सारनाथ में दिया था। जैन धर्म में भगवान महावीर और उनके शिष्य गौतम स्वामी के प्रति सम्मान प्रकट किया जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य, और व्रत का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान और पूजा से साधक को आध्यात्मिक उन्नति और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। ज्योतिषीय दृष्टिकोण से, इस दिन गुरु ग्रह (बृहस्पति) की पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर गुरु और सूर्य की युति मिथुन राशि में होने से गुरु आदित्य राजयोग बनेगा, जो भक्तों के लिए शुभ फलदायी रहेगा।

वन ग्राम पांढरी, खराड़ी में विशेष ग्राम सभा का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत खाण्डाफरी के सुदूर वन ग्राम पांढरी, खराड़ी में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में थाना प्रभारी बहेला राजकुमार रघुवंशी, सभापति दिनेश लाड़े, सरपंच राजू सोयाम, सरपंच गणेश बागड़े, उपसरपंच ज्ञानीराम पन्द्रे, सचिव मातरे, सहायक सचिव राजू मर्सकोले के अतिरिक्त बहुतायत में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सभा का मुख्य उद्देश्य धरती आबा योजना के तहत वंछित ग्रामीणों को उनके अधिकार दिलाना जिनमें वनाधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत वन भूमि पर काबिज लोगो को वनाधिकार पट्टा प्रदान करना इस हेतु दावे स्वरूप आवेदन आमंत्रित किये गये। इसके साथ जिन ग्रामीण जनों के आधार, जाति प्रमाण पत्र एवं जन्म प्रमाण पत्र नही बन पाये है उन्हे इस आम सभा शिविर के माध्यम से आवेदन प्राप्त किये गये। वन मित्र पोर्टल पर दर्ज आवेदनों का जल्द निराकरण भी किया जायेगा। वहीं ग्रामीणो ने उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रखते हुये बताया कि ग्राम में आवागमन हेतु पक्की सड़क ना होने से मुख्यालय से संपर्क टूट जाता है। दुसरी ओर स्वास्थ्य सेवाऐं भी उक्त ग्रामो में नगण्य रहती है। यदि पांढरी, खराड़ी, कादला में एक छोटा उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्मित हो जाये तो ग्रामीणो के लिये स्वास्थ्य सेवा या लाभ लेना सुलभ हो जायेगा। हसके अलावा भी छोटी बडी समस्या से सभा को अवगत कराया गया। जहां जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के द्वारा कहा गया कि आप लोगो को समस्याओं का जल्द निराकरण करने की कोशिश की जावेगी वहीं स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करते को लेकर कहा कि उच्चस्तर पर आयोजित होने वाली बैठक मे यह मांग रखी जायेगी। दुसरी ओर ग्रामीणो ने पेयजल व्यवस्था भी सुचारू ना होने से नाराजगी जाहिर की है।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में आज गुरु पूर्णिमा पर्व पर तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व पर आज 10 जुलाई दिन गुरुवार को बड़े उत्साह से मनाया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि कार्यक्रम सुबह 8 बजे से तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार, साधना अनुष्ठान एवं पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न होगा। इस अवसर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। जिला प्रभारी पुष्पेश्वर पिछोड़े द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जाएंगा। घनश्याम खोंगल सेवा निवृत्त शिक्षक लांजी के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा सभी परिजनों से गुरू पूर्णिमा पर्व पर शामिल होकर सहयोग करने और पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

शांति बाई दहिकर का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम मनेरी निवासी स्व. सहंगू जी दहिकर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई दहिकर का 92 वर्ष की उम्र में 9 जुलाई को शाम 5ः00 बजे बालाघाट में निधन हो गया है। आप अपने पीछे तीन पुत्र एवं एक पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। इनका अंतिम संस्कार आज 10 जुलाई 2025 दिन गुरुवार को सुबह 11ः00 बजे बालाघाट के मोक्ष धाम में किया जाएगा। इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार को गहन दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

पीएम आवास योजना की किश्त प्राप्त नहीं होने से हितग्राही हो रहें परेशान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। केन्द्र सरकार की अति महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना जिसने देश के प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को उनका सपना साकार करते हुये उन्हे पक्के मकान की सौगात दी। नगरीय क्षेत्र हो या ग्रामीण क्षेत्र प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ करोड़ो लोगो ने लिया है। लांजी जनपद क्षेत्र के अन्तर्गत भी हजारो हितग्राही है जिनको प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ प्राप्त हुआ है। लेकिन वर्तमान में इसी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितगाहियों को किश्तें प्राप्त नही हो पा रही है जिसके चलते अव्वल तो उनके मकान का काम रूका पड़ा हुआ है, वहीं अनेकों परेशानी का सामना भी हितग्राहियों को करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी जनपद पंचायत के अन्तर्गत 527 ऐसे आवास है जो कि निर्माणाधीन है जिन्हे पीएम आवास की किश्तें प्राप्त नही हुई है। पात्र हितग्राहियों ने यह भी बताया कि कुछ कुछ लोगो को पहली किश्त तो प्राप्त हो गई है लेकिन दुसरी एवं तीसरी किश्त अप्राप्त है। जिसके चलते हम लोगो ने दुकानों से उधारी करके सामग्री तो क्रय कर ली है तथा दुकानदारों से कहा है कि किश्त आने पर उधारी रकम चुका दी जायेगी लेकिन समय पर किश्त नही आने के चलते हम झूठे पड़ रहे है। दुकानदार भी कब तक हम लोगो को रियायत देगा। हमारा मनाना है कि सरकार इस विषय पर ध्यान दे और पीएम आवास की किश्ते जारी करे ताकि हम लोग अपने अपने आशियाने में रहने जा सके।

कुछ हितग्राही ऐसे भी जिनको पूर्ण किश्त प्राप्त होने के बाद भी आशियाने अधुरे

जनपद पंचायत लांजी क्षेत्र अन्तर्गत जहां पीएम आवास के हितग्राही दुसरी और तीसरी किश्तों का इंतजार कर रहे है वहीं लांजी क्षेत्र में ऐसे सैकड़ो हितग्राही होंगे जिन्हाने पीएम आवास योजना का लाभ लेते हुये पूर्ण किश्ते प्राप्त कर चुके है उसके बाद भी इनके आशियाने अधुरे है। यह प्रकार से सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर धोखाधड़ी करना है। जिनके द्वारा लाखो रूपये सरकारी मद से प्राप्त कर लिये गये है लेकिन उस रकम के निमित्त आवास निर्माण नही किये गये है। जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारियों को इस विषय में संज्ञान लेते हुये वे सभी आवासों को पूर्ण कराना चाहिये जिन्होने पूर्ण रूप से योजना का लाभ प्राप्त कर चुके है। और यदि कोई हितग्राही जानबुझकर आवास निर्माण नही कर रहा है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिये। वहीं जनपद पंचायत लांजी को उक्त संपूर्ण मामले को समीक्षा बैठक आयोजित की जानी चाहिये और यह सुनिश्चत किया जाये कि ऐसे कितने हितग्राही जनपद क्षेत्र में है जो कि आवास निर्माण का पूर्ण लाभ प्राप्त कर चुके है लेकिन आवास निर्माण अधुरा है।

कोटेश्वर धाम में कल से 30 दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामचरित मानस पाठ

मानस यात्रा के साथ प्रारंभ होगा भव्य अखण्ड रामचरित मानस पाठ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्मनगरी लांजी में श्रावण मास के पावन अवसर पर गुरू पूर्णिमा पर्व से ही विविध धार्मिक आयोजन प्रारंभ हो जाते है। श्रावण मास पर कावंड यात्रा, रूद्राभिषेक सहित जगह जगह अखण्ड रामायण पाठ, सुन्दर काण्ड सहित विविध धार्मिक आयोजन देवालयों, शिवालयों में आयोजित किये जाते है। इसी धार्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत कोटेश्वर धाम में एक अद्भुत भव्य 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा 11 जुलाई से आयोजित किया जा रहा है जिसका समापन 10 अगस्त को कोटेश्वर धाम में महाआरती एवं महाप्रसाद के साथ किया जायेगा। एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने बताया कि यह 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ विश्व शांति की मंगलकामना हेतु किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत 11 जुलाई को गायत्री शक्ति पीठ लांजी से मानस यात्रा प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर दादा कोटेश्वर धाम लांजी तक आयोजित होगी। अगले क्रम में देव आव्हान एवं पीठ पूजन प्रातः 10 बजे व्यास पीठ स्थल दादा कोटेश्वर धाम लांजी, मंचीय कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से, भगवान भोलेनाथ एवं श्रीराम जी की स्तुति पश्चात श्री रामचरित मानस पाठ प्रारंभ दोपहर 2 बजे से, अतिथि गणो के द्वारा बेलवन में 108 बिल्व पत्र पौधारोपण किया जायेगा। सभी दिवस अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन होगा तथा अंतिम दिनों में शानिवार 9 अगस्त 2025 को पंच कुण्डीय हवन स्तुति दोपहर 2 बजे से, महा आरती एवं श्रीराम चरित मानस पाठ विश्रांति। 10 अगस्त को प्रातः 6 बजे से 108 पार्थिव शिवलिंग महारूद्राभिषेक पूजन एवं महाआरती उद्बोधन एवं मार्गदर्शन प्रातः 11 बजे से एकल अभियान संच के अखिल भारतीय अतिथियों के द्वारा, अंत में दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल के मुख्यातिथ्य में मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ

उक्त 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का 11 जुलाई को कोटेश्वर धाम में मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1 बजे किया जायेगा। जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य वक्ता के रूप में श्रीरंग देवरस विभाग संचालक सिवनी सहित आमंत्रित अतिथियों उपस्थिती में कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। इसके साथ ही संच के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। सभी के द्वारा मंचीय कार्यक्रम के पश्चात 108 बिल्व पत्र के पौधो का रोपण किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील एकल अभियान संच के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे एवं पदाधिकारियो के द्वारा की गई है।

आमगांव मार्ग पर बने उच्चस्तरीय पुलियाओं की पहली बारिश में खुली पोल

दुर्घटनाओं का बना है अंदेशा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी आमगांव मार्ग पर दहेगांव सिंगोला एवं सिंगोला कारंजा के बीच दो बडे उच्चस्तरीय पुल का निर्माण करोड़ो रूपयो की लागत से किया गया है लेकिन पहली ही बारिश में उक्त निर्माण कार्य की पोल खुल चुकी है। विगत 2 जुलाई को दहेगांव सिंगोला मार्ग पर स्थित पुल के एप्रोच मार्ग पर एक बड़ा सा गड्ढा हो गया जो कि निश्चित रूप से दुर्घटना को आमंत्रण देता हुआ दिखाई दे रहा है। वर्तमान में विभाग के द्वारा या निविदाकार के द्वारा उक्त गड्ढे को गिट्टी से भरा गया है तथा बाकि गिट्टी वहीं छोड दी गई है जो कि रात्रि में सहज रूप से दिखाई नही देती है। इसी घटना में रैलिंग भी क्षतिग्रस्त हुई थी लेकिन वर्तमान में रैलिंग उक्त स्थान से गायब हो गई है। यह भी एक बडी दुर्घटना को आंमत्रित कर रहा है क्योंकि रात्रि के समय यदि पुल पर रैलिंग नही दिखाई देगी तो निश्चित रूप से दुर्घटना घट सकती है। वंही वर्तमान में भारी बारिश का दौर प्रारंभ है सेसे में सही ढंग से सड़के तक दिखाई नही देती तो क्या पुल के एप्रोच मार्ग पर पड़ा गड्ढा आसानी से दिख जायेगा, या रैलिंग नही होने दुर्घटनाऐं घटित हो सकती है। सेतु निगम विभाग को उक्त विषय को संज्ञान में लेते हुये अतिशिघ्र सुधार कार्य करना चाहिये। वहीं सिंगोला कारंजा मार्ग पर स्थित एप्रोच मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो चुका है यहां भी एप्रोच मार्ग पर बडा गड्ढा हो चुका है तथा रैलिंग भी खराब हो चुकी है। लेकिन अब तक विभाग के द्वारा इस विषय को गंभीरता से नही लिया गया है। जबकि निविदाकार एवं विभाग का कार्य है कि अतिशिघ्र उक्त दोनो पुल पर सुधार कार्य किया जाना चाहिये।

अब तक निर्माण कार्य सूचना बोर्ड नही लगाया गया

उक्त दोनो ही पुल सुन्दरानी कन्स्ट्रक्शन के द्वारा करोड़ो रूपयो की लागत से निर्मित किया गया है। लेकिन जब से इस पुल का निर्माण किया गया है तब से उक्त कार्य का सूचना बोर्ड निविदाकार के द्वारा नही लगाया गया है। विभाग के द्वारा भी निविदाकार को बोर्ड लगाये जाने हेतु निर्देशित नही किया गया ऐसा मालूम होता है। यदि किया जाता तो निश्चित रूप से उक्त दोनो ही निर्माण कार्यो के सूचना बोर्ड्, लागत, कार्य की रूपरेखा, किस गुणवत्ता के साथ निर्माण होना है यह सभी ज्ञात होता जो कि वर्तमान में सूचना बोर्ड नही होने से अज्ञात है। दोनो ही पुल के एप्रोच मार्ग पर गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य किये जाने के आरोप ग्रामीण जनों के द्वारा लगाये गये है।

श्रीमती पूर्णिमा उरकुडे पंचतत्व में विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दिव्यांग जन कल्याण संघ, भानेगांव मध्यप्रदेश की सदस्या और दिव्य ज्योति पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती पूर्णिमा ताराचंद उरकुडे सेवा निवृत्त नर्स आयु 97 वर्ष का 9 जुलाई को सुबह लगभग 9.30 बजे निधन हो गया है। जिनका अपराह्न 3 बजे मोक्षधाम भानेगांव में अंतिम संस्कार किया गया। पूर्णिमा जी ने दिव्यांगजनों एवं अन्य सामाजिक क्षेत्र में कल्याण और उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उनका कार्य, उनकी निष्ठा और उनका अदम्य उत्साह हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। उन्हें दिव्य ज्योति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना उनके असाधारण योगदान का प्रमाण था। उनके जाने से दिव्यांग जन कल्याण संघ और पूरे समाज को एक अपूरणीय क्षति हुई है। हम इस दुखद घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को यह असहनीय दुःख

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कैम्पा निधि के अंतर्गत 1038 करोड़ रूपये के उपयोग की स्वीकृति

विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नवीन नियमित पदों की स्वीकृति : 66 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थापना और 134 पदों के सृजन की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैम्पा निधि) के लिए वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्य आयोजना (Annual Plan of Operation) में अनुमोदित कार्यों के क्रियान्वयन के लिए 1478 करोड़ 38 लाख में से 1038 करोड़ रूपये के उपयोग की स्वीकृति दी गयी। इस राशि का 80 प्रतिशत वन एवं वन्यप्राणी प्रबंधन एवं 20 प्रतिशत वन और वन्यजीव संबंधी अधोसंरचना के सुदृढीकरण पर व्यय किया जाता है।

स्वीकृति अनुसार मध्यप्रदेश में विगत वर्षों के कार्यों के रख-रखाव, क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, लैण्डस्केप के आधार पर बिगड़े वनों का सुधार, नदियों के पुनर्जीवन के लिए उनके जलग्रहण क्षेत्र के वनीकरण, मृदा एव जल संरक्षण के कार्य, ग्रामीणों की आजीविका के लिए ग्रामों की सीमा से लगे वनक्षेत्रों में बांस प्रजाति सहित वृक्षारोपण, वन्यप्राणी संरक्षित क्षेत्रों के गांवों से स्वैच्छिक विस्थापन, बफर क्षेत्र सहित संरक्षित क्षेत्रों में रहवास का विकास, नगर वनों की स्थापना, वन एवं वन्यप्राणी संबंधी अधोसंरचना सुदृढीकरण और ग्रामीणों की क्षमता विकास से संबंधित कार्य किये जायेंगे।

66 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थापना और 134 पदों के सृजन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 66 नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार 66 आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 66 पद (मानसेवी), आंगनबाड़ी सहायिका के 66 पद (मानसेवी) तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 02 पद नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500 के सृजन की स्वीकृति दी गयी।

वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक योजना पर राशि का व्यय भारत सरकार द्वारा प्राप्त स्वीकृति के अनुसार किया जायेगा। उल्लेखित अवधि में योजना पर 15 करोड़ 21 लाख रूपये का व्यय अनुमानित है, जिसमें केन्द्रांश राशि 9 करोड़ 55 लाख रूपये एवं राज्यांश राशि 5 करोड़ 66 लाख रूपये है।

लेक व्यू रेसीडेंसी होटल भोपाल के विकास के लिए अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा लेक व्यू रेसीडेंसी होटल भोपाल को डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन, हस्तांतरण (DBFOT) के आधार पर जन-निजी भागीदारी (PPP) के अंतर्गत होटल का विकास, संचालन एवं रखरखाव और प्रबंधन के लिए निजी निवेशक के पक्ष में मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (MPST-DC)/ मध्यप्रदेश होटल कार्पोरेशन लिमिटेड (MPHCL) द्वारा निष्पादित की जाने वाली लीज पर भारित पंजीयन व मुद्रांक शुल्क की प्रतिपूर्ति पर्यटन विभाग के विभागीय बजट से निजी निवेशक को किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नवीन नियमित पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की संगठनात्मक सरंचना में सृजित किये जाने वाले 49 हजार 263 नवीन पद सहित कुल 77 हजार 298 पदों के संगठनात्मक संरचना की सृजन की स्वीकृति दी गई। नियमित पदों के सृजन के फलस्वरूप पूर्व स्वीकृत पदों में से 17 हजार 620 अनुपयोगी पद समाप्त किए गए हैं व डाइंग कैडर में 5650 पदों पर कार्यरत कार्मिकों के सेवानिवृत्ति और त्यागपत्र आदि के बाद ये पद भी समाप्त किए जायेंगे। कंपनियों द्वारा सीधी भर्ती के लिए पदों की गणना करते समय इन पदों को संज्ञान में रखा जाएगा। विद्युत वितरण कंपनियों में संविदा आधार पर कार्यरत कार्मिक, निर्धारित आयु सीमा के पूर्ण होने अथवा नियमित सीधी भर्ती के पद पर चयनित होने तक कार्य कर सकेंगे। कंपनियों द्वारा नियमित पदों पर सीधी भर्ती के रिक्त पदों की गणना करते समय समकक्ष पद पर तत्समय कार्यरत संविदा कार्मिक की संख्या को घटाकर शेष रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की जा सकेगी। वितरण कंपनियों को संगठनात्मक संरचना के अनुरूप कार्मिकों की समय-समय पर भर्ती के लिए ऊर्जा विभाग को अधिकृत किया गया है।

ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के अंतर्गत रबी विपणन वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति एवं रबी विपणन वर्ष 2024-25 में लक्ष्य से अधिक उपार्जित ग्रीष्म मूंग की स्वीकृति प्रदाय की गई है। साथ ही ग्रीष्मकालीन वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में मूंग एवं उड़द का पंजीकृत कृषकों से उपार्जन, राज्य उपार्जन एजेंसी म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया है।

कृषकों की सिंचाई जलकर की राशि मे से ब्याज राशि माफ किए जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के समस्त कृषकों की सिंचाई जलकर की राशि मे से ब्याज राशि (शास्ति दण्ड) माफ किए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय-अनुसार यदि कृषक 31 मार्च 2025 तक की कुल बकाया राशि (सिंचाई जलकर) की मूल राशि 31 मार्च 2026 तक एक साथ जमा करते है तो ब्याज की राशि माफ कर दी जायेगी। इस तरह लगभग 84 करोड़ 17 लाख रूपये की ब्याज राशि शासन द्वारा माफ कर दी जायेगी। 31.3.2025 की स्थिति में कृषकों पर सिंचाई जलकर की अवशेष राशि 647 करोड़ 67 लाख रूपए बकाया है। जिसमे मूल राशि 563 करोड़ 29 लाख रूपए एवं ब्याज राशि 84 करोड़ 17 लाख रूपए है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 में 45 करोड़ 58 लाख रूपए, वर्ष 2023-34 में 36 करोड़ 98 लाख रूपए और वर्ष 2024-25 में 35 करोड़ 43 लाख रुपए का सिंचाई राजस्व मिला है।

3 नवीन राजस्व संभागों में क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना एवं चार नव गठित जिलों के लिये सात सहायक संचालक के पद निर्माण की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा संचालनालय, स्थानीय निधि संपरीक्षा के अन्तर्गत 3 नवीन राजस्व संभागों नर्मदापुरम, चम्बल एवं शहडोल में क्षेत्रीय कार्यालय स्थानीय निधि संपरीक्षा खोलने एवं चार नवगठित जिलों निवाडी, मैहर, मऊगंज एवं पाढुर्णा के लिये सम्मिलित रूप से कुल 07 सहायक संचालक के पद के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह निर्णय पंचायतराज संस्थाओं के लेखों की संपरीक्षा को नियत समय सीमा में पूर्ण करने और उत्तरोत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

मंत्रि-परिषद द्वारा एमपीपीएमसीएल द्वारा प्रदेश में दीर्घकालीन ताप विद्युत क्रय हेतु जारी निविदा में इंगित विद्युत विकासकों अथवा उनकी पश्चातवर्ती कंपनी के साथ पूर्व में मात्र वेरियेबल दर पर (5 या 10 प्रतिशत) विद्युत के क्रय के लिए निष्पादित विद्युत क्रय अनुबंध को समाप्त किये जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार समस्त अनुबंधों के विकासकों से विद्युत क्रय अनुबंध अंतर्गत प्री-इस्टीमेटेड लिक्विडेटेड डेमेजेज (10 लाख रूपये प्रति मेगावाट) की राशि की वसूली की जाएगी। इस राशि के जमा होने के पश्चात ही विकासकों की जमा बैंक गारंटी 3 लाख रूपये प्रति मेगावाट वापस की जाएगी। उपरोक्त श्रेणी के विकासकों से समाप्त किए गए विद्युत क्रय अनुबंध अंतर्गत को भी विशेष रूप से समाप्त एवं निरस्त किया जाएगा।साथ ही ऐसे विकासक, जो अपनी ऊर्जा उत्पादन का, शतप्रतिशत एमपीपीएमसीएल को उपलब्ध नहीं कराएंगे, उन पर अनुबंध अनुसार यथावत लागू होंगे।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा भारतीय स्टांप (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2025 का अनुमोदन दिया गया है। अनुमोदन अनुसार मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में कतिपय संव्यवहारों पर देय शुल्क के संबंध में विशिष्ट प्रावधान किये जायेंगे। इससे लगभग 212 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त होगा।

कांग्रेस विधायक साहब सिंह गुर्जर के खिलाफ शिकायत

भोपाल। अशोकनगर में कांग्रेस द्वारा आयोजित न्याय सत्याग्रह कार्यक्रम में कांग्रेस के ग्वालियर ग्रामीण से विधायक साहब सिंह गुर्जर द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी और अनगर्ल शब्दों का प्रयोग करने के खिलाफ भोपाल के टी टी नगर थाने में भाजयूमो के पूर्व महामंत्री नितिन परिहार ने शिकायत करते हुए कांग्रेस विधायक के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। भाजयूमो के पूर्व जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन परिहार ने अपनी शिकायत में बताया की 8 जुलाई को पुरानी मंडी परिसर अशोकनगर में न्याय सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

बैंककर्मी हड़ताल पर...बैंकों की 400 शाखाओं में कामकाज ठप

भोपाल। अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर मप्र के करीब 40 हजार बैंककर्मी बुधवार को हड़ताल रहे। इससे प्रदेश की करीब साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ा है। राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, विदेशी, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए हैं। इससे बैंकों का कामकाज ठप रहेगा। भोपाल में भी हड़ताल का असर देखने को मिल रहा है। यहां विभिन्न बैंकों की 400 शाखाएं हैं। जहां 5 हजार अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए हैं। इस कारण इन शाखाओं में कामकाज ठप है।

ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का समर्थन करते हुए बैंकिंग उद्योग एवं बैंककर्मियों की मांगों को लेकर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आह्वान किया है। जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की मांगों को लेकर यह हड़ताल की गई है।

इन मांगों को लेकर हड़ताल

ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा के प्रवक्ता वीके शर्मा ने बताया कि केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, अपनी 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए यह राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल की जा रही है। कर्मचारियों की मांग है कि केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का निराकरण किया जाए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों को मजबूत करें। बैंकों और एलआईसी में निजीकरण और विनिवेश रोके। बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई बढ़ोतरी रोका जाए। सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई के रूप में विलय करें। पर्याप्त भर्तियां सुनिश्चित करें। आउटसोर्सिंग और अनुबंध नौकरियों को रोके। एनपीएस को खत्म करें, ओपीएस को बहाल करें। कॉर्पोरेट्स से खराब ऋण वसूलने के लिए कड़े कदम उठाएं। आम ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम करें।

तबादले के बाद जॉइन नहीं किया तो होंगे सस्पेंड

पीडब्ल्यूडी ने किया इंजीनियर को निलंबित, दूसरे विभागों ने भी शुरू की सख्ती

भोपाल। तबादले के बाद भी नई पदस्थापना स्थल पर जॉइन न करने वाले अफसरों, कर्मचारियों पर राज्य सरकार ने सख्ती शुरू कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इंजीनियर रविशंकर चौकसे को तबादला आदेश के बाद नए पदस्थापना स्थल पर जॉइन न करने पर सस्पेंड कर दिया है। साथ ही सभी स्थानांतरित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि अगर जल्दी ही जॉइन नहीं किया तो ऐसे कर्मचारी अधिकारी सस्पेंड किए जाएंगे। इंजीनियर चौकसे सहायक यंत्री केवलारी जिला सिवनी से सहायक यंत्री मुख्य अभियंता कार्यालय सागर के लिए स्थानांतरित किए गए थे लेकिन अब तक उन्होंने जॉइनिंग नहीं दी, इसलिए वे सस्पेंड किए गए। चौकसे के निलंबन आदेश के साथ लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्देश जारी कर कहा गया है कि जिन उपयंत्री, सहायक यंत्री, कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री और अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने तबादला आदेश जारी होने के बाद अब तक नई पोस्टिंग वाले स्थान पर जॉइन नहीं किया है, वे सस्पेंड किए जाएंगे। प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग से ऐसे इंजीनियरों और कर्मचारियों की सूची तलब की गई है।

ये विभाग एकतरफा कर चुके रिलीव

राजस्व विभाग ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों के तबादले के बाद समय पर नए पोस्टिंग स्थल पर नहीं जॉइन करने की स्थिति को देखते हुए एकतरफा रिलीव कर दिया था। इसी तरह के निर्देश पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग भी जारी कर चुका है। इसके पहले मंगलवार को भोपाल पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आठ पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड किया जा चुका है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा को यह जानकारी मिली थी कुछ पुलिसकर्मियों ने तबादला होने के बाद भी तय समय- सीमा में नए पोस्टिंग स्थल पर ज्वॉइनिंग नहीं दी है। इस पर उन्होंने डीसीपी मुख्यालय श्रद्धा तिवारी को तबादला आदेश न मानने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। फिर डीसीपी मुख्यालय ने तत्काल प्रभाव से उपनिरीक्षक साबिर खान, एएसआई राम अवतार, प्रधान आरक्षक नरेश कुमार शर्मा, मनोहर लाल, चंद्रमौलि मिश्रा, वीरेंद्र यादव तथा आरक्षक कपिल चंद्रवंशी और प्रशांत शर्मा को निलंबित कर दिया।

मप्र में ऑनलाइन हो रहे यूथ कांग्रेस चुनाव

-प्रदेश अध्यक्ष के लिए 5 महिलाओं समेत 19 उम्मीदवार

भोपाल। मप्र में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव चल रहे हैं। 20 जून से शुरू हुई मेंबरशिप और वोटिंग प्रक्रिया 19 जुलाई को खत्म होगी। इस दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव से लेकर जिला अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष चुने जाएंगे। राज्य में पहली बार यूथ कांग्रेस के चुनाव ऑनलाइन मोड पर हो रहे हैं। मोबाइल एप से मेंबर बनाकर वोटिंग कराई जा रही है। सदस्यता के लिए 50 रुपए फीस तय की गई है। सोमवार तक 7 लाख 54 हजार सदस्य बनाए जा चुके हैं।

19 उम्मीदवार मैदान में, 5 महिलाएं

प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 19 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सतना के दिव्यांग लोडिंग ऑटो ड्राइवर विनय पांडे भी शामिल हैं। अन्य प्रत्याशियों में यश घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह दादू, अभिषेक परमार, जावेद पटेल, नीरज पटेल, प्रमोद सिंह, विश्वजीत सिंह चौहान, राजवीर कुडिया, प्रियेश चौकड़े, अब्दुल करीम कुरैशी, आशीष चौबे, शिवराज यादव, राजीव सिंह के नाम हैं। यूथ कांग्रेस की पांच महिला कार्यकर्ता भी प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रही हैं। इनके नाम योगिता सिंह, गीता कड़वे, शुभांगना राजे जामनिया, स्वीटी पाटिल और मोनिका मांडरे हैं। 19 उम्मीदवारों में से एसटी वर्ग से दो, ओबीसी के 4, एससी के 3 जबकि सामान्य वर्ग के 6 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

पूर्व मंत्री घनघोरिया के बेटे को नाथ-सिंघार का समर्थन

प्रदेश अध्यक्ष के चुनावी समीकरणों के हिसाब से इस रेस में पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के बेटे यश घनघोरिया सबसे आगे चल रहे हैं। यश को पूर्व सीएम कमलनाथ और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का समर्थन मिल रहा है। वहीं, भोपाल के अभिषेक परमार, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के सहारे प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचने की जुगत में हैं। हालांकि, दिग्विजय सिंह कह चुके हैं कि मेरा कोई उम्मीदवार नहीं है।

विधानसभा के इसी मानसून सत्र में मिलेगी मंजूरी, कैबिनेट दे चुकी है सहमति

निवेश क्षेत्र के बाहर प्लानिंग का जिम्मा मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी के पास

भोपाल। मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी रीजन का गठन भोपाल-इंदौर में किया जाना है, जिसकी प्रक्रिया फिलहाल चल रही है और विधानसभा के इसी मानसूनी सत्र में इसका विधेयक मंजूर किया जाएगा। इंदौर में ही आयोजित हुई कैबिनेट बैठक में मेट्रो पॉलिटन रीजन को सहमति दी गई थी। निवेश क्षेत्र के बाहर की प्लानिंग का जिम्मा मेट्रो पॉलिटन रीजन के पास ही रहेगा, क्योंकि निवेश क्षेत्र के अंदर तो प्राधिकरण अपनी टीपीएस योजनाएं घोषित करता रहा है।

भोपाल-इंदौर का मास्टर प्लान हालांकि अभी अधर में है और उसके पहले मेट्रो पॉलिटन रीजन पर तेजी से काम हो रहा है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि इसके साथ ही मास्टर प्लान को भी लाना पड़ेगा, जिसका प्रारुप प्रकाशन आने वाले समय में किया जा सकता है। मेट्रो पॉलिटन रीजन का दो से तीन बार दायरा भी मुख्यमंत्री के निर्देश पर बढ़ाया गया है। अब 10 हजार वर्ग किलोमीटर के लगभग रीजन का क्षेत्रफल हो गया है, जिसमें 100 फीसदी हिस्सा इंदौर का रहेगा, जिसमें 654 गांव शामिल हैं। उसके बाद उज्जैन का हिस्सा 43 फीसदी, जिसमें 461 गांव शामिल किए गए हैं, तो देवास का 32.89 हिस्सा, जिसमें 482 गांव शामिल हैं, तो धार का हिस्सा 13.80 प्रतिशत रहेगा और 185 गांव इससे जुड़े रहेंगे, तो शाजापुर का सबसे कम मात्र 0.53 प्रतिशत हिस्सा जिसमें 2 गांव आते हैं, इस इंदौर मेट्रो पॉलिटन रीजन में रहेंगे। कुल गांवों की संख्या 1784 हो चुकी है, जो इंदौर सहित इन पांचों जिलों में आते हैं। इंदौर विकास प्राधिकरण को ही इसे तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया था। उसके बाद इंदौर के राजवाड़ा में आयोजित हुई कैबिनेट बैठक में इसे सहमति दी गई और अब विधानसभा के मानसून सत्र में रख विधेयक मंजूर किया जाएगा।

सीएम ने की है घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक संवाद कार्यक्रम में यह घोषणा की कि प्रदेश सरकार मेट्रो पॉलिटन विकास को गति देने के लिए सालभर के भीतर ही बिल लेकर आएगी। मेट्रो पॉलिटन रीजन के लिए जो समिति गठित होगी उसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री ही रहेंगे, जिसके चलते यह भी तय किया गया कि प्राधिकरण अभी चूंकि निवेश क्षेत्र के भीतर अपनी टीपीएस योजनाएं घोषित करता है। लिहाजा निवेश क्षेत्र के बाहर की प्लानिंग का जिम्मा मेट्रो पॉलिटन रीजन डवलपमेंट अथॉरिटी के पास रहेगा। इसका मकसद यह है कि शहर विस्तार के साथ आसपास के जिलों से रोड कनेक्टीविटी सहित मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी हो सके और जिलों के बीच इस तरह के विकास कार्यों का समन्वय आसानी से हो सके।

एशिया की सबसे उम्रदराज हथिनी नहीं रही, सीएम यादव ने जताया दुख

भोपाल। एशिया की सबसे उम्रदराज हथिनी का निधन हो गया। प्रदेश सरकार द्वारा दावा था कि वत्सला हथिनी की उम्र 100 साल से ज्यादा थी। पन्ना टाइगर रिजर्व के हिनौता रेंज में उसने अंतिम सांस ली। रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरी सावधानी और सम्मान के साथ हथिनी का अंतिम संस्कार किया गया। वत्सला लंबे समय से इस अभ्यारण्य में आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही है। झुंड में सबसे उम्रदराज़ हथिनी होने के नाते, यह स्वाभाविक रूप से नेतृत्वकारी भूमिका निभाती थी और नवजात बछड़ों के लिए दादी या बुजुर्ग की भूमिका निभाती थी।

वत्सला एक दुर्लभ हथिनी थी। उसका लंबा जीवन दशकों की समर्पित वन्यजीव देखभाल और भारत के जंगलों में मनुष्यों और जानवरों के बीच गहरे बंधन का प्रमाण है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वत्सला को श्रद्धांजलि देने के लिए एक्स पर पोस्ट किया। वत्सला को केरल से नर्मदापुरम लाया गया था। बाद में पन्ना टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया था। अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा, वत्सला का सदियों पुराना साथ आज विराम ले लिया। सीएम ने आगे लिखा, टाइगर रिजर्व की इस प्यारी सदस्य की आंखों में अनुभवों का सागर और उसकी उपस्थिति में गर्मजोशी थी। उसने शिविर के हाथियों के समूह का नेतृत्व किया और एक दादी की तरह हाथियों के बच्चों की प्यार से देखभाल की। हालांकि वह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उसकी यादें हमेशा हमारी मिट्टी और दिलों में ज़िंदा रहेंगी।

नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट

-अगले माह रिटायर होंगे सीएस अनुराग और एसीएस कंसोटिया

भोपाल। मप्र में नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर मुख्य सचिव जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता है तो सीएम सचिवालय में अपर मुख्य सचिव रहे डॉ. राजेश राजौरा सबसे सीनियर आईएएस अफसर होंगे। दूसरी ओर, राजौरा के बैच की दिल्ली में पदस्थ महिला आईएएस अलका उपाध्याय ने भी भोपाल में अपनी दिलचस्पी बढ़ा दी है। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन 11 अगस्त को 60 साल के हो रहे हैं। वहीं उन्हीं के बैच के एक अन्य आईएएस होम जेएन कंसोटिया 12 अगस्त को 60 साल की उम्र पूरी करेंगे। दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ आईएएस की नौकरी जॉइन की थी। इसलिए दोनों ही अधिकारी सर्विस रूल के हिसाब से 31 अगस्त को रिटायर होंगे। ऐसे में एमपी के नए मुख्य सचिव के पद को लेकर भी प्रशासनिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है। इसे हवा तब मिली जब 6 जुलाई रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा को सीएम सचिवालय से बाहर किया गया और उन्हें नर्मदा घाटी विकास विभाग का एसीएस और प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बना दिया गया। यह विभाग पहले से राजौरा के पास है।

केंद्र की सहमति से तय होगा नया मुख्य सचिव

1 अक्टूबर 2024 को एमपी के मुख्य सचिव बने अनुराग जैन के कार्यकाल में एक्सटेंशन की चर्चा अभी सर्वाधिक है लेकिन मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता तो राजौरा की दावेदारी सबसे अधिक होगी। जैन के सीएस बनने से पहले राजौरा का नाम फाइनल माना जा रहा था। सीएस के एक्सटेंशन का मामला केंद्र की अनुमति से ही होगा और अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं दिया जाता है तो नए मुख्य सचिव के पद के लिए नाम भी केंद्र की सहमति से फाइनल होगा।

राजेश राजौरा, अलका उपाध्याय सबसे सीनियर

अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया के रिटायर होने पर प्रशासनिक मुखिया के पद के लिए एमपी कैडर के सबसे सीनियर अफसरों में 1990 बैच के डॉ. राजेश राजौरा का नाम है। इसके बाद दूसरे नंबर पर इसी बैच की अलका उपाध्याय का नाम भी है। अलका उपाध्याय वर्तमान में केंद्र में पशुपालन विभाग की सचिव के रूप में पदस्थ हैं। पिछले दो महीनों में जिस तरह से एमपी के दौरों को लेकर अलका उपाध्याय ने दिलचस्पी दिखाई है, इसके बाद यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि सीएस पद के लिए राजौरा की दावेदारी के साथ अलका उपाध्याय भी सक्रिय हैं। वे यहां होने वाली प्रशासनिक गतिविधियों की भी रिपोर्ट ले रही हैं। उधर उज्जैन संभागायुक्त और धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के विभागाध्यक्ष संजय गुप्ता इसी माह 31 जुलाई को रिटायर होने वाले हैं।

पदोन्नति की प्रक्रिया रोककर, हाईकोर्ट का जवाब तैयार कर रहे अफसर

भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा 9 साल से बंद पदोन्नति प्रक्रिया को शुरू करने के लिए पदोन्नति नियम 2025 लागू किया है। जिसके तहत पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। इस बीच हाईकोर्ट ने पदोन्नति नियम पर 15 जुलाई तक रोक लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट का आदेश आते ही पदोन्नति प्रक्रिया की फाइलें बंद कर अधिकारी पदोन्नति नियम के पक्ष में जवाब पेश करने में जुट गई है। शासन स्तर पर बैठकें शुरू हो गई हैं। जल्द ही विधि विशेषज्ञों के साथ चर्चा होगी।

मंत्रालय में भी पदोन्नति नियम 2025 को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की अनौपचारिक बैठक हुई। अब सरकार विधि विशेषज्ञों से चर्चा कर रही है। अगली सुनवाई से पहले सरकार न्यायालय में पदोन्नति नियम के पक्ष में विधिक जवाब पेश करेगी। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों से भी चर्चा की जा रही है। बताया गया कि मुख्य सचिव जल्द ही पदोन्नति नियम के संबंध में चुनिंदा अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इससे पहले इसका अध्यक्ष किया जा रहा है कि पदोन्नति नियम 2025 के खिलाफ लगाई गई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने क्या-क्या आपत्ति की और सरकार की ओर से क्या जवाब दिया गया। सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जरूरत पडने पर सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों को पदोन्नति नियम 2025 का पक्ष के लिए खड़ा किया जा सकता है।

पदोन्नति नियम 2025 लागू होने के बाद सरकार ने 31 जुलाई तक सभी विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने का लक्ष्य रखा है। मुख्य सचिव अनुराग जैन से पिछले महीने के आखिरी में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष समेत सभी कलेक्टर एवं संभागायुक्तों की बैठक ली।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट आज से

भारतीय टीम में बुमराह शामिल, इंग्लैंड की टीम में चार साल बाद हुई आर्चर की वापसी

लॉर्ड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। अभी ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त बनाना रहेगा। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पांच विकेट से जबकि भातरीय टीम ने दूसरा टेस्ट 300 से अधिक रनों से जीता है। ऐसे में भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह इस मैच में भी बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अब तक सीरीज में दोनो ही टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं और उनका लक्ष्य इस प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होगी। बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया था। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह इस मैच में भी अपना प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में 146.25 की औसत और 73 से ज़्यादा के आक्रामक स्ट्राइक रेट से 585 रन बनाकर सीरीज में रन बनाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीन शतक और एजबेस्टन में 387 गेंदों पर 269 रन की लंबी पारी खेली, जो उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा।

भारत के यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी के साथ ही खेलने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों बल्लेबाज पहले दो मैचों में एक-एक अर्धशतक और एक-एक शतक जड़ चुके हैं। कम स्कोर के बावजूद करुण नायर तीसरे नंबर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं। दोहरा शतक जड़ने वाले गिल चौथे नंबर से कप्तानी करेंगे और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, पहले टेस्ट की दोनों पारियों में ऐतिहासिक शतक लगाने के बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने अनुभव के साथ छठे नंबर पर संतुलन लाते हैं और सातवें नंबर पर वाशिंगटन सुंदर को उनकी उपयोगी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन के लिए प्राथमिकता दी जा सकती है जिन्होंने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में महत्वपूर्ण 42 रन बनाए थे। नीतीश रेड्डी बल्लेबाजी में गहराई के लिए आठवें नंबर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं, हालाँकि उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

वहीं दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद आकाशदीप और मोहम्मद सिराज की जोड़ी लॉर्ड्स टेस्ट में फिर से नई गेंद संभालती हुई दिखाई दे सकती है। भारत एक बदलाव के साथ उतर सकता है क्योंकि दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा की जगह वापसी करेंगे, जो शुरुआती दो मैचों में खराब प्रदर्शन से गुजरे हैं। कृष्णा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 5 विकेट लिए, लेकिन 6+ की इकॉनमी से रन दिए। दूसरे टेस्ट में वह केवल एक विकेट ही ले पाए, लेकिन फिर भी वह काफी महंगे साबित हुए।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में हेडिंग्ले में 371 रनों के ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 5 विकेट से हराया था, वह तीसरे टेस्ट मैच में वापसी करना चाहेगा। इंग्लैंड ने इस मैच के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग की जगह जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया गया है। आर्चरचार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने को तैयार है। इसके अलावा टीम में कोई कोई भी बदलाव नहीं किए गए हैं। टंग ने दो टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लिए हैं। चार पारियों में उन्होंने 33.63 की औसत से 11 विकेट लिए हैं पर इसके बाद भी वह अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये।

आर्चर को 2021 के बाद पहली बार इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था. आर्चर ने इंग्लैंड के लिए 13 टेस्ट खेले हैं और 31.04 की औसत से 42 विकेट लिए हैं। टीम की बल्लेबाज ओली पोप, जो रुट के अलावा हैरी ब्रुक पर आधारित रहेगी। नये विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने भी दोनो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह बरकरार रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स और स्पिनर शोएब बशीर के पास रहेगी।

लॉर्ड्स में टीम इंडिया का रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने टेस्ट इतिहास का कोई मुकाबला लॉर्ड्स में ही जून 1932 से सीके नायडू की कप्तानी में खेला था। उस वक्त टीम इंडिया ने मुकाबले को 158 रनों से गंवा दिया था। बाद में टीम इंडिया ने यहां कुल 19 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें महज 3 मुकाबलों में ही भारत को जीत मिली है। 12 मैचों में भारतीय टीम हारी है 4 मैच ड्रॉ रहे हैं।

भारत की संभावित अंतिम 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर

कन्हैया नगपुरे को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का मिला लाभ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट तहसील के ग्राम भटेरा के निवासी कन्हैया नगपुरे को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिला है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा ने 09 जुलाई को प्रतीक स्वरूप कन्हैया को 04 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया। इस दौरान अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया बालाघाट के वरिष्ठ प्रबंधक ललित कुमार निमजे एवं सेन्ट्ल बैंक खैरी के शाखा प्रबंधक नितिन बुराडे भी मौजूद थे।

कन्हैया ने अपनी पत्नी कविता नगपुरे का सेंट्रल बैंक शाखा खैरी में खाता खुलवाया था। केन्द्र शासन द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रारंभ करने पर कन्हैया ने 330 रुपये में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में एवं 12 रुपये में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में पत्नी कविता नगपुरे का बीमा कराया था। वर्ष 2023 में कविता नगपुरे का सड़क दुर्घटना में निधन हो जाने पर कन्हैया ने बैंक में सम्पर्क कर बीमा राशि दिलाने की मांग की थी। लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से बीमा राशि का क्लैम निकालने में परेशानी आ रही थी। इस पर अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार एवं बैंक के शाखा प्रबंधक ने विशेष प्रयास कर कन्हैया के प्रकरण का निराकरण कराया। जिसके फलस्वरूप कन्हैया के खाते में दोनों योजनाओं की 04 लाख रुपये की बीमा राशि जमा हो गयी है। कन्हैया नगपुरे ने बताया कि पत्नी कविता के गुजर जाने का उसे बहुत दुख है। बीमा राशि के रुपयों से वह पत्नी के सपने को साकार करने का प्रयास करेगा। इस राशि का उपयोग वह अपनी बेटी की पढ़ाई एवं उसके विवाह में करेगा। कन्हैया ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना बहुत अच्छी योजना है। इन योजनाओं में बहुत कम राशि में बीमा हो जाता है। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि अब 436 रुपये में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा येजना में तथा 20 रुपये में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में हर कोई व्यक्ति अपना बीमा करा सकता है।

गुरु पूर्णिमा आज

श्री हनुमान मंदिर में सुबह से लेकर देर तक तक होंगे विशेष आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा।गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः अर्थात गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।इसी आस्था और विश्वास के साथ 10 जुलाई दिन गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गुरुपूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। 10 जुलाई को मनाए जाने वाले गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे तो शिष्यगण अपने अपने गुरुओं का स्वागत कर उनका सम्मान करेंगे तो वही गुरुओं को उपहार दिया जाएगा।इसी कड़ी में नगर के काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कराए जाएंगे जो सुबहा से लेकर देर रात तक चलेंगे।

इसलिए होंगा गुरू पूजन

बताया जा रहा है कि जन्म देने वाली मां बच्चे की प्रथम गुरू होती है।वही जब बच्चा थोड़ा बड़ा होकर स्कूल जाता है तो स्कूल पहुंचने पर गुरू ही ऐसा व्यक्तित्व हैं जो उस बच्वें में शिक्षा का ज्ञान के साथ सांसारिक जीवन के बारे में जानकारी देते हैं। हालांकि आधुनिक समय में गुरू व शिष्य की परम्परा में कई कमियां देखी जा रही हैं।उनके कारण गुरूओं के प्रति जो सम्मान के भाव होते थे उसमें गिरावट आयी हैं।बावजूद आज भी शिक्षकों को पूजनीय माना जाता हैं।गुरू ब्रहमा गुरू बिष्णु, गुरू परमो धर्म-गुरू परम ब्रह्म साक्षात तस्मै श्री गुरूवै नम: के भाव आज भी हैं।

गुरुओं के जीवन मे महत्व को बताने मनाई जाती है गुरुपूर्णिमा

आपको बताएं कि गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं का पूजन करने का विशेष महत्व है गुरू के हमारे जीवन में महत्व को समझाने के लिए गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा पर लोग अपने गुरुओं को उपहार देते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं और जिन लोगों के गुरू अब इस दुनिया में नहीं है वे लोग गुरू की चरण पादुका का पूजन करते हैं माना जाता है कि इस दिन गुरुओं का आशीर्वाद लेने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं शास्त्रों में भी गुरू को परम पूजनीय माना गया है गुरू के इसी महत्व को बताने के लिए स्कूलों में गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

मंदिरों में उमड़ेगा जनसैलाब

वर्षो से चली आ रही गुरु-शिष्य की परंपरा का महापर्व गुरु पूर्णिमा गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर ब्रह्मा रूपी गुरु की आराधना की जाएगी। इस दौरान नगर के विभिन्न मंदिरों में रविवार सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।जहां भक्तों का देर रात तक ताता लगा रहेगा। इस दौरान भक्तगण विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर विशेष पूजा अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वहीं मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

श्री हनुमान मंदिर में भी सुबह से लेकर देर रात तक होंगे कार्यक्रम

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं। जो सुबह से लेकर देर रात तक चलते रहेंगे। आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मंदिर के पुजारी पंडित कपिल देव शास्त्री ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष के दिन मनाया जाता है। सनातन पद्धति के अनुसार इस दिन का विशेष महत्व है। इस अवसर पर सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसमें प्रात: काल 6:30 बजे भगवान हनुमान महाराज का अभिषेक होगा, इसके बाद भगवान का सिंदूर वंदन, भव्य श्रृंगार किया जाएगा। वही 56 प्रकार का भोग चढ़ाया जाएगा। इसके अलावा सुबहा 10 बजे भगवान का विशिष्ट पूजन और यज्ञ संपन्न कराया जाएगा। उसके बाद 11 से सुंदरकांड का आयोजन होगा। वहीं दोपहर 12 बजे विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत शाम 7:30 बजे एक कदम सनातन की ओर (बजरंग सेना) संस्था व श्री राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्री हनुमान भजन संध्या का आयोजन होगा। शाम को भी भगवान का भव्य श्रृंगार कर 56 भोग लगाया जाएगा।वहीं रात्रि 12बजे महा आरती कर महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। उन्होंने मंदिर परिसर में आयोजित इन धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी का कार्यकर्ता /चिंतन प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। समस्त महापुरूषों एवं तथागत बुद्ध एवं आधुनिक भारत के निर्माता बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय बौद्धो की राष्टीय धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा संस्था के 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरों के आयोजनों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की लांजी तहसील मुख्यालय के बुद्ध घोष बुद्ध विहार में दिनांक 5 को अंधश्रद्धा निमूलन एवं 6 जुलाई को कार्यकर्ता/चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग के उपप्रमुख वरिष्ठ केन्द्रीय शिक्षक एम.डी.सरोदे गुरूजी चैत्यभूमि मुंबई के मुख्यातिथ्य एवं मुख्य प्रशिक्षक थे,वही प्रमुख अतिथि एवं प्रशिक्षक बी.एम.काम्बले गुरूजी राष्टीय सचिव एवं साउथ राज्यो के प्रभारी मुंबई, प्रमुख अतिथि एवं शिविर के उद्घाटक संस्था के मध्यप्रदेश राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे केन्द्रीय शिक्षक (बालाघाट) शिविर की अध्यक्षता लांजी तहसील के अध्यक्ष

प्रमोद भिमटे द्वारा की गई। विशेष अतिथि के रूप में हेमलता डोंगरे प्रदेश उपा,आर.के.कठाने प्रदेश सचिव, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्या.सचिव,जिलाध्यक्ष एस.एल.रंगारे, उपा.खुशीयाल मेश्राम, प्रमिला चौहान जिला कोषाध्यक्ष, के.के.भालाधरे एवं धरम श्यामकुंवर जिला सचिव, एम.के.बौद्ध पूर्व जिला उपा. पी.डी.भालाधरे जिला संघठक आदि मंचासीन थे। सामूहिक त्रिशरण पंचशील ग्रहण करने एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात शिविर उदघाटक डा.ढेंगरे ने मोमबत्ती प्रज्जवलित कर शिविर का उदघाटन किया एवं अपने उदबोधन के माध्यम से बताया कि समता मुलक समाज निर्माण क्रम निरंतर जारी है,ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक महापुरूषों की विचारधारा पहुंचे। सभी पदाधिकारी निष्ठा एवं अनुसासन से निरंतर धम्म कार्य करेंगें तो संस्था के उद्देश्यो की पूर्ति शीघ्र होगी।तहसील शाखा लांजी द्वारा 2 माह के अल्प समय में संस्था 1375 साधारण सदस्य बनाकर जिले में कीर्तिमान स्थापित किया।इसी तरह मुख्य अतिथि एवं मुख्य प्रशिक्षक सरोदे गुरूजी ने प्रथम दिन बाबा, बुआ, पाखंडी लोग समाज में डर बनाकर समाज के भोले भाले लोगो को भ्रमित कर उन्हे लुटने का कार्य करते है वह पेक्टीकल करके बताया,कार्यकर्ता चिंतन शिविर में कार्यकर्ताओं को उनकी आचार संहिता बताई, किस तरह समाज में जाकर धम्म कार्य करना है,उन्होने बताया कि सभी पदाधिकारी आंबेडकरी आंदोलन के तारक एवं धम्म के प्रचारक है। इसी तरह प्रमुख अतिथि कांबले ने भी संस्था के उद्देश्य के विषय पर प्रशिक्षण दिया व बताया कि विज्ञानवादी विचारो का समाज निर्माण एवं अंद्धश्रद्धा से मुक्त समाज बनाना संस्था का उद्देश्य है। इस शिविर के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भिमटे के द्वारा सभी को साधुवाद देकर संस्था के उद्देश्यो की पूर्ति हेतु अनुशासन से धम्म सस्था के माध्यम से धम्म कार्य करने हेतु सभी को आश्वस्त किया। इस शिविर का सफल संचालन शाखा के महासचिव पी.आर.गजभिये द्वारा किया गया। वही बीएसआई संस्था का महिला विभाग अर्था प्रज्ञा महिला मंडल जिसकी तहसील अध्यक्ष शशि बौद्ध, नगर अध्यक्ष धर्मशीला मेश्राम व उनकी पूरी टीम, विशेष सहयोगी नगर अध्यक्ष कमल मेश्राम, सचिव कमलेश गजभिये व अतिथियो के रूकने की,भोजन आदि की व्यवस्था करने वाले कैलाश वैध एवं उनके परिवार का साधुवाद,तहसील एवं जिला शाखा द्वारा किया गया।शिविर में सर्कल अध्यक्ष में बहेला के संजीव वासनिक, भानेगांव के गजेन्द्र नागदौने, महासचिव सुनील मेश्राम, नेवरवाही से धीरज वाहने, साडरा से मनोज बारमाटे, बिसोनी से मनोहर चौरे तथा उनकी टीम एवं ग्राम शाखा के अध्यक्ष भारी संख्या में उपस्थित थे।

मतदाता सुची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन के लिए बीएलओ को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले की छः विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचक नामावली में नये नाम जोडने, मृत या बाहर जा चुके लोगो के नाम हटाने तथा गलत या त्रुटिपूर्ण नामों में संशोधन के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीएलओ को यह प्रशिक्षण राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा 07 जुलाई से दिया जा रहा है और यह प्रशिक्षण 17 जुलाई तक चलेगा। प्रशिक्षण विधानसभा मुख्यालय बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, लांजी, बैहर एवं परसवाड़ा में दिया जा रहा है।

जे फार्म सर्विस ऐप को बढ़ावा देने कृषि यंत्र विक्रेताओं की बैठक संपन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन और उप संचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय के मार्गदर्शन में 09 जुलाई को जे फार्म सर्विस ऐप क्रियान्वयन और संचालन के संबंध में उप संचालक कृषि कार्यालय बालाघाट में सभी कृषि यंत्र विक्रेताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक कृषि ने जिले के कृषि यंत्र विक्रेताओं को उन्नत कृषि यंत्र खरीदने आए कृषकों को उनके मोबाइल में जे फार्म सर्विस ऐप डाउनलोड करवाकर इसके पंजीयन, संचालन और क्रियान्वयन की प्रक्रिया को मोबाइल में करके बताया गया। कृषि यंत्र धारक किसान जे फार्म सर्विस ऐप में अपना पंजीयन कर उपलब्ध यंत्रों की जानकारी ऐप में देंगे। जिन किसानों को खेती में उपयोग के लिए जरूरत के अनुसार कृषि यंत्र की आवश्यकता है वे इस जे फार्म सर्विस ऐप के माध्यम से उस यंत्र को घर बैठे किराए पर लेकर उपयोग कर सकते हैं। कृषि यंत्र विक्रेताओं के द्वारा जिन भी किसानों को कृषि यंत्र विक्रय किया गया है वे उन किसानों से संपर्क कर, उनका पंजीयन जे फार्म सर्विस ऐप में कराने हेतु सहमति दी गई। इसके साथ ही उप संचालक कृषि ने सहायक कृषि यंत्री श्री काशी राम कुलस्ते को विकासखंड स्तर पर भी जे फार्म सर्विस ऐप संचालन संबंधी बैठक आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कृषि यंत्र विक्रेताओं द्वारा जिले में उन्नत कृषि यंत्रों के प्रदर्शन किसानों के खेतों में करने के लिए कहा गया और जहां भी वे प्रदर्शन करें वहां कृषि विभागीय अमला और किसानों की उपस्थिति में करें। जिससे अधिक से अधिक किसानों को नवाचार और उन्नत कृषि यंत्रों की तकनीकी की जानकारी मिल सके और किसान उसको अपनाने की ओर अग्रसर हो सकें। जिले में सुपर सीडर, बेलर, मल्चर जैसे उन्नत और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभाग और कृषि यंत्र विक्रेताओं द्वारा नई पहल की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह ने 09 जुलाई को वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इसमें बालाघाट एनआईसी वीडियो कान्फ्रेंस रूम से कलेक्टर मृणाल मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं अन्य अधिकारी जुड़े थे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में सातवें स्थान पर है। आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कोई भी प्रकरण तीन माह से अधिक का लंबित नहीं है। जिले में विवादित सीमांकन, नामांकन एवं बटवारा के प्रकरणों को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में प्राकृतिक आपदा से राहत का कोई प्रकरण लंबित नही है। 01 जून से 09 जुलाई तक जिले में 37 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है। पिछले दिनों हुई अतिवर्षा में 44 मकान क्षतिग्रस्त हुए है और 20 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सड़को के 03 पुल-पुलिया एवं 01 सड़क अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुए है। 09 जुलाई को वर्षा नही होने के कारण नदी नालो से बाढ़ का पानी उतरने

लग गया है। सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में बी गेड में है और सातवें स्थान पर है। ई-ऑफिस में बालाघाट जिले में अच्छा काम चल रहा है और फाईले ई-ऑफिस के द्वारा निराकृत की जा रही है। खाद्य बीज के मामले में जिले में 01 एफआईआर दर्ज की गई है। जिले को 05 हजार मीट्रिक टन मिश्रित उर्वरक की आवश्यकता है। जिले में अनुकम्पा नियुक्ति के 08 प्रकरण लंबित है जो पद नहीं होने के कारण लंबित है। गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा आंगनवाड़ी के बच्चों को 83 प्रतिशत टीएचआर का वितरण हो गया है। पोषण ट्रेकर एप्प के आधार पर जिले में 100 प्रतिशत आंगनवाड़ी खुल रही है और संचालित हो रही है। पोषण पुनर्वास केंद्रो के बेड 108 प्रतिशत भरे है। जिले में निःशुल्क पाठ्यपुस्तको का 92 प्रतिशत वितरण हो गया है और कक्षा 01 से 12वीं तक के नामांकन में बालाघाट जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि जिले में अनुसूचित जाति जनजाति के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। अत्याचार निवारण अधिनियम के सभी प्रकरणों में सहायता राशि स्वीकृत की गई है। समग्र ईकेवायसी में बालाघाट जिला प्रदेश में अच्छी स्थिति में है। नगरीय क्षेत्र बालाघाट में समग्र ई-केवायसी का कार्य कुछ शेष रह गया है। जल गंगा संर्वधन अभियान में जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर है और मनरेगा में 67 प्रतिशत लेबर बजट व्यय किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 जुलाई को लाडली बहनों के खाते में राशि अंतरित करेंगे

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह अगस्त में रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के साथ 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

प्रियांश शर्मा बने सीए

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगर की बेटे प्रियांश शर्मा ने हाल ही में आयोजित सीए की परीक्षा पास की है। उसका बचपन से ही सपना सीए बनने का था, जिसे उसने सीए की परीक्षा पास कर हासिल कर लिया है। प्रियांश शर्मा, नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 09 गुजरी चौक निवासरत फोटो कॉपी दुकान संचालक राजेन्द्र कुमार उर्फ राजू शर्मा के सुपुत्र है।श्री शर्मा के सुपुत्र प्रियांश शर्मा ने यह सफलता प्राप्त कर शहर व परिवार को गौरवांवित किया है। प्रियांश ने बताया कि उसका बचपन से ही सपना सीए बनने का था। जिसके लिए, मुझे परिवार के सभी सदस्य हमेशा प्रेरित करते रहे और यही कारण है कि आज वह सीए बनकर प्रसन्न है। उन्होंने बताया कि सीए के लिए आवश्यकतानुसार पढ़ाई की और अपने लक्ष्य पर ध्यान दिया। उन्होंने सीए करने वाले युवाओं से कहा है कि बिना लक्ष्य और मेहनत के कुछ संभव नहीं है यदि वह लक्ष्य और मेहनत के साथ, अपनी पढ़ाई करते है तो निश्चित ही वह सफलता हासिल कर सकते है। प्रियांश के सीए बनने पर परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। वही उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं की है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शिक्षा के प्रकाश से जीवन को आलोकित करने वाले

गुरुओं का आभार व्यक्त करती मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कमला नेहरु सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल का लोकार्पण

एवं

विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरण शुभारंभ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 जुलाई, 2025 । दोपहर 12:30 बजे

कमला नेहरु सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल

तपोधरा मध्यप्रदेश ऋषि परंपरा की जीवंत धरोहर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना गया है। हमारा प्रदेश **महर्षि सांदीपनि, जगतगुरु श्रीकृष्ण एवं अनेक कालजयी गुरुओं जैसे महर्षि वेद व्यास, अत्रि, अगस्त्य, च्यवन ऋषि, परशुराम, विश्वामित्र, दत्तात्रेय, ऋषि जाबाली, गालव ऋषि, पतंजलि, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ, भर्तृहरि, चार्वाक, भरतमुनि, श्री वल्लभाचार्य, स्वामी हरिदास, गुरु नानकदेव, संत सिंगाजी, सेन भगत, संत रविदास, स्वामी जदरूप** आदि की तपोभूमि और कर्मस्थली रही है। उनके तप, त्याग और ज्ञान से हमारे देश-प्रदेश ने सदैव ही दिशा पाई है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम उन सभी पूज्य गुरुओं का सादर वंदन करते हैं। सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक मंगलकामनाएं।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
D11061/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

जिला चिकित्सालय के भंडार कक्ष में हुई दवाओं की चोरी का कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा

स्वास्थ्य विभाग के ही फार्मासिस्ट ने की थी नकली चाबी बनाकर भंडार कक्ष से दवाई की चोरी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला चिकित्सालय बालाघाट के ट्रामा सेंटर में 7 जुलाई की रात्रि 9:30 बजे अज्ञात चोरों ने ट्रामा सेंटर के भंडार कक्ष में रखी दवाइयों के चार बॉक्स ताला खोलकर चोरी कर लिया गया था। इस पूरी चोरी की घटना की शिकायत अस्पताल प्रबंधन ने कोतवाली में की थी। जिसके बाद इस पूरी चोरी का खुलासा कोतवाली पुलिस द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से स्थानीय कंट्रोल रूम में किया । यहां नगर अधीक्षक वैशालीसिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के ही एक फार्मासिस्ट द्वारा भंडार कक्ष के ताले की नकली चाबी बनाकर अपने एक साथी के साथ चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

आयोजित प्रेस वार्ता में नगर अधीक्षक वैशालीसिंह द्वारा बताया गया कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में चोरी की घटनाओं में अज्ञात आरोपियों की धरपकड़ हेतु पुलिस टीमें गठित की गई है, इस क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पन्द्रे , नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली विजय राजपूत के नेत्रत्व में विशेष टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना तंत्र के माध्यम से थाना कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट स्थित ट्रॉमा सेंटर के स्टोर रूम से चोरी गए लगभग 9 लाख रुपये मूल्य के महंगे इंजेक्शन (एंटीहेमोफिलिक फैक्टर 8) को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस गंभीर चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त सफेद रंग की स्कार्पियो वाहन एवं एक प्लेजर स्कूटी को भी जप्त किया गया है। उन्होंने बताया की 8 जुलाई को फरियादी ऋचा हरिनखेड़े, ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 और 8 जुलाई 2025 की दरमियानी रात को अज्ञात चोर द्वारा शासकीय जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर के स्टोर रूम से इंजेक्शन फैक्टर-8 के कुल 4 थर्माकोल बॉक्स चोरी कर लिए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 9 लाख रुपये है। उक्त रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर धारा 305 (a), 331(4) BNS के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन मे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध प्लेजर स्कूटी (MP-50,MA-4380) के चालक मनदीप टेकाम निवासी वार्ड क्रमांक 09 गर्रा को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी जैनीश टेकाम निवासी वार्ड क्रमांक 10 गर्रा के साथ मिलकर ट्रॉमा सेंटर से दवाओं की चोरी की। आरोपियों के कब्जे से चोरी गए 4 थर्माकोल बॉक्स, जिनमें फैक्टर-8 इंजेक्शन रखे थे, एवं घटना में प्रयुक्त वाहन स्कार्पियो (MP-66 C -0893) और स्कूटी को विधिवत जप्त किया गया है।

इस प्रकार की थी चोरी

पुलिस पूछताछ में आरोपी जैनिस टेकाम जो कि प्राथमिक स्वाथ्य केन्द्र मोहगांव मे फार्मासिस्ट का काम करता है, उनका शासकीय कार्य के सिलसिले में ट्रामा सेन्टर आना जाना लगा रहता था। आरोपी को जानकारी थी कि ट्रामा सेन्टर के स्टोर रूम मे मंहगी दवाइया रहती है उसने अपने साथी मनदीप टेकाम के साथ चोरी का प्लान बनाया। इस हेतु मौका पाकर ट्रामा सेन्टर स्टोर रूम की चाबी का एक पेपर मे प्रेसर प्रिन्ट लेकर नई चाबी खुद से बनाई और चोरी को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस अधिकारियों द्वारा यह बताया जा रहा है कि जैनिस द्वारा इन इंजेक्शनों को बेचने के इरादे से ही चोरी की गयी थी । हालांकि अभी उन्होंने किसी से इंजेक्शनों को लेकर बेचने की बात नहीं की थी। ऑटो ड्राइवर को भी उन्होंने सिर्फ बॉक्स को ले जाने के लिए हायर किया था। ऑटो चालक को चोरी की घटना की कोई जानकारी नहीं थी। दोनो ही गिरफ्तार आरोपियों को विधिसम्मत रिमांड पर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं।

विभागीय जांच करवाई जायेगी - परेश उपलव

इधर स्वास्थ्य विभाग में भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव द्वारा दूरभाष पर बताया गया कि जिस फार्मासिस्ट द्वारा चोरी की घटना की गई है उस विषय को लेकर विभागीय रूप से जांच करवाई जायेगी , जहां वह पदस्थ थे वहां पर भी दवाओं की क्या स्थिति है और इन सब विषय को लेकर वह अपने विभाग स्तर पर टीम गठित कर जांच करवाएंगे ।

पुल पर पानी होने के बाद भी बस चलाने पर बस जब्त की गई

ड्राइवर अंकित धामड़े लायसेंस निलंबित किया गया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट लामता मार्ग पर ग्राम मोहगांव के पास नाले के पुल पर पानी होने के बाद भी ड्राइवर द्वारा बस से पुल पार करने का प्रयास किया जा रहा था। इस पर एसडीएम एवं पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही कर बस क्रमांक MP-50-P-2554 को जब्त कर लामता थाने में खड़ा करा दिया गया है। जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि इस बस संचालक पर जुर्माना लगाया जा रहा है। इसके साथ ही बस चालक अंकित धामड़े का ड्रायविंग लायसेंस निलंबित करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। परिवहन अधिकारी श्री गढ़पाल ने सभी पर संचालकों से अपील की है कि वह बाढ़ की स्थिति में पुल-पुलियों पर पानी होने पर उसे कतई पार ना करें और यात्रियों की जान जोखिम में ना डालें। जिले में कहीं पर भी ऐसी स्थिति पाई जाएगी तो बस को जब्त करने के साथ ही बस संचालक पर जुर्माना लगाया जाएगा और बस चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा ।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

कृषक हितग्राहियों को सायबर ठगों से सावधान करने एडवायजरी जारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। किसानों के कल्याण और कृषि विकास की हितग्राही मूलक योजनाओं के नाम पर सायबर ठगों से सावधान करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी द्वारा एडवायजरी जारी की है। संचालक अभियांत्रिकी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर स्वयं को विभागीय अधिकारी के रूप में अपना परिचय देकर सायबर ठगी करते है। ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक हितग्राही योजनाओं के अंतर्गत कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है। इस प्रक्रिया में किसी भी हितग्राही से योजना संबंधी संपर्क नहीं किया जाता है। संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने हितग्राहियों से अपेक्षा की है कि वे अनजान नंबरों से आने वाले कॉल , वॉट्सऐप कॉल/वीडियो कॉल/अन्य सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाले कॉल नबंर जिनमें मुख्यतः 07056847570, 07088438459, 0756847570, 9520711020 हो तो उन्हें बिल्कुल भी न उठाये जाए। अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, उनसे किसी भी प्रकार की सूचना व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। हो सकता है वह आपकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त कर आपको परेशान करे। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विभागीय अधिकारी बताकर/विभागीय अधिकारी के नाम से भी आपसे बात करे तो एकदम से उसकी बात पर विश्वास न करें। आपके साथ कोई सायबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में cybercrime.gov.in या Cyber Crime Help Line

मानसिक तनाव में आकर पति-पत्नी ने खाया उर्वरक खाद

यूरिया खाद का सेवन करने से दोनों की हालत बिगड़ी, दोनों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चौकी उकवा के ग्राम डोरा में एक पति पत्नी ने उर्वरक खाद यूरिया का सेवन कर लिया। जहां मानसिक तनाव में उर्वरक खाद का सेवन करने से दोनों की तबीयत खराब हो गई। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां ग्राम डोरा निवासी 50 वर्षीय सुखचंद पिता गोलू पालेवाल और सुखचंद की पत्नी 45 वर्षीय पत्नी सम्पुला पालेवार का उपचार जारी है।

शराब पीने के लिए पैसों को लेकर पति-पत्नी के बीच हुआ था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोरा निवासी सुखचंद और उसकी पत्नी सम्पुला पालेवार खेती-बाड़ी का काम करते हैं।बताया जा रहा है कि सुखचंद पालेवार शराब पीने का आदी है। जो आए दिनों की तरह मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पत्नी सम्पुला से शराब पीने के लिए पैसों की मांग कर रहा था। जहां पत्नी सम्पुला ने शराब के लिए पैसे देने से मना कर दिया। जिस पर सुखचन्द और पत्नी सम्पुला के बीच विवाद हो गया। जहां दोनों एक दूसरे को गाली-गलौज करने लगे। इसी मानसिक तनाव में आकर पहले पति सुखचंद पालेवार ने घर पर रखी उर्वरक खाद यूरिया का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई।जिसे देख पत्नी सम्पुला ने भी आवेश में आकर वही यूरिया खाद का सेवन कर लिया। जिससे दोनों की तबीयत खराब हो गई उन्हें चक्कर आने लगे और उल्टियां होने लगी। जिसकी जानकारी मिलने पर भतीजे आनंद पालेवार ने पति-पत्नी दोनों को निजी वाहन से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। जहां उनका उपचार जारी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

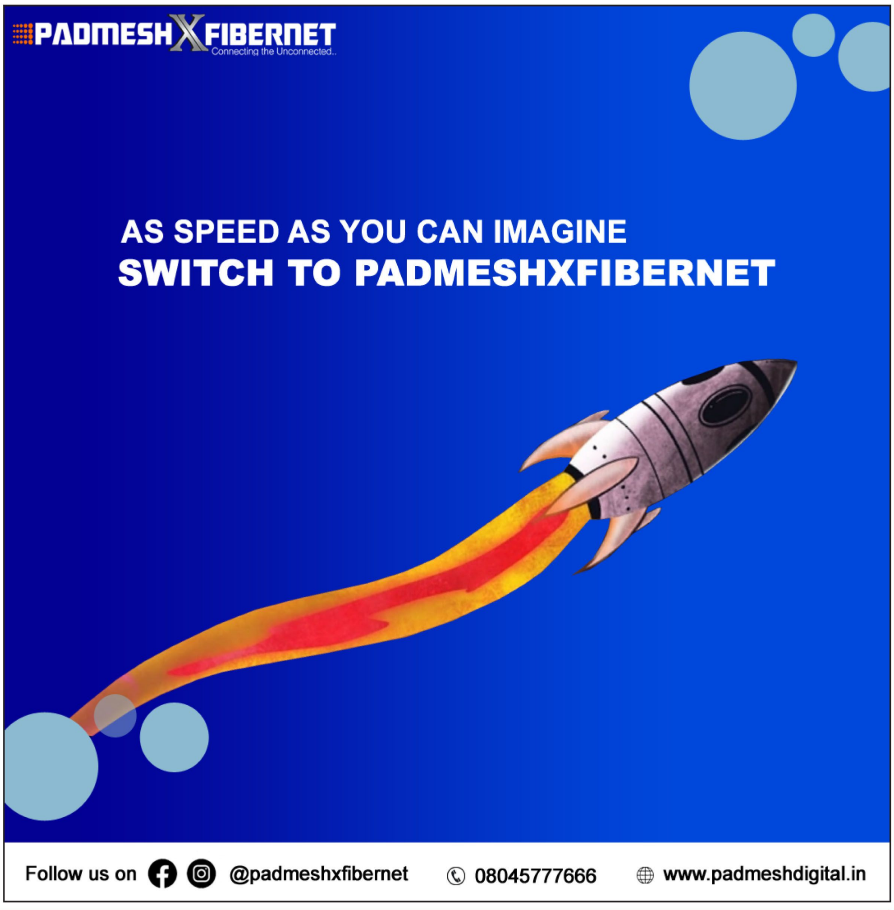

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट